{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 16 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण 14 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 262
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 76,264.33
निफ्टी - 23,853.90
सोना - 1,60,235
चांदी - 2,65,000
डॉलर - 94.51

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

वाराणसी में नीट पेपर लीक के विरोध में पल्लवी पटेल हिरासत में

वाराणसी। अपना दल (कमेरावादी) की अध्यक्ष और सिराथू विधायक पल्लवी पटेल को सोमवार को वाराणसी में नीट पेपर लीक सहित अन्य मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया। उन्होंने बीएचयू गेट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय कार्यालय तक मार्च का आह्वान किया था, लेकिन प्रशासन द्वारा अनुमति नहीं देने के कारण पुलिस ने रोक दिया। प्रदर्शन के दौरान पल्लवी और उनके 24 समर्थकों को हिरासत में लेकर पहले पुलिस लाइन, फिर शहर से बाहर ले जाया गया। हिरासत में लेने के दौरान पुलिस के साथ उनकी नोकझोंक भी हुई।

कर्नाटक में जमीर अहमद खान को मंत्री पद देने की मांग तेज

बेंगलुरु । कर्नाटक में कांग्रेस विधायक जमीर अहमद खान को मंत्रिमंडल में प्रमुख जिम्मेदारी दिए जाने की मांग को लेकर उनके समर्थकों ने प्रदर्शन किया। राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुए इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में समर्थक शामिल हुए और उन्होंने पार्टी नेतृत्व से जमीर अहमद खान को कैबिनेट में महत्वपूर्ण स्थान देने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जमीर अहमद खान लंबे समय से कांग्रेस के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं और अल्पसंख्यक समुदाय के बीच उनकी मजबूत पकड़ है। समर्थकों का दावा है कि पार्टी को राज्य में मिले जनाधार को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, इसलिए उन्हें सरकार में बड़ी जिम्मेदारी मिलनी चाहिए। हाल के दिनों में कर्नाटक में मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल की अटकलों के बीच यह मांग और तेज हो गई है। इससे पहले भी कई मुस्लिम धर्मगुरुओं और सामुदायिक संगठनों ने सरकार से अल्पसंख्यक समुदाय को मंत्रिमंडल में अधिक प्रतिनिधित्व देने की मांग की थी।

केंद्र ने वीबी-जी राम जी योजना के तहत बंगाल को दिए 8500 करोड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को बताया कि केंद्र सरकार ने राज्य को वीबी-जी राम जी योजना के तहत 8,500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बंगाल को 8,508 करोड़ रुपये मिले हैं। उत्तर प्रदेश के बाद बंगाल इस योजना में सबसे ज्यादा फंड पाने वाला दूसरा राज्य बन गया है। योजना के तहत उत्तर प्रदेश को 9,721.48 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

कुछ ना कहना

टीएमसी के 20 बागी सांसदों का एनसीपीआई में विलय

3 साल पहले पति-पत्नी ने बनाई थी यह पार्टी

कोलकाता/नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के विलय के बाद नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) चर्चा में है। रिकॉर्ड के अनुसार, 3 साल पहले 2023 में बंगाल के उत्तिया कुंडू और शेउली कुंडू नाम के कपल ने पार्टी की नींव रखी थी। पार्टी के डॉक्यूमेंट्स में उत्तिया कुंडू पार्टी के अध्यक्ष हैं। पत्नी शेउली का नाम कोषाध्यक्ष के रूप में दर्ज है। एनसीपीआईअध्यक्ष उत्तिया ने 13 मई को फेसबुक पर बंगाल सीएम शुभेंदु अधिकारी के साथ अपनी फोटो शेयर करते हुए उन्हें मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी थी।

हावड़ा में एनसीपीआईका ऑफिस है, जहां सोमवार को सुरक्षाबलों की तैनाती दिखी। ऑफिस के गेट पर उत्तिया ने खुद को बंगाली न्यूजपेपर का एडिटर और टीचर बताया है। वहीं उनकी पत्नी शेउली को कलकत्ता हाईकोर्ट की वकील बताया गया है।

एनसीपीआई बंगाल में रजिस्टर्ड, त्रिपुरा से चुनावी शुरुआत की

एनसीपीआईका रजिस्टर्ड पता पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बानीपुर इलाके में है। पार्टी ने 2023 में त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में चार उम्मीदवार उतारे थे। लेकिन उसके उम्मीदवार या तो नोटा से पीछे रहे या फिर उससे थोड़ा ज्यादा वोट हासिल कर पाए। पार्टी को कुल मिलाकर लगभग 1,198 वोट मिले थे। चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार पार्टी को कुल 1.13 लाख का चंदा मिला था। एनसीपीआईके चुनावी पोस्टरों में नारा था- अपने अधिकारों को बचाने के लिए दलबदलुओं को नकारें।

काकोली का दावा—2 और सांसद शामिल होंगे, बागी खेमे की संख्या 22 पहुंची

पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में अंदरूनी कलह लगातार गहराती जा रही है। पार्टी के भीतर बगावत का दायरा बढ़ने का दावा करते हुए वरिष्ठ सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने कहा है कि दो और सांसद बागी खेमे में शामिल होने वाले हैं, जिससे इस गुट की संख्या बढ़कर 22 हो जाएगी। यह दावा पार्टी नेतृत्व के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, लोकसभा में टीएमसी के कुल 28 सांसद हैं और यदि 22 सांसद अलग रुख अपनाते हैं तो यह संख्या दो-तिहाई बहुमत के करीब पहुंच जाती है। ऐसे में बागी गुट पर दल-बदल कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ) का तत्काल असर नहीं पड़ेगा, जिससे उनकी स्थिति और मजबूत हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, यह पूरा घटनाक्रम संसद में भी राजनीतिक समीकरण बदल सकता है, क्योंकि बागी सांसदों ने अलग गुट बनाकर न सिर्फ अपनी पहचान बनाने की कोशिश शुरू कर दी है, बल्कि भविष्य में किसी अन्य गठबंधन के साथ जाने की संभावना भी जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि इस बगावत की शुरुआत हाल के दिनों में नेतृत्व को लेकर असंतोष और संगठनात्मक फैसलों से नाराजगी के बाद हुई।

त्रिपुरा चुनाव के बाद गायब हो गई थी पार्टी

एनसीपीआई ने 2023 में त्रिपुरा के चावामानु से बरजेडा त्रिपुरा को उम्मीदवार बनाया था। बरजेडा को 536 वोट मिले थे। टीएमसी के बागी सांसदों के साथ विलय की बात सुनकर वे हैरान रह गए। बरजेडा ने बताया कि वे दिहाड़ी मजदूर हैं। चुनाव के बाद उनका पार्टी से संपर्क खत्म हो गया था। त्रिपुरा के कैलाशहर से एनसीपीआई उम्मीदवार रहे जहांगीर अली ने बताया कि 2023 चुनाव के दौरान शेउली कुंडू कोलकाता से आई थीं और उम्मीदवारों से संपर्क किया था। चुनाव खत्म होने के बाद पार्टी ने गतिविधियां बंद कर दीं और संपर्क भी टूट गया।

राज्यसभा नामांकन रद्द मामला : मीनाक्षी के खिलाफ कांग्रेस में ही साजिश ?

रेवंत रेड्डी पर लगा गंभीर आरोप

हैदराबाद। कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की राज्यसभा उम्मीदवारी रद्द होने का विवाद बढ़ता जा रहा है। एक ओर जहां कांग्रेस भाजपा और चुनाव आयोग की साजिश बताकर विरोध जता रही है, वहीं इस पूरे मामले में पार्टी की अंदरूनी खींचतान को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। तेलंगाना के पूर्व मंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रमाराव (केटीआर) ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर गंभीर आरोप लगाया है कि उन्होंने ही नटराजन का नामांकन रद्द करने में मुख्य भूमिका निभाई। केटीआर ने दावा किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मध्य प्रदेश से राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन की पीठ में छुरा घोंपा है। उनके अनुसार, कांग्रेस नेता और राहुल गांधी की करीबी नटराजन सीएम रेड्डी की कथित अनियमितताओं और घोटालों की जानकारी पार्टी आलाकमान तक पहुंचा रही थीं, जिसके प्रतिशोध में सीएम रेड्डी ने उनके खिलाफ तेलंगाना में एक 'फर्जी' मामला दर्ज कराया। आरोप है कि मुख्यमंत्री रेडडी ने इस फर्जी केस की जानकारी मध्य प्रदेश के भाजपा नेताओं तक भी पहुंचाई, जिससे उनका नामांकन रद्द हो सके। केटीआर ने एक जनसभा में सीएम रेड्डी पर घिनौनी राजनीति करने का आरोप लगाकर दावा किया कि वे पहले भी नटराजन को राज्यसभा का टिकट मिलने में बाधा डाल चुके हैं। बीआरएस नेता ने नटराजन को एक ईमानदार नेता और राहुल गांधी की भरोसेमंद बताकर कहा कि वह रेवंत रेड्डी की बदले की राजनीति का शिकार बनीं। दरअसल, मध्य प्रदेश में तीन राज्यसभा सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया चल रही थी, जिसमें से कांग्रेस एक सीट आसानी से जीत सकती थी। इसके लिए कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन रिटर्निंग ऑफिसर ने उनके नामांकन पत्र को रद्द किया। वजह यह थी कि उन्होंने अपने हलफनामे में तेलंगाना में अपने खिलाफ दर्ज एक कथित आपराधिक मामले की जानकारी नहीं दी थी। इसी जानकारी को छिपाने के कारण उनका नामांकन रद्द हुआ। कांग्रेस ने फैसले के खिलाफ चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई राहत नहीं मिली और अंततः भाजपा के तीनों उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। कांग्रेस जहां पूरे मामले पर भाजपा और चुनाव आयोग पर ठीकरा फोड़ती रही, वहीं केटीआर के इन आरोपों ने विवाद को एक नया मोड़ दे दिया है।

बिहार के मंत्री दीपक प्रकाश की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली । बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश की नियुक्ति को चुनौती देने वाली जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई, इसके बाद शीर्ष अदालत ने मंत्री प्रकाश, बिहार सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान विशेष रूप से पूछा कि क्या प्रकाश अभी भी मंत्री पद पर बने हुए हैं, जिस पर याचिकाकर्ता के वकील ने हाँ में जवाब दिया।

राकेश कुमार सिंह द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि दीपक प्रकाश, जो न विधानसभा और न ही विधान परिषद के सदस्य हैं, उन्हें लगातार दूसरी बार मंत्री नियुक्त किया गया है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि यह भारतीय संविधान की भावना और लोकतांत्रिक व्यवस्था के पूरी तरह खिलाफ है। याचिकाकर्ता के वकील सुदीप चंद्र ने शीर्ष अदालत को बताया कि 14 नवंबर 2025 को बिहार चुनाव के नतीजे आने के बाद, 20 नवंबर 2025 को नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री बनने पर प्रकाश को पंचायती राज मंत्री बनाया था। वे 15 अप्रैल 2026 तक इस पद पर रहे। इसके बाद में, बिहार सरकार में बदलाव हुआ और सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बने। इसके बाद 7 मई को दीपक प्रकाश को फिर पंचायती राज विभाग का मंत्री बनाया गया। वकील चंद्र ने तर्क दिया कि यह तरीका अनुच्छेद 164(4) का उल्लंघन है, जहाँ कोई भी व्यक्ति पांच माह 28 दिन मंत्री बनकर इस्तीफा दे और फिर से अगली सरकार में मंत्री बन जाए, यह संवैधानिक रूप से अनुमेय नहीं है। उन्होंने बताया कि दीपक प्रकाश को इस बार एमएलसी सीट के लिए भी नॉमिनेट नहीं किया गया है। याचिका में अदालत से क्वो वारंटो (अधिकार-पृच्छा) रिट जारी करने की मांग की गई है, ताकि यह जांचा जा सके कि दीपक किस संवैधानिक अधिकार के तहत मंत्री पद पर बने हुए हैं। साथ ही, मांग की गई है कि 7 मई तक उन्होंने जितनी भी योजनाएं पारित की हैं या संकल्प लिए हैं, उन्हें निरस्त किया जाए और उनके दूसरे कार्यकाल की नियुक्ति तथा वेतन-भत्तों को खारिज किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने अब सभी संबंधित पक्षों से गंभीर मामले पर विस्तृत जवाब मांगा है।

3 रुपए तक कम हो सकती है पेट्रोल-डीजल की कीमतें

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट का दिखेगा असर

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान समझौते की घोषणा के साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट से आई है। सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में 4 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई। अब देखना ये है कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी लाकर भारत की आम जनता को केंद्र सरकार कब तक राहत मुहैया कराती है।

मिडिल ईस्ट में युद्ध के बादल छंटने की खबर आते ही ब्रेंट क्रूड 4 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर लगभग 83.75 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। डब्ल्यूटीआई क्रूड लगभग 5 प्रतिशत गिरकर करीब 80.87 डॉलर प्रति बैरल हो गया। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक सरकार स्थितियों पर नजर बनाए हुए है। देश की तेल विपणन कंपनियों ने हार्मुज स्ट्रेट में तनाव के दौर में भारी नुकसान उठाया है। केंद्र ने भी उत्पाद शुल्क में कटौती की थी। इसके बावजूद जब नुकसान काबू से बाहर गया तब दामों में बढ़ोत्तरी की गई। इसकी भरपाई एक दिन में नहीं की जा सकती।

7 से 8 रुपए बढ़ गए पेट्रोल-डीजल के दाम

सूत्रों का कहना है कि आगे सबकुछ सही रहा तो सरकार आम जनता को जरूर राहत देगी। फिलहाल स्थितियों पर नजर रखी जा रही है, अभी संकट के बादल छट रहे हैं। आसमान साफ होने दीजिए। जाहिर है कि पेट्रोल-डीजल के दामों में भी कमी आएगी। सूत्रों का कहना है कि भारत की तेल विपणन कंपनियां हालिया पश्चिम एशिया संकट के दौरान हुए नुकसान की भरपाई कर रही हैं, क्योंकि तब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। इस दौर में कंपनियों ने काफी समय तक इसका पूरा बोझ ग्राहकों पर नहीं डाला था। लेकिन मई के बीच से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 7 रुपये से 8 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। कच्चे तेल की कीमतों के नीचे आने के साथ अगर इसमें स्थिरता कायम रहेगी तो कंपनियों के नुकसान की जल्द भरपाई हो जाएगी।

पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी कम हुई थी

मार्च में सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 3 रुपये प्रति लीटर कम कर दी थी। जबकि डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाकर शून्य कर दी थी, क्योंकि टैक्स की दरें पहले से ही काफी कम स्तर पर हैं इस वजह से टैक्स में कटौती के जरिए तुरंत और राहत देने की गुंजाइश काफी कम है। ऐसे में दामों के नीचे आने के साथ उनमें स्थिरता कायम रहने पर ही सरकार आम जनता को राहत देने का कदम आगे बढ़ाएगी। याद रहे कि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का 85 प्रतिशत से ज्यादा निर्यात करता है। अमेरिका-ईरान के बीच समझौते की घोषणा के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतें नरम हुई हैं, लेकिन आयात की लागत अभी भी रुपये डॉलर एक्सचेंज रेट और ज्यादा माल ढुलाई व बीमा खर्चों से प्रभावित हो रही है। सूत्रों का कहना है कि हरेक पहलू पर सरकार नजर बनाए हुए है। अभी थोड़ा वक्त लगेगा।

कच्चे तेल की कीमतों पर नजर

गौरतलब है कि हाल ही में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि उनका मानना है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक निचले स्तर पर रहती हैं तो ग्राहकों को फायदा हो सकता है।

नर्मदापुरम में तेज रफ्तार बोलेरो सड़क किनारे 3 बार पलटी बोलेरो, 5 की मौत, 2 घायल

नर्मदापुरम। एमपी के नर्मदापुरम जिले में सोमवार शाम तेज रफ्तार बोलेरो सड़क किनारे 3 बार पलट गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में पति-पत्नी और 8 साल बच्चा भी शामिल है। हादसा मटकुली-पिपरिया मार्ग पर हुआ है। बोलेरो जीप तामिया से मटकुली की ओर जा रही थी। इसी दौरान सामने से आ रहे एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। तेज रफ्तार होने के कारण बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई।

पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान नर्मदापुरम के बंजारा ढ़ीम निवासी प्रदीप धुर्वे (48), पत्नी ज्योति धुर्वे, बेटा अक्षत धुर्वे (8), समनापुर निवासी पंचम ठाकुर (55) और झिरपा करेर निवासी कुलदीप ठाकुर (40) शामिल हैं।

वहीं घायलों में समनापुर निवासी आकाश धुर्वे (25) और शरद उइके (21) शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

दतिया में चना खरीदी घोटाला : करोड़ों का फर्जीवाड़ा और दागी अधिकारियों की जुगलबंदी

दतिया। दतिया जिले में समर्थन मूल्य पर चना खरीदी में बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है, जिसमें उपार्जन समिति, मार्कफेड और वेयरहाउस की मिलीभगत सामने आई है। 15 दिन की पड़ताल के बाद यह उजागर हुआ है कि मोहन सरकार ने 85 हजार क्विंटल चने के लिए 52 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया, लेकिन खरीदे गए चने में 60 से 80 प्रतिशत तक मिट्टी मिली हुई है। वजन बढ़ाने के लिए चने को जानबूझकर गीला कर गोदामों में जमा किया था, जो अब सड़कर पत्थर बन चुका है और इसकी गुणवत्ता इतनी खराब है कि जानवर भी इस चने से मुंह नहीं फेर रहे हैं।

यह पूरा घोटाला 12 खरीद केंद्रों पर 2,455 किसानों से 5,875 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदे गए चने से जुड़ा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस खेल में वे ही दागी अधिकारी शामिल हैं जिन पर पिछले साल 2025 में गेहूं खरीदी में गड़बड़ी के आरोप लगे थे और कुछ के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। राजनीतिक रसूख के चलते इन्हें फिर से करोड़ों की चना खरीदी की जिम्मेदारी सौंप दी गई।

उदाहरण के लिए, गोंदन समिति प्रभारी नीरज यादव, जिन पर गेहूं में मिट्टी मिलाने पर एफआईआर हुई थी, ने चना खरीदकर अपने ही परिवार के राजेश्वरी वेयरहाउस में रखवाया। वे एक भाजपा नेता के भतीजे हैं। इसी तरह, गेहूं खरीदी में गड़बड़ी पर सस्पेंड किए गए पूर्व मंत्री के करीबी योकेश दांगी को भी फिर से महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली। जिला विपणन अधिकारी (डीएमओ) नरेंद्र परमार की भूमिका भी संदिग्ध है, क्योंकि वे ही अंतिम स्वीकृति पत्रक जारी करते हैं और उनके भाई भाजपा के जिला उपाध्यक्ष हैं।

सीबीआई-ईडी अधिकारी बनकर 2500 लोगों से 15 करोड़ की ठगी, 6 साइबर अपराधी गिरफ्तार

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में पुलिस और साइबर क्राइम सेल ने एक बड़े अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह खुद को सीबीआई, ईडी और अन्य सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताकर लोगों को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाता था और फिर उनसे लाखों रुपये ठग लेता था। पुलिस ने इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरोह ने देशभर में करीब 2500 लोगों को अपना शिकार बनाया और उनसे 15 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की। ठगी की रकम को छिपाने के लिए 450 से ज्यादा फर्जी और किराए के बैंक खातों का इस्तेमाल किया गया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे लोगों को फोन, व्हाट्सएप और टेलीग्राम के माध्यम से संपर्क करते थे और खुद को पुलिस या सीबीआई का वरिष्ठ अधिकारी बताकर फर्जी मामलों में फंसाने की धमकी देते थे। कानपुर पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम बहरमापुर के पास कार्रवाई की गई, जहां से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

कुमकुम भाग्य अभिनेत्री संचिता उगले ने की आत्महत्या

मुंबई । टीवी सीरियल कुमकुम भाग्य में दीया टंडन का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री संचिता उगले का निधन हो गया है। उन्होंने मुंबई से सटे नालासोपारा स्थित अपने घर पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। परिवार को वह साड़ी के फंदे से लटकी मिलीं, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने संचिता को मृत घोषित किया।

यह घटना रविवार शाम करीब 6:30 से 7:30 बजे के बीच हुई, जब संचिता की 15 वर्षीय बहन घर से बाहर गई हुई थी। संचिता नालासोपारा के आचोले गांव में अपने माता-पिता और बहन के साथ रहती थीं। उनके इस कदम के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है, जिससे पूरी टीवी इंडस्ट्री सदमे में है।

संचिता एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का एक जाना-पहचाना नाम थीं। उन्होंने विक्की कौशल की फिल्म छावा में ताराबाई का किरदार निभाने के अलावा वागले की दुनिया और दिलवाली दूल्हा ले जाएगी जैसे कई टीवी शोज में काम किया था। वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय थीं और अक्सर अपने काम से जुड़े वीडियो साझा करती थीं, जिसमें उन्हें हंसते-मुस्कुराते देखा जा सकता था। उनके अचानक निधन से उनके फैंस और सहकर्मी स्तब्ध हैं। फिलहाल, नालासोपारा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आत्महत्या के कारणों की गहन जांच कर रही है। परिवार की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

भारतीय सेना का नया ड्रेस कोड : औपनिवेशिक विरासत को अलविदा

नई दिल्ली । भारतीय सेना ने अपनी दशकों पुरानी पोशाक प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव कर औपनिवेशिक दौर वाले ड्रेस कोड को समाप्त किया है। आर्मी यूनिफॉर्म्स-2026 मैनुअल के तहत लागू नए ड्रेस कोड का प्राथमिक लक्ष्य ब्रिटिशकालीन गुलामी के प्रतीकों को हटाकर भारतीय संस्कृति और कार्यक्षमता को अपनाना है। यह बदलाव सेना की अपनी पहचान को मजबूत करने और उसकी रेजिमेंटल विरासत तथा पेशेवर मूल्यों को बनाए रखने की महत्वपूर्ण है। सेना अधिकारियों के अनुसार, यह लगभग एक दशक में किए गए सबसे बड़े पोशाक संबंधी नियम हैं, जो भारतीय सेना के आधुनिकीकरण और स्वदेशीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

नए ड्रेस रेगुलेशन में कई महत्वपूर्ण चीजें शामिल की गई हैं। इनमें 3बी नाम से एक विंटर ड्रेस को जोड़ा गया है, जिसमें अब वायुसेना और नौसेना की तरह विंटर जैकेट भी शामिल होगी। यह जैकेट स्टेशन पर पहनने के लिए है। इसके अलावा, कॉम्बेट यूनिफॉर्म में भी बदलाव करते हुए 7ए नाम का नया ड्रेस कोड लाया गया है, जिसमें टी-शर्ट शामिल है, जबकि 7बी सर्दियों का कॉम्बेट जैकेट होगा। विंटर सेरेमोनियल में अधिकारियों के लिए 1सी नाम की नई ड्रेस जोड़ी गई है, जो पहले केवल जवानों और जेसीओ के लिए होती थी, जिससे अधिकारियों की औपचारिक वेशभूषा में विविधता आएगी।

अन्य मुख्य बदलावों में अधिकारियों को औपचारिक ड्रेस कोड के तौर पर स्वदेशी बंदी जैकेट पहनने की अनुमति देना शामिल है, जो भारतीय परिधान परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है। महिला अधिकारियों के लिए साड़ी, कुर्ता-सलवार के साथ सीधी पैंट का विकल्प जोड़ा गया है, जो अधिक समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाता है।

काम से भी निकाला, सेवा भी बहाल नही कर रही सरकार

सेवा बहाली और 6 माह का बकाया भुगतान करने की मांग, भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले,पेसा मोबेलाइजर संघ ने सौपा ज्ञापन, मांग पूरी ना होने पर भोपाल में आंदोलन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्ष 2020 में मप्र शासन द्वारा पेसा एक्ट के तहत आदिवासी क्षेत्रों में पेसा मोबेलाइजर कर्मचारियों की नियुक्ति की गई थी। इन कर्मचारियों का मुख्य कार्य पंचायतों के माध्यम से शासन की योजनाओं की जानकारी व योजनाओं का लाभ ग्रामीण और आदिवासी समुदाय तक पहुंचाना था। शासन से मिली इस जिम्मेदारी को निभाते हुए कर्मचारी गांव-गांव जाकर योजनाओं के क्रियान्वयन और जागरूकता का काम कर रहे थे।लेकिन पिछले माह 18 मई 2026 को मप्र शासन ने एक आदेश जारी कर प्रदेशभर में कार्यरत सभी पेसा मोबेलाइजर कर्मचारियों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी है।इस निर्णय के बाद कर्मचारियों में भारी नाराजगी व्याप्त है।जिन्होंने शासन के इस फैसले के खिलाफ अपना आक्रोश दिखाते एक बार फिर कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौपते हुए, उनकी सेवा बहाल कर,तत्काल 6 माह से लंबित रुके हुए मान्यदेय का भुगतान किए जाने की मांग की है।जिन्होंने शासन के इस फैसले पर विरोध जताते हुए, जारी किए गए इस आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने और उनकी सेवाए पुनः बहाल किए जाने और 6 माह से रुके हुए मान्यदेय का शीघ्र भुगतान किए जाने की मांग की है।जहा उन्होंने मांग पूरी ना होने पर,भोपाल पहुचकर आंदोलन किए जाने की भी चेतावनी दी है।

जिले में 172 पेसा मोबिलाइजर की हुई थी भर्ती

ज्ञापन सौपने पहुचे पेसा मोबेलाइजर संघ पदाधिकारियो ने बताया कि उनकी नियुक्ति पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सरकार के कार्यकाल में की गई थी,उस समय जिले में 172 पेसा मोबिलाइजर की भी भर्ती की गई थी।जो अपना काम पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से करते आ रहे है।लेकिन पिछले माह मोहन यादव सरकार द्वारा पेसा मोबिलाइजर की सेवाएं तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी है।जिसके चलते महिलाओ सहित जिले के सभी 172 पेसा मोबिलाइजर को पद से पृथक कर दिया गया है।वही जनवरी माह से लंबित मान्यदेय का भुगतान भी नही किया जा रहा है इसी के विरोध में सभी पेसा मोबिलाइजरो ने भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौपकर सरकार के उक्त आदेश को निरस्त कराने के साथ साथ स्थाई तौर पर उन्हें पुनः पद पर बहाल करने और लंबित मान्यदेय का तत्काल भुगतान कराए जाने की मांग की है।

घर घर पहुँचाई जा रही थी शासन की योजनाएं

पदाधिकारियों ने बताया की शासन द्वारा जिले के लगभग,172 पेसा मोबिलाइजर को कार्य से पृथक किये जाने का आदेश जारी किया गया है जिससे उनके सामने अर्थिक संकट खड़ा हो गया है।उन्होंने बताया कि वे वर्षो से ग्रामीण क्षेत्रो मे शासन की योजनाओ के प्रसार प्रचार एंव ग्रामीणों को जागरुक करने का कार्य कर रहे थे।लेकिन सेवा से पृथक करने के अचानक जारी आदेश के बाद उनके परिवारो के पालन पोषण पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।

आर्थिक स्थिति का दिया हवाला, कहा अपनाया जाए मानवीय दृष्टीकोण

ज्ञापन सौपने पहुंचे पदाधिकारियों ने की बताया कि अधिकांश परिवारो की आजिविका इसी कार्य पर निर्भर है।मान्यदेय ना देने व कार्य से हटाये जाने के कारण बच्चो की पढ़ाई, घर खर्च एव दैनिक आवश्यकतायों को पूरा करना मुश्किल हो रहा है।उन्होंने शासन से मानवीय दृष्टीकोण अपनाते हुये,जारी आदेश पर पुनर्विचार करने मे मांग की।तो वही उन्होंने जारी किए गए उक्त आदेश को तत्काल रद्द कर, उन्हें कार्य से बंद ना करने, और उन्हें पुनः कार्य पर रख, स्थाई रोजगार देने की मांग की है। ताकि उनका भविस्य सुरक्षित हो।

अपना वादा निभाए सरकार

पेसा मोबिलाइजर संघ पदाधिकारियो ने बताया कि हम पिछले पांच वर्षों से पेसा मोबिलाइजर का काम कर रहे थे।अभी 18 मई को मप्र शासन ने एक आदेश जारी कर पेसा मोबिलाइजर की सेवाएं तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी है।जबकि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समय हमारी भर्ती हुई थी।उन्होंने चुनाव के पूर्व पेसा मोबिलाइजर का मानदेय 4000 रु से बढ़ाकर 6000रु किए जाने की घोषणा के साथ साथ हमें नियमित किए जाने की भी बात कही गई थी।लेकिन चुनाव के बाद हमें नियमित नहीं किया गया। फिर मोहन यादव सरकार आई उन्होंने पेसा मोबिलाइजर का मान्यदेय 4 हजार से बढ़ाकर 8 हजार किए जाने की घोषणा की थी।लेकिन वे भी अपना वादा भूल गए, घोषणा के अनुरूप काम करने की बजाय हमारी सेवा ही समाप्त कर दी गई ।हम सरकार की इसी नीति का विरोध कर रहे हैं,

भोपाल पहुंचकर करेंगे बड़ा आंदोलन-कविता

पेसा मोबिलाइजर महिला श्रीमती कविता शरणागत ने बताया कि हम सभी पेसा मोबिलाइजर पिछले 5 वर्षों से गांव गांव जाकर शासन प्रशासन की योजनाओं का लाभ आदिवासी ग्रामीणों को दिलाने का काम कर रहे थे, हमने इन 5 सालों में बहुत सारे काम किए हैं।अभी सरकार ने हमारी सेवाओं को रद्द कर दिया है हम चाहते हैं कि सरकार हमें सेवाओं में पुनः बहाल करें । क्योंकि हम सभी बेरोजगार हो गए हैं ।उन्होंने बताया कि वर्तमान में स्कूल शुरू हो रहे है, बच्चों के एडमिशन होने हैं,कॉपी किताब ड्रेस जूते चप्पल स्कूल फीस का खर्च अलग से है ऐसे में पिछले 6 माह से हम कर्मचारियों को मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है ।वही एकाएक हमारी सेवा समाप्त कर दी गई है।जिससे आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है,मान्यदेय ना मिलने से घर चलना भी काफी मुश्किल हो चुका है ।ऐसे में अचानक हमारी सेवाओ को समाप्त किया ठीक नहीं है। यदि शीघ्र ही मान्यदेय का भुगतान नहीं किया जाता और हमारी सेवा बहाल नहीं की जाती, तो भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले कर्मचारियों द्वारा भोपाल पहुंचकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

टला बड़ा हादसा ट्रक की चपेट में आई कार, बाल-बाल बचा चालक

सरेखा ओवर ब्रिज के टर्निंग पाइंट का मामला,जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सोमवार की सुबह नगर के सरेखा रेलवे फाटक पर बने ओवर ब्रिज के टर्निंग पाइंट पर उस वक्त अफरा तफरी का माहौल बन गया।जब सुबह करीब 11.30 बजे एक ट्रक ने कार को अपनी चपेट में ले लिया है, इस सड़क दुर्घटना में कार का बम्फर सहित समाने से कार के परखच्चे उड़ गए, और कार क्षतिग्रस्त हो गई।गनीमत यह रही कि इस हादसे में कार चालक बाल-बाल बच गया है।प्राप्त

जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक आरजे 11 जीसी 4950 हरियाणा मेवात का ट्रक है, जो कि दिल्ली से खाद्य सामग्री लेकर बालाघाट आया था और इस ट्रक को मेवात निवासी 21 वर्षीय युवक लुकमान पिता मम्मू खान चला रहा था। चालक ने बालाघाट में सामान खाली किया और गोंदिया की ओर वापसी जा रहा था। इसी दौरान बैहर रोड वार्ड क्रमांक 03 निवासी, आशीष उर्फ मोंटी सोनवाने जिसका परिवार गोंदिया रहता है, जिन्हें लेने के लिए वह कार क्रमांक एमपी 50 सीए 0128 से जा रहा था। वह सरेखा रेलवे ओवर ब्रिज पर टर्निंग पाइंट पर गोंदिया की ओर मुड़ ही रहा थी कि ट्रक ने उसकी कार को चपेट में ले लिया और कार घसीटने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि इस दौरान कार चालक सुरक्षित बच गया।सड़क दुर्घटना होते ही मौके पर वाहनों व स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगो द्वारा मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ट्रक को थाना लाकर खड़ा करवाया है, और आवश्यक कार्रवाई की गई है।जहा कार मालक द्वारा उसे हुए नुकसान की भरपाई किए जाने की मांग की गई है।

खोदा पहाड़, निकली चुहिया तेंदुए की सूचना पर 5 घंटे चला रेस्क्यू, निकली जंगली बिल्ली

तेंदुआ दिखने की खबर से मचा हड़कंप, तेंदुआ पकड़ने वन विभाग ने लगाए थे दो पिंजरे, भरवेली आवलाझरी के कटिंगटोला का मामला,जंगली बिल्ली की पुष्टि होने पर छोड़ा रेस्क्यू, वापस लौटा वन अमला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम आवलाझरी कटिंगटोला में सोमवार की सुबह उस वक्त अफरा-तफरी का माहौल बन गया,जब एक निर्माणाधीन मकान की तराई करने पहुंचे ग्रामीण ने नाली के भीतर मोहगे में तेंदुआ छिपा होने की सूचना दी। सूचना मिलते ही पूरे गांव में दहशत फैल गई और लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई।उधर मची इसी अफरा तफरी के बीच मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्राम सरपंच ने तत्काल मामले की सूचना वन विभाग को दी।उधर सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला पूरी तैयारी और लाव-लश्कर के साथ घटनास्थल पर पहुंच गया। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर ग्रामीणों को सुरक्षित दूरी पर रहने की हिदायत दी। संभावित तेंदुए को पकड़ने के लिए विभाग द्वारा दो पिंजरे भी मौके पर मंगवाए गए।नाली के भीतर मोहगे में फटाखे फोड़कर, सायरन बजाकर, कथित तेंदुए को पिंजरे में पकड़ने की कोशिश की। इसके अलावा रेस्क्यू टीम ने नाली और आसपास के क्षेत्र की लगातार निगरानी शुरू कर दी।बताया गया कि करीब 80 फीट लंबी नाली के मोहगे में कोई वन्यजीव छिपा हुआ दिखाई दे रहा था। ग्रामीणों को उसके आकार और गतिविधियों के आधार पर तेंदुआ होने का संदेह हुआ। इसी वजह से पूरे गांव में भय का माहौल बन गया था।कई ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकल आए और रेस्क्यू ऑपरेशन देखने के लिए मौके पर जुट गए।जहा करीब 5 घण्टे तक चले रेस्क्यू के बाद विभाग से इस बात की पुष्टि हो गई कि तराई करने गए ग्रामीण को जो तेंदुआ दिखाई दिया था दरअसल वह तेंदुआ नही,बल्कि जंगली बिल्ली थी।जिसकी पुष्टि होते ही विभाग के साथ साथ स्थानीय लोगो की भी हंसी छूट गई, उधर विभाग ने भी राहत की सांस लेते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन बंद कर दिया और, रेस्क्यू का सामान लेकर वापस लौट आए।

5 घण्टे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

रहवासी क्षेत्र में तेंदुए की सूचना मिलने पर मौके पर पहुची वन विभाग की टीम ने करीब 5 घंटे तक लगातार रेस्क्यू अभियान चलाया। इस दौरान नाली के विभिन्न हिस्सों की जांच की गई और वन्यजीव को बाहर निकालने के प्रयास किए गए। काफी मशक्कत के बाद जब मोहगे के अंदर टार्च के उजाले में जानवर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया तो वन विभाग के अधिकारियों ने राहत की सांस ली।जांच में सामने आया कि जिस जानवर को ग्रामीण तेंदुआ समझ रहे थे, वह वास्तव में एक जंगली बिल्ली थी। वन विभाग के अधिकारियों ने भी इसकी पुष्टि की। जंगली बिल्ली होने के कारण किसी विशेष रेस्क्यू या पकड़ने की आवश्यकता नहीं समझी गई। इसके बाद विभागीय टीम ने अभियान समाप्त कर दिया और वापस लौट गई।

ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

उधर तेंदुए की सूचना गलत साबित होने के बाद ग्रामीणों ने भी राहत महसूस की। हालांकि कई घंटों तक पूरे गांव में दहशत का माहौल बना रहा। क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बना रहा।जो अंततः खोदा पहाड़, निकली चुहिया वाली कहावत को चरितार्थ करता नजर आया।वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि किसी भी वन्यजीव की सूचना मिलने पर घबराने के बजाय तत्काल विभाग को सूचित करें तथा स्वयं उसके पास जाने का प्रयास न करें। विभाग द्वारा जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जा सकती है।

आँखे चमक रही थी, हमे लगा तेंदुआ है-स्थानीयजन

कटिंगटोला निवासी उमेश मेश्राम ने बताया कि उनका मकान बन रहा है। सुबह करीब 5:30 बजे वे तराई करने के लिए निर्माणाधीन मकान में पहुंचे थे।मकान के ऊपर चढ़कर तराई कर रहे थे, तभी खाली क्षेत्र से एक वन्य प्राणी आते दिखा,जो देखने पर तेंदुआ लग रहा था।उसकी आंखें चमक रही थीं।उन्होंने इसकी सूचना पड़ोसी विजय कुमार बन्डेबूचे सहित अपने परिचितों को दी।विजय ने यह जानकारी सरपंच को दी,और सरपंच के माध्यम से जानकारी वन विभाग तक पहुंची। तेंदुए की सूचना मिलने पर बालाघाट वन परिक्षेत्र का अमला रेस्क्यू की तैयारी के साथ मौके पर पहुंचा है। टीम अपने साथ पिंजरा, हरी मेट, पटाखे और साउंड सायरन लेकर आई है,तेंदुआ को नाली से निकालने की कोशिश की जा रही है।वन्य प्राणी ठीक से नही दिखा पर उसकी चमक रही थी,हमे लगा कि तेंदुआ ही है।

तेंदुआ का रेस्क्यू करने आए थे, लेकिन जंगली बिल्ली निकली, इसलिए वापस जा रहे है-फुलबेले

वही मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान एसडीओ फॉरेस्ट विनिता फुलबेले ने बताया कि तेंदुआ आने की शिकायत मिलने पर हम सुबह 6:30 मौके पर आए है ।हमारी टीम ने नाली के दोनों छोर पर पिंजरे लगाए और कथित तेंदुए को बाहर निकालने के लिए पटाखे फोड़कर सायरन का इस्तेमाल भी किया है।ताकि कथित तेंदुए का रेस्क्यू किया जा सके।काफी देर मशक्कत करने के बाद बाद में टॉर्च की रोशनी से देखने पर पता चला कि नाली में फंसा जानवर तेंदुआ नही ,बल्कि एक जंगली बिल्ली है।चूंकि जंगली बिल्ली से किसी मानव को नुकसान होने की आशंका नहीं थी, इसलिए वन विभाग ने रेस्क्यू अभियान बंद कर दिया।पूरी टीम वापस जा रही है।

सांसद भारती पारधी 16 जून को कटंगी विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहेंगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 16 जून (मंगलवार) को कटंगी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगी। जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार वे जनसंपर्क, लोकार्पण, भूमिपूजन एवं सम्मान समारोहों में सहभागिता करेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सांसद श्रीमती पारधी 16 जून को प्रातः 9:30 बजे 12 साल, विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के विशेष जनसंपर्क कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कटंगी विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रस्थान करेंगी। इसके पश्चात प्रातः 10:15 बजे ग्राम अगासी में सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल भवन के लोकार्पण एवं स्वास्थ्य शिविर में भाग लेंगी। इसके बाद सांसद श्रीमती भारती पारधी प्रातः 11:30 बजे ग्राम करनुटोला (अर्जुनी) में सीसी रोड निर्माण कार्य के भूमिपूजन एवं प्रबुद्धजनों के सम्मान कार्यक्रम में शामिल होंगी। दोपहर 12:30 बजे वे ग्राम पंचायत पांजरा में स्कूल बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर प्रबुद्धजनों का सम्मान करेंगी। सांसद श्रीमती पारधी दोपहर 3:00 बजे ग्राम तिरोड़ी में श्री मिहिर त्रिवेदी के निवास पर कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल होंगी, जिसमें सांसद कार्यकर्ताओं एवं प्रबुद्धजनों से संवाद करेंगी। इसके बाद सायं 5:00 बजे ग्राम नवेगांव (कटंगी) में सोसायटी भवन के लोकार्पण एवं सम्मान समारोह में शामिल होकर अपने दौरे का समापन करेंगी। सांसद श्रीमती भारती पारधी के इस दौरे को लेकर क्षेत्र में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

वैनगंगा नदी में अवैध रेत खनन पर कार्रवाई, दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत ग्राम चिचगांव में संयुक्त छापामार कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई तहसील बालाघाट, पुलिस थाना नवेगांव एवं जिला खनिज अमले की संयुक्त टीम द्वारा की गई। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि कार्रवाई के दौरान ग्राम चिचगांव अंतर्गत वैनगंगा नदी में दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां अवैध रूप से रेत भरते हुए पाई गई। जांच दल को मौके पर आता देखकर चालक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को छोड़कर फरार हो गए। मौके पर दोनों वाहन लावारिस अवस्था में मिले। जांच के दौरान संबंधित वाहनों के लिए खनिज रेत के खनन, परिवहन अथवा भंडारण संबंधी कोई वैध अनुमति अथवा आदेश प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इसके चलते दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को विधि अनुसार अज्ञात प्रकरण के रूप में जब्त कर लिया गया। जब्त वाहनों को पुलिस थाना नवेगांव की अभिरक्षा में सुरक्षित खड़ा कराया गया है। खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अज्ञात चालकों एवं वाहन स्वामियों की पहचान होने के उपरांत उनके विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध रेत खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 18 जून को, सामान्य सभा की बैठक 19 जून को होगी आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 18 जून को दोपहर 2 बजे जिला पंचायत सभा कक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। विशेष रूप से कृषि, सहकारिता, सिंचाई, आदिम जाति कल्याण, स्वास्थ्य सहित अन्य विभागों की प्रगति एवं कार्यों पर चर्चा होगी। इसके अगले दिन 19 जून को दोपहर 1 बजे जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में शिक्षा, पशुपालन, विद्युत विभाग, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत संचालित कार्यों, उद्यानिकी विभाग तथा अन्य विभागों की योजनाओं और उपलब्धियों की समीक्षा की जाएगी। दोनों बैठकों की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सम्राट सिंह सरस्वार करेंगे।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0003/ब-154/2026-27
मौजा पाथरी, रा.नि.मं. खमरिया

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुनीता टेम्भरे पिता आशाराम टेम्भरे (पति नान्हू टेम्भरे) जाति पंवार, निवासी ग्राम अमई, तहसील खैरलांजी, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा पाथरी, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता बयनबाई पति स्व0 आशाराम का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 20.06.2018 मृत्यु स्थल ग्राम पाथरी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 24.06.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 16.06.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

आवश्यकता है
एकार्ड मोटर्स, महिन्द्रा शोरूम बालाघाट में सेल्स कंसल्टेंट के पदों के लिये आवश्यकता है
सैलरी-अनुभव एवं योग्यतानुसार
इच्छुक व्यक्ति जानकारी व साक्षात्कार (इंटरव्यू) के लिए संपर्क करें
मो.9425818191
8518888607

आवश्यकता है
एन.जी.ओ. में स्वास्थ्य एवं सामाजिक कार्य तथा होम वेलनेस सेंटर सर्वे कार्य करने हेतु बालाघाट, सिवनी, मण्डला तथा छिंदवाड़ा जिलों में कार्य करने हेतु युवक/युवतियों की आवश्यकता है
पात्रता- BSW/MSW
मासिक वेतन- 9000/-मो. रिचार्ज
संपर्क-श्रीधाम वेलनेस फाउंडेशन समिति (रजि.)
सहयोगी संस्था-अनुश्री सेवा संस्थान
मोबाईल नम्बर-9752109010
9340299285
हमारा पता-
कार्यालय-श्रीधाम हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च भटेरा रोड़ बालाघाट (म.प्र.)481001

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
-निर्माता-
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

दो माह पुराने कोहकाडिबर प्राणघातक हमले के मामले में फरार दो आरोपी गिरफ्तार- न्यायिक अभिरक्षा में भेजे गए जिला जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम कोहकाडिबर में दो माह पूर्व हुए प्राणघातक हमले के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले में दो माह से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तार दोनों आरोपी शिव उर्फ शिवचरण नगपुरे 30 वर्ष और जमुना प्रसाद बिरनवार 43 वर्ष को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया। वहीं प्रकरण का एक अन्य आरोपी आतिश लिल्हारे पुलिस गिरफ्त से बाहर है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोहकाडिबर में पूर्व सरपंच आतिश लिल्हारे और चिमनलाल बिरनवार के

बीच लंबे समय से राजनीतिक रंजिश चली आ रही है। इसी रंजिश के बीच 7 अप्रैल की रात करीब 11 बजे गांव में आयोजित एक विवाह समारोह के दौरान विवाद भड़क गया था।बताया गया है कि समारोह में नाच-गाने के दौरान चिमनलाल बिरनवार के पुत्र राजू बिरनवार और गांव के जमुना प्रसाद बिरनवार के बीच कहासुनी हो गई थी। इसके बाद दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर प्राणघातक हमला किया। जिसमें कई लोग घायल हुए थे।घटना में आतिश लिल्हारे और जमुना प्रसाद बिरनवार गंभीर रूप से घायल हुए थे। जिन्हें उपचार के लिए गोंदिया के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं दूसरे पक्ष के घायल शैलेंद्र मसकरे और चिमनलाल बिरनवार को बालाघाट के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अन्य घायलों को भी उपचार उपलब्ध कराया गया था।मामले में दोनों पक्षों के विरुद्ध गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया था। पुलिस लगातार फरार आरोपियों की तलाश कर रही थी। इसी क्रम में 15 जून को हट्टा पुलिस ने दो माह से फरार चल रहे आरोपी शिव उर्फ शिवचरण नगपुरे एवं जमुना प्रसाद बिरनवार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार मामले में नामजद आरोपी आतिश लिल्हारे की गिरफ्तारी अभी नहीं हो सकी है। उसकी तलाश जारी है और शीघ्र गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी। वहीं दूसरे पक्ष के सभी नौ आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।जो वर्तमान में न्यायालय से जमानत पर हैं।हट्टा पुलिस पूरे मामले की आगे की विवेचना कर रही है। इन आरोपियों को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी अविनाश सिंह राठौड़ सहायक उप निरीक्षक विजय पटले प्रधान आरक्षक निखिलेश अग्निहोत्री और आरक्षक किशन यादव की सराहनीय भूमिका रही।

ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर लाखों की ठगी का आरोप, शिकायत लेकर एसपी कार्यालय पहुंचे निवेशक

वारासिवनी के कई लोगों ने लगाया धोखाधड़ी का आरोप, पुलिस ने शुरू की जांच, भोपाल के चर्चित मामले से भी जुड़ सकते हैं तार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले के वारासिवनी क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक लोगों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर कथित ट्रेडिंग करने के नाम पर धोखाधड़ी करने की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ितों का आरोप है कि वारासिवनी के कुछ लोगों ने ट्रेडिंग के नाम पर उन्हें अधिक लाभ का लालच देकर लाखों रुपये की राशि निवेश करवाई, लेकिन बाद में न तो कोई लाभ मिला और न ही उनकी मूल रकम वापस की गई। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि उन्हें एक ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और मोबाइल एप के माध्यम से निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया था। आरोप है कि निवेशकों को भरोसा दिलाया गया था कि उनकी राशि पर अच्छा लाभांश मिलेगा और कम समय में रकम कई गुना बढ़ जाएगी। शुरुआती दौर में कुछ लोगों को लाभ का भरोसा भी दिलाया गया, लेकिन बाद में पूरा मामला संदिग्ध हो गया। पीड़ितों का कहना है कि जब उन्होंने अपनी जमा राशि वापस मांगनी शुरू की तो उन्हें टालमटोल जवाब दिए जाने लगे। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि निवेश के लिए जिस एप और व्यवस्था का उपयोग किया गया, वह पूरी तरह संदिग्ध थी और इसी माध्यम से लोगों से लाखों रुपये एकत्र किए गए। शिकायतकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने पहले इस मामले की शिकायत वारासिवनी थाने में की थी, लेकिन वहां उनकी शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि न तो मामले को गंभीरता से लिया गया और न ही अब तक कोई ठोस कदम उठाया गया, जिसके कारण उन्हें पुलिस अधीक्षक कार्यालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा।

ट्रेडिंग में निवेश कर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की कथित ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। वारासिवनी क्षेत्र के कई निवेशकों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि कुछ व्यक्तियों ने स्वयं को ट्रेडिंग कंपनी से जुड़ा बताकर लोगों से बड़ी मात्रा में निवेश कराया और अब न तो मूलधन वापस कर रहे हैं और न ही वादा किया गया लाभांश दे रहे हैं। शिकायत करने पहुंचे वारासिवनी निवासी नगेंद्र कुमार रंगारे, सुनील पीपलेवार एवं एक महिला निवेशक सहित अन्य लोगों ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि रिजवान अली, फरहान अली तथा मुद्दसर कुरैशी द्वारा वारासिवनी क्षेत्र में लोगों से संपर्क कर ट्रेडिंग व्यवसाय में निवेश करने का प्रस्ताव दिया जाता था। आरोप है कि इन लोगों द्वारा बताया जाता था कि उनकी कंपनी ट्रेडिंग का कार्य करती है और निवेशकों को न्यूनतम 5 प्रतिशत मासिक लाभांश दिया जाएगा। इसके अलावा सदस्य बनने के लिए 10 हजार रुपये वार्षिक सदस्यता शुल्क भी जमा कराया जाता था। शिकायतकर्ताओं के अनुसार आरोपित स्वयं को पिछले दो वर्षों से ट्रेडिंग व्यवसाय में सक्रिय बताते थे और दावा करते थे कि उन्होंने इसी कारोबार से बड़ी मात्रा में लाभ अर्जित कर संपत्तियां खरीदी हैं। निवेशकों को विश्वास में लेने के लिए एक मोबाइल एप भी दिखाया जाता था, जिसमें निवेश और लाभांश से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की जाती थी। इसी भरोसे में आकर अनेक लोगों ने बैंक खातों के माध्यम से तथा बड़ी मात्रा में नगद राशि के रूप में निवेश किया। आरोप है कि निवेश के बाद निवेशकों के नाम से आईडी बनाई गई और उन्हें पासवर्ड भी उपलब्ध कराए गए। प्रारंभिक कुछ महीनों तक लाभांश के रूप में राशि भी दी गई, जिससे लोगों का भरोसा और बढ़ गया। लेकिन बाद में अचानक भुगतान बंद हो गया। जब निवेशकों ने संपर्क किया तो उन्हें आश्वासन दिया जाता रहा कि उनका मूलधन सुरक्षित है और जल्द ही भुगतान शुरू कर दिया जाएगा। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पिछले लगभग पांच माह से उन्हें किसी प्रकार का भुगतान नहीं किया गया है। आरोप है कि जब भी राशि वापस मांगने की कोशिश की जाती है तो केवल आश्वासन दिया जाता है या फिर संपर्क से बचा जाता है। इतना ही नहीं, कुछ शिकायतकर्ताओं ने राशि मांगने पर धमकी दिए जाने के भी आरोप लगाए हैं। निवेशकों का दावा है कि आरोपितों द्वारा विदेशों में कंपनी के कार्यक्रमों में शामिल होने, वहां संपत्तियां खरीदने तथा बड़े स्तर पर कारोबार संचालित करने की बातें कही जाती थीं। शिकायतकर्ताओं को आशंका है कि लोगों से एकत्र की गई भारी राशि को विदेशों में भेजा गया हो सकता है। उनका आरोप है कि सुनियोजित तरीके से लोगों को प्रलोभन देकर निवेश कराया गया और बाद में भुगतान बंद कर दिया गया। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले में धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर निष्पक्ष जांच की जाए। साथ ही आरोपितों की चल-अचल संपत्तियों की जांच कर आवश्यक होने पर उन्हें कुर्क कर निवेशकों की राशि वापस दिलाई जाए। पीड़ित नगेंद्र ने बताया कि उन्होंने 7 लाख रुपये निवेश किए थे। वहीं वारासिवनी निवासी मुमताज अंसारी ने 6 लाख रुपये, सुनील पीपलेवार ने 1 लाख रुपये तथा मजीद खान ने 16 लाख रुपये निवेश किए थे। इसके अलावा भी कई लोगों ने लाखों रुपये की राशि जमा की थी। सभी निवेशकों का आरोप है कि उनके साथ बड़ी धोखाधड़ी की गई है। पीड़ितों ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में वारासिवनी थाना में शिकायत भी की थी, लेकिन पुलिस ने उनकी शिकायत दर्ज करने के बजाय केवल आवेदन लेकर रख लिया और अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस की कार्यप्रणाली से असंतुष्ट होकर सभी पीड़ित 15 जून को जिला मुख्यालय पहुंचे और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच तथा आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की।

पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है - अभिषेक चौधरी

इस पूरे मामले को लेकर जब वारासिवनी एसडीओपी अभिषेक चौधरी से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत प्राप्त हुई है और पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि यह पता लगाया जा रहा है कि शिकायतकर्ताओं द्वारा कितनी राशि निवेश की गई, भुगतान किस माध्यम से हुआ और राशि का उपयोग कहां किया गया। एसडीओपी ने बताया कि शिकायतकर्ताओं के बयान दर्ज किए जाएंगे तथा बैंक ट्रांजैक्शन और अन्य दस्तावेजों की भी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल मामला जांच के स्तर पर है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि भोपाल में इसी प्रकार के एक मामले में एफआईआर दर्ज होने के साथ कुछ आरोपितों की गिरफ्तारी भी की जा चुकी है। यदि जांच के दौरान दोनों मामलों के बीच कोई संबंध सामने आता है तो इस प्रकरण को भी उससे जोड़कर व्यापक स्तर पर जांच की जा सकती है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है और निवेशकों को जांच के बाद उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया है। वहीं क्षेत्र में इस कथित निवेश योजना को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है और बड़ी संख्या में निवेशक जांच के परिणाम का इंतजार कर रहे हैं।

राज्यसभा चुनाव में नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

मीनाक्षी नटराजन के नामांकन खारिज होने पर कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की उठाई मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्यसभा चुनाव 2026 में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र को निरस्त किए जाने के विरोध में सोमवार को कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर विरोध दर्ज कराया। कांग्रेसजनों ने अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराए जाने की मांग की। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की जिला अध्यक्ष मीरा राधेश्याम सिंगनदुपे के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और राज्यसभा चुनाव से जुड़े घटनाक्रम पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र को निरस्त किए जाने की कार्रवाई ने चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि जिस प्रकार नामांकन पत्र को निरस्त किया गया, उससे पूरी प्रक्रिया संदेह के घेरे में आ गई है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों और चुनावी निष्पक्षता के खिलाफ बताया। नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक प्रत्याशी को निष्पक्ष अवसर मिलना चाहिए, लेकिन इस मामले में जिस तरह की परिस्थितियां सामने आई हैं, उससे लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है। ज्ञापन में मांग की गई कि पूरे प्रकरण की स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। साथ

ही यदि जांच में किसी अधिकारी अथवा अन्य व्यक्ति की भूमिका संदिग्ध पाई जाती है, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली किसी भी कथित साजिश को जनता स्वीकार नहीं करेगी और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने के लिए सत्य सामने आना आवश्यक है। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार, जिला पंचायत सदस्य चेतना अजय कुराहे, रुक्मणी मुकेश माहुले, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव जुगल शर्मा, जनपद सदस्य भूरू पटेल, जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष आब्बाह रखा, डॉ. खिनेश लांगे, जिला सेवादल कांग्रेस अध्यक्ष जीतू बर्वे, पूर्व पार्षद साबिर मंसूरी, धर्मेंद्र धांडे, मुकेश माहुले, रोहित पटले, पूर्व पार्षद रामबाबू पंचेश्वर, पूर्व पार्षद छविराम नागेश्वर (सरपंच चिचगांव), प्रेमसिंह मर्सकोल्हे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस पार्टी प्रदेशव्यापी आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रखेगी तथा चुनावी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कथित अनियमितता का पुरजोर विरोध करेगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने की मांग दोहराते हुए संबंधित मामले में शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताई।

खबर प्रकाशन के बाद जागा नपा प्रशासन, अब पानी के लिए दर दर नही भटक रहे लोग

बस स्टैंड यात्री प्रतीक्षालय के वाटर कुलर में हो रही पानी सप्लाई, मिलने लगा ठंडा पानी
स्थानियजनो, रहागिरो,ऑटो चालकों सहित अन्य को मिली राहत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पदमेश न्यूज और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार की खबर का असर एक बार फिर देखने को मिला है।जहां खबर प्रकाशन के बाद खबर का संज्ञान लेते हुए नपा कर्मचारियों ने नगर के बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय के वाटर कूलर में पानी की सप्लाई एक बार फिर से शुरू कर दी है। जिसके चलते स्थानीय लोगों को अब ठंडे पानी के लिए दर-दर भटकना नहीं पड़ रहा है और उन्हें 24 घंटे ठंडा पानी वाटर कूलर के माध्यम से उपलब्ध होने लगा है।आपको बताएं कि नगर के बस स्टैंड यात्री प्रतीक्षालय में लगे वाटर कूलर में नगर पालिका द्वारा पिछले 3-4 दिनों से पानी की सप्लाई नहीं की जा रही थी,जिसके चलते प्रतीक्षालय में लगा वाटर कूलर पानी की जगह हवा उगल रहा था, जहां से ठंडा पानी न मिलने के कारण स्थानीय लोगों, यात्रियों, आम रहागिरो, बस, ऑटो चालकों, एजेंटो सहित अन्य लोगों को यहां से ठंडे पेयजल की सुविधा नहीं मिल पा रही थी। जिसको लेकर लोग दर-दर की ठोकर खाने के लिए मजबूर थे तो वही लोगों को अपने सुखे कंठ की प्यास बुझाने के लिए 20रु की पानी की बोतल खरीदनी पड़ रही थी। लोगों को पेयजल की आ रही इसी समस्या को हमने पदमेश न्यूज और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रमुखता से उठाया था। जिसका संज्ञान लेते हुए नपा प्रबंधन द्वारा

वाटर कूलर में पानी सप्लाई की व्यवस्था पुन: बहाल कर दी गई है, जिससे बस स्टैंड पहुंचने वाले लोगों को अब ठंडे पेयजल की सुविधा मिलने लगी है।

रविवार के अंक में प्रमुखता से उठाया गया था मुद्दा

बस स्टैंड में ठंडे पानी की इस समस्या को लेकर स्थानीय लोगो से जानकारी मिलने पर हमारे संवाददाता ने मौके पर जाकर हालातो का जायजा लिया, और लोगों से चर्चा की तब पता चला कि पहले नगर पालिका द्वारा रोजाना वाटर कूलर में पानी की सप्लाई की जाती थी, जिसे लोगों को निशुल्क ठंडा पानी आसानी से उपलब्ध हो पता था,लेकिन पिछले 3-4 दिनों से नगर पालिका द्वारा वाटर कूलर में पानी की सप्लाई नहीं की जा रही थी,जिससे लोगों को भारी परेशानी हो रही थी। इस पर हमारे द्वारा रविवार के अंक में चंद कदमों की दूरी पर,नपा नहीं कर पा रही पानी की सप्लाई नामक हैडिंग लगाकर प्रमुखता से इस खबर का प्रकाशन किया गया था। तो वही ,बस स्टैंड में पेयजल के इंतजाम नहीं, ठंडे पानी के लिए दर-दर भटक रहे लोग, नामक सब हैडिंग लगाकर इस समस्या को प्रमुखता से उठाया था, वही साफ सफाई सहित पेयजल सप्लाई की व्यवस्था करने की मांग को लेकर संबंधित अधिकारियों को समस्या भी बताई थी जहां खबर प्रकाशन के अगले ही दिन कर्मचारियों ने मामले का संज्ञान लेते हुए,बस स्टैंड के यात्री प्रतीक्षालय में लगे वाटर कूलर में पानी की सप्लाई शुरु कर दी है,जिससे पूर्व की तरह अब लोगों को ठंडा पानी उपलब्ध होने लगा है। वही साफ सफाई सहित अन्य व्यवस्था भी नपा द्वारा बना दी गई है, जिससे लोगों को काफी हद तक राहत मिल गई है। स्थानीय लोगों द्वारा जनसरोकार के इस कार्य की सरहना की गई है।

बेलगाम कार ने की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के ग्राम हट्टा की बावली के पास गोलाई में तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। कार की

जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। यह व्यक्ति लक्ष्मण पिता बाबूलाल मानेश्वर 55 वर्ष ग्राम सारद थाना किरनापुर निवासी है जिसका इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्ष्मण मानेश्वर अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं जिसके परिवार में पत्नी दो बेटे और एक बेटी है। जिनमें एक बेटे की शादी हो चुकी है। 15 जून को लक्ष्मण मोटरसाइकिल में पेट्रोल भरवाने के लिए हट्टा पेट्रोल पंप आए थे। और मोटरसाइकिल में पेट्रोल भरवाने के बाद वह अपने गांव जाने निकला था तभी हट्टा की बावली के पास गोलाई में सामने से तेज रफ्तार से आ रही कार ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। कार की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल सवार लक्ष्मण घायल हो गया जिसे उसी कार वाले ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये है। जिला अस्पताल पुलिस ने लक्ष्मण का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु थाना हट्टा भिजवा दी है।

ग्राम खारा में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट

दोनों ओर से शिकायत-अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खारा में रविवार शाम मामूली कहासुनी के बाद दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। किरनापुर पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर अलग-अलग धाराओं में रामप्रसाद मेश्राम 36 वर्ष प्रफुल्ल मेश्राम और प्रदीप मेश्राम के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खारा निवासी प्रफुल्ल मेश्राम और उसी गांव के रामप्रसाद मेश्राम के बीच पहले से रंजिश चल रही थी। 14 जून को शाम करीब 6:30 बजे प्रफुल्ल मेश्राम की पत्नी शौच के लिए बाहर गई थी। घर में बेटी के रोने पर प्रफुल्ल सड़क पर खड़े होकर पत्नी को देर से आने पर डांट रहा था। प्रफुल्ल का आरोप है कि इसी दौरान रामप्रसाद मेश्राम वहां आया और चिल्लाने की बात पर जातिगत व अश्लील गालियां देने लगा। मना करने पर रामप्रसाद घर से डंडा लेकर आया और डंडे व हाथ-मुक्के से मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आई भतीजी पलक मेश्राम को भी डंडे से पीटा गया। रामप्रसाद ने रिपोर्ट दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी भी दी।वहीं रामप्रसाद मेश्राम काआरोप है कि वह गांव के ग्राउंड की तरफ से घर लौट रहा था। रास्ते में प्रफुल्ल मेश्राम और उसका भाई प्रदीप मेश्राम घर के सामने खड़े थे और उसे गालियां दे रहे थे। गाली देने से मना करने पर दोनों ने हाथ-मुक्कों से पीठ पर वार कर घायल कर दिया और पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। मारपीट के बाद दोनों पक्ष किरनापुर थाना पहुंचे। सभी घायलों का किरनापुर अस्पताल में इलाज व मुलाहिजा कराया गया।किरनापुर पुलिस ने रामप्रसाद की रिपोर्ट पर प्रफुल्ल मेश्राम व प्रदीप मेश्राम के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं मेंअपराध दर्ज किया है। वहीं प्रफुल्ल मेश्राम की रिपोर्ट पर रामप्रसाद मेश्राम के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के साथ अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

आशा कार्यकर्ताओं ने खोला मोर्चा, बीएमओं को सौंपा ज्ञापन, 6 माह का प्रोत्साहन राशि जल्द दिलवाने की मांग की

मानदेय और प्रोत्साहन राशि न मिलने से परेशान आशा कार्यकर्ताओं ने अनिश्चितकालीन हड़ताल करने की प्रशासन को दी चेतावनी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओं) डॉ. रितु धुर्वे को ज्ञापन सौंपकर 6 माह का मानदेय एवं प्रोत्साहन राशि जल्द दिलवाने सहित अन्य जायज मांगों को पूरा किये जाने की मांग की है। वही जल्द मांगे पूरी नही होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल करने की चेतावनी शासन-प्रशासन को दी है। आशा कार्यकर्ता संगठन के द्वारा सौंपे गये ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि क्षेत्र की सभी आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का पालन करते हुए पूरी निष्ठा के साथ नियमित रूप से फील्ड भ्रमण, शासकीय स्वास्थ्य योजनाओं का क्रियान्वयन, सर्वे कार्य और विभागीय बैठकों जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियों की जिम्मेदारी निभा रही हैं। इसके बावजूद प्रशासन द्वारा उनके कार्यों के अनुरूप समय पर मानदेय, प्रोत्साहन राशि और अन्य देय राशियों का भुगतान नहीं किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त दूर-दराज से प्रसव हेतु गर्भवती महिला को अस्पताल लाने एवं अन्य कार्य से आने वाली कार्यकर्ताओं के लिए अस्पताल में रूकने या ठहरने की भी कोई उचित व्यवस्था नहीं की जाती है, जिसके कारण सभी आशा कार्यकर्ताओं को खासा परेशानियों का सामना करना

पड़ रहा है। साथ ही 6 माह से मानदेय एवं प्रोत्साहन की राशि नही मिलने के कारण परिवार का पालन-पोषण करने में उन्हे बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और दुसरे से कर्ज लेकर जीविकापार्जन करने मजबूर है। जबकि स्वास्थ्य विभाग की सभी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने सहित अन्य कार्य आशा कार्यकर्ताओं के द्वारा किया जाता है। लेकिन मानदेय भी बहुत कम मिलता है वह भी समय पर नही मिलने से सभी आशा कार्यकर्ताओं को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। 6 माह का मानदेय एवं प्रोत्साहन राशि जल्द दिलवाने की मांग को लेकर आशा कार्यकर्ता संगठन के बैनर तले आशा कार्यकर्ताओं ने सोमवार को बीएमओं को ज्ञापन सौंपकर उक्त मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की है। जिस पर बीएमओं ने उन्हे आश्वास्त किया है कि जल्द आशा कार्यकर्ताओं की समस्याओं का निराकरण किया जायेगा।

रोजमर्रा की जरूरतों के लिए तरस रहीं कार्यकर्ता

6 माह से मानदेय एवं प्रोत्साहन राशि नही मिलने से परेशान कार्यकर्ताओं ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में चालू वर्ष के माह जनवरी 2026 से लेकर जून 2026 तक की प्रोत्साहन राशि का भुगतान अब तक अटका हुआ है। पिछले 6 महीनों से राशि न मिलने के कारण आशा कार्यकर्ताओं के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और उन्हें अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि जिम्मेदारों को समस्याओं से कई बार अवगत करवा चुके

है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। समस्या का समाधान नही किया जा रहा है जिससे सभी आशा कार्यकर्ता आर्थिक एवं मानसिक रूप से परेशान है। आगे बताया कि बीएमओं को ज्ञापन सौंपकर 6 माह की समस्त बकाया मानदेय एवं प्रोत्साहन राशि का भुगतान अतिशीघ्र करवाने के साथ ही ड्यूटी के दौरान कार्यकर्ताओं के ठहरने के लिए उचित व्यवस्था करने की मांग की है। उक्त मांगे पूरी नही होने पर समस्त आशा कार्यकर्ता सामूहिक रूप से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चली जायेगी। जिससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं और इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

6 माह का नही मिला है मानदेय - शशि

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शशि बनवाले ने बताया कि हम लोगों के द्वारा स्वास्थ्य विभाग की समस्त योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु फील्ड वर्क के साथ ही विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जाता है। लेकिन 6 माह से मानदेय एवं प्रोत्साहन राशि नही मिली है जिसके कारण सभी आशा कार्यकर्ता परेशान है। साथ ही लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आशा कार्यकर्ताओं के लिए मरीजों को उपचार के लिए लाने के बाद आराम करने, पीने के पानी की भी व्यवस्था नही है। जबकि आशा बहने हमेशा ही शासन के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर रहती है। श्रीमती बनवाले ने बताया कि हमें समय पर मानदेय मिल पाता है और न ही मानदेय बढ़ाया जा रहा है, इस बढ़ती महंगाई में कम मानदेय एवं समय पर मानदेय नही मिलने से जीविकापार्जन करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है एवं मानदेय में एक हजार रूपये बढ़ाने की घोषणाओं को भी पूरा नही किया गया है जिससे सभी आशा बहनों में आक्रोश व्याप्त है।

मांगे पूरी नही होने पर करेगें अनिचितकालीन हड़ताल - अनिता

आशा कार्यकर्ता संगठन जिलाध्यक्ष श्रीमती अनिता जामुनपाने ने बताया कि हमारी आशा बहने पूरी ईमानदारी से अपना काम करती हैं परंतु उनका मानदेय उन्हें समय पर नहीं मिलता है। जो उनका मानदेय तय होता है उतनी पूरी राशि न देकर उन्हें अधूरी राशि दी जाती है और शेष राशि के लिए कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। विरोध करने पर आशा बहनों को डराया जाता है, काम से निकलने की धमकी दी जाती है। साथ ही शासन प्रशासन के द्वारा आशा बहनों को डरा धमका कर दबाव बनाकर उनसे काम निकलवाया जाता है परंतु मानदेय देने में कटौती की जाती है। श्रीमती जामुनपाने ने बताया कि 6 महीने से मानदेय नही मिलने से आशा बहनों को जीविकापार्जन में परेशानी हो रही है, लालबर्रा बीएमओं को ज्ञापन सौंपकर हमारी मांगों को जल्द पूरा किये जाने की मांग की है। 3 दिवस के अंदर मांगे पूरी नही होने पर सभी बहने अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जायेगें, जिसकी जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी।

इन्होने की मांग

6 माह का मानदेय एवं प्रोत्साहन राशि जल्द दिलवाने की मांग करने वालों में आशा कार्यकर्ता संगठन जिलाध्यक्ष अनिता जामुनपाने, शशि बनवाले, ललिता बिसेन, मीरा पंचेश्वर, कविता पंचेश्वर, मनीषा पारधी, शांता बिसेन, भीमकला खोब्रागढ़े, अनिता उइके, गायत्री पंचेश्वर, वर्षा गेडाम, शोभा माले, अनिता शरणागत, उषा बिसेन, रजवंती सोनेकर, सुनिता पंचेवर, मालतन चौहान, पुष्पा चौहान सहित अन्य आशा कार्यकर्ता शामिल है।

कक्षा 5 वीं और 8 वीं की पुन: परीक्षा आज से

फेल एवं अनुपस्थित छात्रों को मिलेगा एक और मौका

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश शिक्षा बोर्ड की कक्षा 5 वीं और 8 वीं की मुख्य परीक्षा में असफल या अनुपस्थित रहे विद्यार्थियों के उत्तीर्ण होने के लिए दुसरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। राज्य शिक्षा केंद्र

भोपाल के द्वारा 16 जून से प्रदेशभर में कक्षा 5 वीं और 8 वीं की पुन: परीक्षा (सप्लीमेंट्री परीक्षा) का आयोजन शुरू होने वाली है जिसकी तैयारी शिक्षा विभाग के द्वारा पुरी कर ली गई है। इसी कड़ी में लालबर्रा विकासखण्ड में भी कक्षा 5 वीं और 8 वीं की पुन: परीक्षा 16 जून से शुरू होने वाली है। जिसकी तैयारी शिक्षा विभाग के द्वारा पुरी कर ली गई है। वहीं 16 जून को लालबर्रा विकासखण्ड में बनाये गये 7 परीक्षा केन्द्रों में प्रात: 10 बजे से कक्षा 5 वीं की हिन्दी/अंग्रेजी एवं कक्षा 8 वीं की हिन्दी/अंग्रेजी प्रश्नपत्र के साथ परीक्षा प्रारंभ हो जायेगी और इस पुन: परीक्षा में लालबर्रा विकासखण्ड के कक्षा 5 वीं के 34 एवं कक्षा 8 वीं के 47 बच्चें शामिल होकर अपने-अपने विषय का पर्चा हल करेगें।जिसकी तैयारी सभी 7 परीक्षा केन्द्रों में पूरी कर ली गई है। चर्चा में बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार कक्षा 5 वीं एवं 8 वीं की पुन: परीक्षा 16 जून से प्रारंभ होगी और लालबर्रा विकासखण्ड में कक्षा 5 वीं, 8 वीं की पुन: परीक्षा संपन्न करवाने के लिए 7 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। साथ ही यह भी बताया कि 16 जून को प्रात: 10 बजे से कक्षा 5 वीं, 8 वीं की हिन्दी मीडियम के बच्चों की हिन्दी एवं अंग्रेजी मीडियम के बच्चों की अंग्रेजी विषय के प्रथम प्रश्नपत्र के साथ पुन: परीक्षा शुरू हो जायेगी जिसकी तैयारी पुरी कर ली गई है। श्री तुरकर ने बताया कि इस पुन: परीक्षा में कक्षा 5 वीं के 34 एवं कक्षा 8 वीं के 47 बच्चें शामिल होगें और यह परीक्षा प्रात: 10 बजे से प्रारंभ होकर 12.30 बजे संपन्न होगी एवं परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर जल्द परीक्षा परिणाम घोषित किया जायेगा।

14 वर्षीय बालिका की हुई मौत

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर में एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई है। जहां महज 14 वर्ष की एक किशोरी (बालिका) ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मानपुर के बालाघाट रोड निवासी अजय दुबे की दूसरे नंबर की बेटी राधिका दुबे 14 वर्षीय जो कक्षा 8 वीं की छात्रा थी। रविवार की शाम को घर पर ही थी। शाम करीब 7 बजे राधिका का अपने छोटे भाई से किसी बात को लेकर कहसुनी हो गई थी। उस समय मां ने बीच-बचाव कर बच्चों को शांत करवा दिया था। जिसके बाद राधिका मकान की दूसरी मंजिल सेकंड फ्लोर पर बने कमरे में चली गई। जब काफी देर तक वह नीचे नहीं आई तो परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने ऊपर जाकर देखा तो राधिका फंदे पर लटकी हुई थी। जिसके बाद परिजन घबरा गये और दरवाजा खोलकर उसे नीचे उतारकर तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करने के बाद रात हो जाने के कारण दुसरे दिन मृत बच्ची का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। जिसका मानपुर स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। वहीं आशंका जताई जा रही है कि 14 वर्षीय बालिका ने किसी अज्ञात मानसिक तनाव में आकर यह आत्मघाती कदम उठाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर का मरम्मत कार्य हुआ प्रारंभ

अमोली गाडर के पास दुरूस्त की गई नहर की पार, किसानों ने अब माइनर नहरों के कैनालों की साफ-सफाई और मरम्मत कार्य करवाने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर के क्षतिग्रस्त होने और पानी बहने की आशंका को लेकर प्रकाशित समाचार का बड़ा असर देखने को मिला है। ग्राम पंचायत अमोली व आमाटोला ददिया के बीच से गुजरी ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर गाडर के समीप नहर की पार क्षतिग्रस्त होने के साथ ही बड़ा होल (गड्ढा) बन चुका था। इसी तरह अन्य स्थानों से सीमेन्टीकरण नहर क्षतिग्रस्त होने के साथ ही जगह-जगह दरारे भी आ गई थी और बरसात के दिनों में नहर में पानी छोड़ने पर नहर की पार फुटने से हजारों लीटर पानी व्यर्थ में बहने के साथ ही किसानों की खरीफ सीजन में लगने वाली धान की फसल भी खराब हो सकती थी। ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर जगह-जगह से क्षतिग्रस्त होने एवं अमोली गाडर के पास पार कमजोर होने एवं कुछ हिस्सों की मिट्टी कटकर बह चुका है और नहर में पानी छोड़ने पर पार फुटने की बनी संभावना को लेकर विगत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में उक्त समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर क्षतिग्रस्त होने एवं पार फूटने से व्यर्थ में बहेगा हजारों लीटर पानी, किसानों की फसल होगी प्रभावित नामक शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जल संसाधन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी हरकत में आये और उन्होने मरम्मत कार्य शुरू कर दिया है। साथ ही अमोली गाडर के पास मरम्मत कार्य करवा दिया गया है। वहीं किसानों ने क्षतिग्रस्त नहर का गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य करवाने के साथ ही माइनर नहरों के कैनालों की भी साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्य करवाये जाने की मांग शासन-प्रशासन से की है ताकि किसानों के खेतों तक नहर का पानी सिंचाई के लिए आसानी से पहुंच सके।

पार फूटने से व्यर्थ में बहता हजारों लीटर पानी

आपको बता दे कि ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर का पानी खैरलांजी क्षेत्र के किसानों के खेतों तक पहुंचता है, जिससे वे अपनी फसलों की सिंचाई करते हैं। पूर्व में यह नहर मिट्टी की बनी होने के कारण टेल (अंतिम) क्षेत्र में पानी नहीं पहुंच पाता था और किसानों की फसलें प्रभावित होती थीं। इस समस्या के समाधान के लिए करीब 9 से 10 वर्ष पूर्व जल संसाधन विभाग द्वारा करोड़ों रूपयों की लागत से ढूटी बांध से लेकर खैरलांजी तक नहर का सीमेंटीकरण करवाया गया था, ताकि मिट्टी का कटाव रूके और पानी का बहाव तेज हो सके। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण नहर में जगह-जगह दरारे आ चुकी हैं। वहीं स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार सीमेंटीकरण का कार्य गुणवत्ताहीन तरीके से किया गया था। इसके चलते ग्राम पंचायत अमोली और आमाटोला ददिया के बीच से गुजरी इस बड़ी नहर की पार (किनारा) गाडर के समीप क्षतिग्रस्त हो गई थी और वहां एक बड़ा होल (गड्ढा) बन गया था। इसी तरह नहर में अन्य स्थानों पर भी सीमेंटीकरण टूट चुका था और जगह-जगह बड़ी दरारें आ गई थी। आगामी बरसात के दिनों में यदि नहर में पानी छोड़ा जाता, तो पार फूटने से हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह जाता और किसानों की खरीफ सीजन की धान की फसल भी बर्बाद हो सकती थी।

बालाघाट एक्सप्रेस की खबर पर विभाग ने दिखाई तत्परता

नहर के क्षतिग्रस्त होने और पार फूटने के मंडराते खतरे को लेकर विगत दिनों बालाघाट एक्सप्रेस समाचार अखबार ने इस समस्या को प्रमुखता से उठाया था। अखबार में ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर अमोली गाडर के पास नहर की पार क्षतिग्रस्त होने से व्यर्थ में बहेगा हजारों लीटर पानी, किसानों की फसल होगी प्रभावित शीर्षक से समाचार प्रकाशित कर प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाया गया था। वहीं खबर प्रकाशन के बाद जल संसाधन विभाग ने तत्परता दिखाई और अमोली गाडर के पास कमजोर हो चुकी पार व क्षतिग्रस्त हिस्सों का मरम्मत कार्य करवा दिया है। वहीं क्षतिग्रस्त स्थानों पर उसे दुरूस्त करने का काम शुरू होने पर क्षेत्र के किसानों ने राहत की सांस ली है। वहीं क्षेत्र के किसानों ने जल संसाधन विभाग से मांग की है कि मुख्य नहर के क्षतिग्रस्त हिस्सों का पूरी तरह से गुणवत्तापूर्ण सुधार कार्य करवाये जाने के साथ ही इससे जुड़ी माइनर (छोटी) नहरों के कैनालों की भी अच्छी तरह से साफ-सफाई और मरम्मत करवाने की मांग की है। ताकि खरीफ सीजन में सिंचाई के लिए पानी बिना किसी बाधा के अंतिम छोर पर बैठे किसानों के खेतों तक पहुंच सके।

पोर्टल पर स्टॉक ना चढ़ने से वारासिवनी में खाद की किल्लत

महंगे दामों की आहट से किसानों में आक्रोश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। क्षेत्र के किसानों के लिए खरीफ सीजन की शुरुआत ही परेशानियों का सबब बन कर आई है। धान की नर्सरी तैयार करने की पूरी तैयारी कर चुके किसान अब रासायनिक खाद के लिए दर दर भटकने को मजबूर हैं। वारासिवनी के अंतर्गत आने वाली विभिन्न सोसायटियों और विपणन संघ मार्फेट के गोदामों के चक्कर काट काटकर किसान थक चुके हैं ,लेकिन उन्हें जरूरत के मुताबिक खाद नहीं मिल पा रही है। समय पर खाद उपलब्ध नही होने के कारण किसानों में शासन प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है।

तकनीकी खामी और आईडी का रोड़ा

किसानों को खाद नही मिल पाने के पीछे विभागीय और तकनीकी खामियां बड़ी वजह बनकर सामने आ रही हैं। बताया जा रहा है कि सोसायटियों और गोदामों में खाद का स्टॉक तो पहुंच चुका है लेकिन उसे अब तक संबंधित पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज नहीं किया गया है। इसके अलावा समितियों और गोदामों को आवश्यक लॉगिन आईडी उपलब्ध नही होने के कारण भी वितरण व्यवस्था पूरी तरह ठप पड़ी है। नतीजतन दूर दराज के गांवों से रोजाना सैकड़ों किसान सोसायटियों के चक्कर लगा रहे हैं और मायूस होकर खाली हाथ लौट रहे हैं। वर्तमान में किसान सबसे ज्यादा एनपीके २०२००१३ खाद की मांग कर रहे हैं जो धान की शुरुआती फसल के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। वारासिवनी सोसायटी में २०२००१३ खाद उपलब्ध नहीं है और वहां किसानों को इसके बदले १०२६२६ खाद लेने को कहा जा रहा है। मार्फेट के गोदाम में २०२००१३ खाद का स्टॉक मौजूद है लेकिन दोनों जगह पोर्टल पर एंट्री नही होने के कारण इसका वितरण शुरू नहीं हो पा रहा है। खाद की किल्लत के बीच मूल्यों को लेकर बना संशय किसानों की चिंता को दोगुना कर रहा है। बाजार और विभागीय गलियारों में चर्चा है कि रासायनिक खादों के नए रेट जारी होने वाले हैं जिससे कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। रासायनिक खाद २०२००१३ एवं १०२६२६ पहले १४०० से १६०० रूपये में आती थी। अब वह १९०० से २४०० रूपये की होंगी इसके साथ ही यूरिया, पोटाश और सुपर फॉस्फेट जैसी आवश्यक खादों के दाम भी बढ़ाए जाने की सुगबुगाहट है। किसानों का कहना है कि खेती की लागत पहले ही आसमान छू रही है, ऐसे में अगर खाद के दाम इतने ज्यादा बढ़ गए तो फसल की लागत निकालना भी नामुमकिन हो जाएगा। परेशान किसानों ने शासन प्रशासन से गुहार लगाई है कि बढ़ते लागत मूल्यों को देखते हुए खाद की कीमतों पर पुनर्विचार किया जाये। पोर्टल पर स्टॉक को तुरंत अपलोड कर तकनीकी खामियों को दूर किया जाये, सोसायटियों में पर्याप्त मात्रा में सभी प्रकार की खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ,वितरण के लिए एक पारदर्शी और बेहतरीन टोकन सिस्टम संचालित किया जाए, ताकि किसानों को आर्थिक स्थिति और जरूरत के अनुसार समय पर खाद मिल सके। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो क्षेत्र में धान की बोनी की तैयारियों पर इसका बेहद विपरीत असर पड़ सकता है।

खाद की कीमत बढ़ने से किसानों में आक्रोश-भुवन चौरे

किसान भुवन चौरे ने बताया कि हम कोसरीटोला मुरझड फॉर्म के रहने वाले हैं खाद लेने के लिए हम यहां पर आए हुए हैं। तो यह अधिकारी हमें टोकन कटवाने के लिए बोल रहे हैं इसके लिए हमें ऑनलाइन सेंटर जाना होगा। परंतु पोर्टल पर २०२००१३ एवं डीएपी दर्ज नहीं है और इसके रेट भी बढ़ गए हैं अब लागत भी पहले से ज्यादा बढ़ेगी। क्योंकि पहले यह १४०० में मिलता था अब २००० के ऊपर मिलेगा रेट का पता टोकन के बाद पता चलेगा। पहले हम पावती लाते थे और खाद मिलता था अब सब कुछ पोर्टल पर निर्भर है चला तो ठीक है नहीं तो घर जाना पड़ेगा। अपने दिन भर की रोजी छोड़कर भी आना जाना करना पड़ेगा व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए।

पोर्टल के माध्यम से खाद मिलने पर किसानों को आ रही समस्या-कन्हैयालाल गाड़ेकर

किसान कन्हैयालाल गाड़ेकर ने बताया कि हम मारफेट के गोदाम में खाद लेने के लिए आए हुए थे। २०२००१३ हमें होना था परंतु यह स्टॉक में नहीं है हमें अभी नए नियमों की जानकारी तो नहीं है । हम सीधे यहां गोदाम में आए तो यहां के कर्मचारी बता रहे हैं कि पोर्टल पर अभी चढ़ा नहीं है स्टॉक गोदाम में रखा हुआ है। इसके साथ हमें यूरिया भी लेना था हमारे साथ तो अब दिक्कत है क्योंकि यह टोकन करवाने बोल रहे हैं ,ऑनलाइन सेंटर जाना होगा फिर आएंगे और एक खाद है एक नहीं है तो आना जाना एक बड़ी समस्या है गाड़ी का भाड़ा भी हमें लगता है। बार बार ऐसा हम कर नहीं सकते हैं गोदाम वालों को अपनी व्यवस्था दुरुस्त रखनी चाहिए।

एक क्विंटल धान के रेट में ५० किलो खाद का मूल्य कहां तक उचित है -खिलेंद्र भगत

किसान खिलेंद्र भगत ने बताया कि सोसायटी में खाद है परंतु आई डी की समस्या है पोर्टल पर बालाघाट से अपडेट नहीं हुआ है। हमारे लिए तो यह बड़ी समस्या है हमारे चाचा की जमीन हम कमाते हैं चाचा जबलपुर रहते हैं वह स्पेशल खाद दिलवाने के लिए जबलपुर से आए थे। परंतु यहां व्यवस्था खराब होने से उन्हें वापस लौटना पड़ा टोकन जनरेट करने वाली स्थिति है पोर्टल पर खाद चढ़ेगा तभी मिलेगा। खाद का रेट भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है ऐसा बता रहे हैं और यहां पर कोई नया खाद बता रहे हैं पुराना वाला नहीं है जो हम डालते हैं। नए वाले का रेट यह २४०० बता रहे हैं जबकि पहले हम १३५० में जो खाद खरीदे थे उसका २१०० बता रहे हैं। सरकार को यह रेट तय करने चाहिए एक क्विंटल धान के रेट में ५० किलो खाद का मूल्य कहां तक उचित है दिक्कत है किसान की लागत बढ़ेगी समस्या किस को ही होगी।

माइंस नगरी उकवा के बेटे ने रचा इतिहास सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा में प्रदेश में चौथा स्थान हासिल कर नरेंद्र बघेल ने बढ़ाया बालाघाट का मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सपनों को साकार करने के लिए बड़े संसाधनों की नहीं, बल्कि बड़े हौसलों और अटूट मेहनत की जरूरत होती है। बालाघाट जिले की मैंगनीज नगरी उकवा के युवा नरेंद्र बघेल ने इस बात को सच साबित कर दिखाया है। मध्यप्रदेश सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा में भूगोल विषय से पूरे प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त कर उन्होंने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे बालाघाट जिले को गौरवान्वित किया है। नरेंद्र बघेल की सफलता संघर्ष, समर्पण और आत्मविश्वास की प्रेरणादायक कहानी है। एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे नरेंद्र के पिता श्री श्रवण बघेल वर्षों से माइंस में कार्यरत हैं और सीमित आय में परिवार का पालन-पोषण करते रहे हैं। आर्थिक चुनौतियों के बीच भी परिवार ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और नरेंद्र ने भी अपने सपनों को परिस्थितियों की भेंट नहीं चढ़ने दिया। बचपन से ही मेधावी नरेंद्र ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय शासकीय विद्यालयों से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट से उच्च शिक्षा हासिल की। अध्ययन के दौरान इतिहास और भूगोल विषयों के प्रति उनकी विशेष रुचि विकसित हुई, जिसने उन्हें अकादमिक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगी परीक्षाओं की कठिन तैयारी, सीमित संसाधन और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच नरेंद्र ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने अनुशासित दिनचर्या, निरंतर अध्ययन और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर पहले इतिहास विषय में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (इश्वङ्ग) उत्तीर्ण की और बाद में भूगोल विषय में भी नेट परीक्षा में सफलता प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा में भूगोल विषय से पूरे मध्यप्रदेश में चौथा स्थान अर्जित कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा दिया। नरेंद्र की यह उपलब्धि आज जिले के हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए उनकी सफलता यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर उकवा, बैहर और पूरे बालाघाट जिले में खुशी और गर्व का माहौल है। सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा क्षेत्रवासियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। लोगों का कहना है कि नरेंद्र ने अपनी मेहनत से न केवल अपने परिवार का सपना साकार किया है, बल्कि पूरे क्षेत्र को गौरव का एक नया अवसर दिया है। अपनी सफलता पर नरेंद्र बघेल विनम्रता के साथ इसका श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और शुभचिंतकों को देते हैं। उनका कहना है कि जीवन में आने वाली कठिनाइयां स्थायी नहीं होतीं। यदि व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे और निरंतर प्रयास करता रहे तो सफलता एक न एक दिन उसके कदम जरूर चूमती है। आज उकवा का यह होनहार युवा पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है। नरेंद्र बघेल की उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा की एक ऐसी मिसाल है, जो यह साबित करती है कि सपनों की ऊंचाई आर्थिक परिस्थितियों से नहीं, बल्कि हौसलों की उड़ान से तय होती है। बालाघाट का यह बेटा अब उन युवाओं के लिए उम्मीद की किरण बन गया है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने का साहस रखते हैं।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा समाज की आस्था, एकता और सेवा भाव का जीवंत प्रतीक है-संजयसिंह कछवाहा

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा को भव्य और ऐतिहासिक बनाने श्री राम लला सेवा समिति की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी नगर में आगामी १९ जुलाई को आयोजित होने वाली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को भव्य दिव्य और ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए श्री राम लला सेवा समिति ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी सिलसिले में १४ जून की शाम समिति की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के साथ साथ उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों को अलग अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। बैठक के दौरान समिति के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों ने बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया और अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए। बैठक का मुख्य उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की शोभायात्रा को अभूतपूर्व और भव्य बनाना है। चर्चा के दौरान रथ यात्रा के मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, स्वागत मंचों और भव्य महाप्रसादी के सफल आयोजन को लेकर विस्तार से विचार.विमर्श किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि इस धार्मिक उत्सव को नगर के इतिहास में एक यादगार आयोजन बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम को सुचारू और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए समिति के द्वारा उपस्थित सदस्यों को विभिन्न कार्यों की कमान सौंपी गई। ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पड़े। समिति के संरक्षक संजय सिंह कछवाह ने बताया की भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है बल्कि यह हमारे पूरे समाज की आस्था , एकता और सेवा भाव का जीवंत प्रतीक है। आगामी १९ जुलाई को वारासिवनी नगर में निकलने वाली इस शोभायात्रा को अभूतपूर्व, दिव्य और भव्य स्वरूप देने के लिए श्री राम लला सेवा समिति का हर एक सदस्य पूरी निष्ठा के साथ समर्पित है। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने बहुत ही सुंदर और व्यावहारिक सुझाव साझा किए हैं जिसके आधार पर हमने पूरे आयोजन की एक ठोस रूपरेखा तैयार कर ली है। रथ यात्रा के मार्ग की व्यवस्था से लेकर श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी के प्रबंध तक हर जिम्मेदारी को सही हाथों में सौंप दिया गया है। हमारा प्रयास है कि इस वर्ष की रथ यात्रा इतिहास में एक मिसाल बने। नगर और आसपास के सभी धर्मप्रेमी भाई.बहनों माताओं और युवाओं से अपील हैं कि १९ जुलाई को आयोजित होने वाले इस भव्य उत्सव में सपरिवार सम्मिलित हों। हम सब मिलकर इस यात्रा का हिस्सा बनें भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करें और अपनी सहभागिता से इस धार्मिक आयोजन को ऐतिहासिक और सफल बनाएं। इस बैठक में समिति के संरक्षक संजय सिंह कछवाहा ,संजय रूसिया ,रविन्द्र ताठौड़ ,राकेश सोनी ,दीपक आडे ,प्रदीप श्रीवास्तव, अभिषेक अग्रवाल ,रतन अग्रवाल, केतन जैन ,बलराम पारधी, विनय सुराना ,जगदीश नेमा, लोकचंद ठाकरे ,डिलेश खंडेलकर ,प्रमोद रहाँगडाले ,प्रदीप शरणागत ,बंटी पारधी ,सुरेश कुर्वे विनय नागेंद्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बालाघाट के जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल का नरसिंहपुर स्थानांतरण, देवेश बाथम ने संभाला पदभार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परिवहन विभाग मध्यप्रदेश द्वारा जारी नवीन स्थानांतरण सूची के तहत बालाघाट के जिला परिवहन अधिकारी श्री अनिमेष गढ़पाल का स्थानांतरण नरसिंहपुर कर दिया गया है। साथ ही उन्हें सिवनी जिले के जिला परिवहन अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। स्थानांतरण आदेश के बाद अनिमेष गढ़पाल ने बालाघाट से कार्यमुक्त होकर नरसिंहपुर में पदभार ग्रहण करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। उनके कार्यकाल में जिले में सड़क सुरक्षा जागरूकता, परिवहन नियमों के पालन तथा विभागीय कार्यों के प्रभावी संचालन के लिए विभिन्न पहलें की गई। वहीं सिवनी के जिला परिवहन अधिकारी श्री देवेश बाथम का स्थानांतरण बालाघाट किया गया है। श्री बाथम ने बालाघाट पहुंचकर जिला परिवहन अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। श्री देवेश बाथम के पदभार ग्रहण करने के साथ ही जिले के परिवहन विभाग की प्रशासनिक जिम्मेदारियां अब उनके नेतृत्व में संचालित होंगी। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत करते हुए नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

जीपीएफ खातों की गुमशुदा कटौतियों के निराकरण के लिए 22 से 25 जून तक विशेष शिविर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय सेवकों के सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) खातों में दर्ज गुमशुदा कटौतियों एवं अप्रविष्ट मदों के त्वरित निराकरण के लिए जिला स्तर पर विशेष जीपीएफ शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) कार्यालय, मध्य प्रदेश, ग्वालियर के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी अमित कुमार मरावी ने बताया कि शिविर का आयोजन 22 जून 2026 से 25 जून 2026 तक कलेक्ट्रेट भवन बालाघाट के प्रथम तल स्थित सभाकक्ष के कक्ष क्रमांक 205 में किया जाएगा। शिविर के लिए सहायक कोषालय अधिकारी यशवंत मसकरे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। शिविर में महालेखाकार कार्यालय ग्वालियर से वरिष्ठ लेखा अधिकारी अवधेश पाण्डेय, सहायक लेखा अधिकारी बाबूलाल मीणा, सुमित कुमार एवं मुकेश सैनी उपस्थित रहकर जीपीएफ खातों से संबंधित समस्याओं का निराकरण करेंगे। जिला कोषालय बालाघाट, सिवनी एवं मंडला के अंतर्गत आने वाले सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों (डीडीओ) तथा कर्मचारियों से शिविर की जानकारी व्यापक रूप से साझा करने का आग्रह किया गया है। जिन कर्मचारियों के जीपीएफ खातों में कटौतियां मिसिंग हैं अथवा अप्रविष्ट मदों की समस्या है, उन्हें संबंधित डीडीओ कार्यालय के लिपिक के साथ शिविर में उपस्थित होकर अपनी शिकायतों का निराकरण कराना होगा। शिविर में आने वाले कर्मचारियों को सामान्य भविष्य निधि कटौती पत्रक (जीपीएफ डिडक्शन शेड्यूल), संबंधित महीनों के वेतन देयक, चालान की प्रति तथा कैशबुक एवं बिल रजिस्टर की प्रमाणित प्रतियां साथ लाना अनिवार्य होगा। महालेखाकार कार्यालय द्वारा गुमशुदा कटौतियों, निष्क्रिय खातों एवं अप्रविष्ट मदों की चेकलिस्ट भी उपलब्ध कराई जा रही है। इसके आधार पर संबंधित डीडीओ अथवा उनके कार्यालय के जीपीएफ रिकॉर्ड देखने वाले लिपिकों को आवश्यक जानकारी एवं मूल अभिलेखों के साथ शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। शिविर के दौरान जीपीएफ के अंतिम भुगतान प्रकरणों में बरती जाने वाली सावधानियों एवं आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा, जिससे कर्मचारियों की जीपीएफ संबंधी समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

नगरीय निकाय एवं पंचायतों की मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्यक्रम संशोधित

अब फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन 27 जुलाई को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव ने जानकारी दी है कि नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 के पूर्व में जारी कार्यक्रम में संशोधन किया गया है। अब प्रारूप मतदाता सूची में दावे-आपत्ति 25 जून तक लिये जायेंगे। दावे-आपत्तियों का निराकरण 2 जुलाई तक किया जायेगा। फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 27 जुलाई को किया जायेगा। पूर्व में जारी कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जुलाई को होना था। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण के लिये निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करना सुनिश्चित करें।

मात्रभूमि की रक्षा करने वाली स्व अटलजी वाला युग नहीं है

पीएम मोदी के कार्यकाल के 12 साल पूरे होने पर रायपुर के काली मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की गई. और एनडीए के स्वागत समारोह हुआ उस समय यानि अटलजी की एनडीए की सरकार ने देश के प्रति एक जुटता दिखाई थी या मई 1998 में अमेरिका के दबाब में नहीं आया और 1992 के कारगिल युद्ध में भी अमेरिका से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया उससे कारगिल की चोटियों में छिपे आतंकवादी का जब अमेरिका ने सेटेलाईट तस्वीर ना देने के बाद भी महीनों तक युद्ध लड़ा और जीता लेकिन इस अवधी में अमेरिका ने भारत को झुका ही नहीं दिया बल्कि अपशब्दो का इस्तेमाल करना, कार्गो प्लेन में अमृतसर जैसे पवित्र स्थल जहाँ स्वर्ण टेम्पल में रोज सभी धर्मों के लोग गुरू के सामने नतमस्तक होकर आशीर्वाद लेते हैं वहाँ भारतीय जो अपने धंधा के लिए अमेरिका गए थे जो सही तरीका नहीं था लेकिन किसी का मडर नहीं किया उनके हाथों में गुलामी की जंजीरो से वहाँ उतारा बड़े ही शर्म की बात है यह 140 करोड़ लोगों का एक ऐसा भारत है जो लोकतान्त्रिक तरीके से सरकार चुनता है वहाँ शुरुआत में ही अमेरिका ने शर्मसार किया, उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर में पता ही नहीं चला की कौन जीता बीच में अमेरिका के राष्ट्रपति का ट्विट से उसने ही सीजफायर का ऐलान किया जो गलत है क्योंकि उसमें जम्मू काश्मीर का भी जिक्र किया था आज 12 परमाणु अस्त्र रेडी तो लॉन्च मोड में देश की रक्षा के लिए तैनात है इसका पूरा श्रेय श्री स्व अटलजी को जाता है क्योंकि उन्होंने जो सोचा की पोखरण परमाणु परीक्षण करना है तो कर दिया वो देश के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया जय जवान जय किसान के बाद जय विज्ञान और भारत फिर अपने निर्णय लेने में स्वतंत्र था इसलिए कारगिल युद्ध को बीच में नहीं बल्कि अंदर तक घुस कर उदेड़ दिया इसलिए जब तक आप अपनी सेना को उतार कर वहाँ कार्यवाही नहीं करते तब तक दुश्मन को डरा नहीं सकते हैं इसलिए निश्चित रूप से भारतीय सेना ने अपने पराक्रम का परिचय दिया लेकिन सेना के उपप्रमुख ने ऐ भी कहा की हम एक फ्रंट पर नहीं 3 फ्रंट यानि पाकिस्तान, चीन और तुर्की के साथ अकेले लड़ रहे थे आखिर रूस का साथ भारत का सैन्य सहयोग क्यो नहीं मिला ऐ आगे गंभीर रूप से सोचना चाहिए अटलजी ने कारगिल युद्ध जीतने के बाद अमेरिका को भी भरी सभा में खड़ी खोटी सुनाया जो इसप्रकार पाकिस्तान के आतंकी हरकत पर कहा था हमें मिटाने की साजिश करने वालों से कह दो, चिंगारी का खेल बुरा होता है अपने ही घर में सदा खरा होता है अमरीकी शस्त्रों से अपनी आजादी को दुनिया में कायम रख लोगे, यह मत समझो। दस बीस अरब डालर लेकर आने वाली बरबादी से तुम बच लोगे यह मत समझो। भारत माँ का शीश नहीं झुकेगा ऐ ताकत होनी चाहिए सत्ता आती है और जाती है लेकिन लोग उसी को याद करते हैं जो अपनी मात्रभूमि की रक्षा के लिए हँसते हँसते बलिदान दे देते हैं इसलिए भारत अंग्रेज से भारत माता को आजादी दिलवाई और अमर हो गए अभी जो अमेरिका ने 3भारतीय की एक तरह से निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दि ऐ गलत किया है क्योंकि वो भी हमारे भाई ही हैं उनके रोते बिलखते परिवार की क्या हालत है देख कर बहुत दर्द हुआ और इसपर दूसरे देश से तीखी प्रतिक्रिया आ रही है और ऐसे में हमें भी कोई उचित निर्णय लेने का अधिकार है।

मोदी-ट्रम्प संभावित मुलाकात से क्या बदल सकता है?

व्यापार, एच -1बी वीजा, टैरिफ और रणनीतिक साझेदारी के नए समीकरण ?

वैश्विक स्तरपर फ्रांस के एवियन-ले-बैंस में 52 वां शिखर सम्मेलन 15-17 जून को होने वाले जी-7 के दौरान भारत के प्रधानमंत्री और अमेरिका के राष्ट्रपति के बीच संभावित द्विपक्षीय बैठक की संभावना प्रबल मानी जा रही है। हालांकि दोनों देशों की ओर से अभी तक औपचारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन भारतीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार व्यापार, वीजा नीति, ऊर्जा सहयोग और सामरिक साझेदारी जैसे विषय इस मुलाकात के केंद्र में रह सकते हैं।भारत और अमेरिका के संबंध पिछले दो दशकों में निरंतर मजबूत हुए हैं, किंतु 2026 में यह रिश्ता एक नए मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है। एक ओर दोनों देश रक्षा, प्रौद्योगिकी इंडो -पैसिफिक सुरक्षा और आपूर्ति शृंखला सहयोग को आगे बढ़ा रहे हैं,वहीं दूसरी ओर टैरिफ, व्यापार असंतुलन और आव्रजन नीतियों को लेकर मतभेद भी सामने आए हैं। ऐसे समय में यदि मोदी और ट्रम्प की मुलाकात होती है तो यह केवल एक औपचारिक कूटनीतिक बैठक नहीं होगी, बल्कि आने वाले वर्षों के भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा निर्धारित करने वाली वार्ता भी साबित हो सकती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वर्तमान परिस्थितियों में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा भारत -अमेरिका व्यापार समझौता है। दोनों देशों के बीच पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से व्यापक व्यापार वार्ताएं चल रही हैं और भारतीय वाणिज्य मंत्रालय ने संकेत दिया है कि जुलाई 2026 तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप दिया जा सकता है। भारत का लक्ष्य अमेरिकी बाजार में अपने उत्पादों के लिए अधिक अनुकूल और प्रतिस्पर्धी शुल्क दरें प्राप्त करना है, जबकि अमेरिका चाहता है कि भारतीय बाजार में अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के लिए सटीकता से अधिक पहुंच उपलब्ध हो।

साथियों, भारत अमेरिका व्यापार के क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिकी टैरिफ नीति है। हाल ही में अमेरिका ने भारत सहित कई देशों के आयात पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत से 12.5 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि यह कदम श्रम मानकों और व्यापारिक असंतुलन से जुड़े मुद्दों के कारण आवश्यक है,जबकि भारत ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि वार्ता के माध्यम से समाधान निकाला जाना चाहिए। यदि जी-7 सम्मेलन के दौरान मोदी और ट्रम्प के बीच सकारात्मक चर्चा होती है तो इन प्रस्तावित टैरिफों में राहत मिलने की संभावना बन सकती है।भारत के लिए यह मुद्दा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका उसका सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। वस्त्र, औषधि, इंजीनियरिंग उत्पाद, रसायन और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं के क्षेत्र में भारतीय कंपनियां अमेरिकी बाजार पर काफी निर्भर हैं। अतिरिक्त शुल्क लागू होने की स्थिति में भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो सकती है। इसलिए नई दिल्ली की प्राथमिकता यह होगी कि किसी भी संभावित व्यापार समझौते में भारतीय उद्योगों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए।

साथियों, दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा एच -1बी वीजा है, अमेरिका में काम करने वाले लाखों भारतीय पेशेवरों और आईटी उद्योग के लिए यह विषय अत्यंत संवेदनशील है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा वीजा नियमों को सख्त करने के संकेतों ने भारतीय आईटी कंपनियों और तकनीकी विशेषज्ञों के बीच चिंता पैदा की है। रिपोर्टों के अनुसार प्रधानमंत्री इस विषय को सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष उठा सकते हैं। भारतीय पक्ष का तर्क है कि भारतीय पेशेवर अमेरिकी अर्थव्यवस्था, नवाचार और तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं,इसलिए एच -1बी वीजा व्यवस्था को अत्यधिक प्रतिबंधात्मक बनाना दोनों देशों के हित में नहीं होगा। एच -1बी केवल रोजगार का विषय नहीं है बल्कि यह भारत- अमेरिका तकनीकी संबंधों की आधारशिला भी है। अमेरिका की प्रमुख तकनीकी कंपनियों में हजारों भारतीय इंजीनियर और विशेषज्ञ कार्यरत हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और सेमी कंडक्टर जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों का सहयोग लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में वीजा व्यवस्था में स्थिरता बनाए रखना रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

साथियों, ऊर्जा सहयोग भी संभावित वार्ता का प्रमुख विषय माना जा रहा है। अमेरिका पहले ही भारत के लिए तेल और गैस का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन चुका हैरिपोर्टों के अनुसार दोनों नेता ऊर्जा आपूर्ति, वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा तथा संभावित रूप से वेनेजुएला से जुड़े ऊर्जा सहयोग के अवसरों पर भी चर्चा कर सकते हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक ऊर्जा बाजार भू-राजनीतिक तनावों से प्रभावित हैं, भारत अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति पर काम कर रहा है।रणनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग भी इस मुलाकात का एक महत्वपूर्ण पहलू हो सकता है। चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति और उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रतिस्पर्धा ने भारत और अमेरिका को एक-दूसरे के और निकट लाया है। ट्रम्प प्रशासन भी चीन पर निर्भरता कम करने और वैकल्पिक आपूर्ति शृंखलाओं को मजबूत करने की नीति पर जोर देता रहा है। इस संदर्भ में भारत एक स्वाभाविक साझेदार के रूप में सटीकता से उभरता है।

साथियों, हालांकि संबंधों में कुछ राजनीतिक संवेदन शीलताएं भी मौजूद हैं। ट्रम्प द्वारा अतीत में भारत- पाकिस्तान तनाव को लेकर किए गए कुछ दावों को भारत ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया था। इसके अतिरिक्त व्यापारिक विवादों और शुल्क संबंधी मतभेदों ने भी दोनों देशों के बीच असहजता पैदा की थी। फिर भी हाल के महीनों में उच्चस्तरीय संपर्कों और कूटनीतिक संवाद ने वातावरण को काफी हद तक सकारात्मक बनाया है। अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा और दोनों देशों के अधिकारियों के बीच लगातार वार्ताओं ने यह संकेत दिया है कि दोनों पक्ष मतभेदों को बातचीत के माध्यम से सुलझाने के इच्छुक हैं।व्यक्तिगत स्तर पर मोदी और ट्रम्प के संबंध भी चर्चा का विषय रहे हैं। दोनों नेताओं ने अपने पिछले कार्यकालों में कई बार सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे की सराहना की है। ट्रम्प ने हाल ही में भी मोदी को अपना अच्छा मित्र बताया और भारत के साथ व्यापार समझौते को लेकर आशावाद व्यक्त किया। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में व्यक्तिगत समीकरण हमेशा निर्णायक नहीं होते, लेकिन वे कठिन वार्ताओं को आसान बनाने में सहायक अवश्य होते हैं।

साथियों, यदि यह बैठक सफल रहती है तो इसके परिणाम कई स्तरों पर दिखाई दे सकते हैं। पहला, व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने की दिशा में गति मिल सकती है। दूसरा, भारतीय पेशेवरों से जुड़े वीजा मुद्दों पर कुछ सकारात्मक संकेत सामने आ सकते हैं। तीसरा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी सहयोग को नई दिशा मिल सकती है। चौथा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सामरिक साझेदारी और अधिक मजबूत हो सकती है। इसके विपरीत यदि टैरिफ और व्यापारिक विवादों पर सहमति नहीं बनती तो संबंधों में तनाव की संभावनाएं भी बनी रह सकती हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि जी-7 शिखर सम्मेलन 2026 केवल वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का मंच नहीं है,बल्कि भारत और अमेरिका के लिए अपने द्विपक्षीय संबंधों को पुनर्परिभाषित करने का भी अवसर है। मोदी-ट्रम्प संभावित मुलाकात से यह स्पष्ट हो सकता है कि आने वाले वर्षों में दोनों देशसहयोग प्रतिस्पर्धा और रणनीतिक साझेदारी के बीच किस प्रकार संतुलन स्थापित करेंगे। वर्तमान संकेत बताते हैं कि दोनों पक्ष मतभेदों के बावजूद संवाद और सहयोग की राह पर आगे बढ़ना चाहते हैं। इसलिए यह मुलाकात केवल दो नेताओं की भेंट नहीं, बल्कि 21वीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक साझेदारियों में से एक के भविष्य का संकेतक भी हो सकती है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

महंगाई का बढ़ता साया

-डॉ. प्रियंका 'सौरभ

भारत जैसे विशाल और विकासशील देश में महंगाई केवल एक आर्थिक शब्द नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के दैनिक जीवन से जुड़ी एक ऐसी वास्तविकता है जो उनकी आय, बचत, भोजन, शिक्षा और भविष्य की योजनाओं को सीधे प्रभावित करती है। हाल ही में प्रकाशित रिपोर्टों और बाजार के रुझानों से स्पष्ट है कि मार्च के बाद से रोजमर्रा की जरूरतों के सामान की कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। खाद्य तेल, साबुन, डिटर्जेंट, कॉफी, हैंडवॉश, नमकीन, शैंपू और दालों जैसे आवश्यक उत्पादों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई वृद्धि ने आम उपभोक्ता की परेशानी को और बढ़ा दिया है।

महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है। इन वर्गों की आय सीमित होती है और उनके खर्च का बड़ा हिस्सा भोजन, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक जरूरतों पर खर्च होता है। जब रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ते हैं तो इनके पास बचत के अवसर कम हो जाते हैं। परिणामस्वरूप परिवारों को अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है या फिर कर्ज का सहारा लेना पड़ता है।

रिपोर्ट के अनुसार खाद्य तेलों की कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि देखने को मिली है। जहां जून में इनमें 3 से 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी, वहीं मार्च के बाद अब तक यह वृद्धि 20 से 25 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। भारत खाद्य तेलों की आवश्यकता का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ता है। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं और परिवहन लागत में वृद्धि ने खाद्य तेलों को महंगा बना दिया है।

महंगाई का दूसरा महत्वपूर्ण कारण ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल भी महंगे हुए हैं। ऊर्जा किसी भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है। जब ईंधन महंगा होता है तो परिवहन लागत बढ़ जाती है। इसका असर खेतों से मंडियों तक, फैक्ट्रियों से बाजारों तक और गोदामों से उपभोक्ताओं तक हर स्तर पर दिखाई देता है। फलस्वरूप लगभग हर वस्तु की कीमत बढ़ जाती है।

आज कंपनियां भी बढ़ती लागत के दबाव में हैं। कच्चे माल, बिजली, परिवहन और पैकेजिंग की लागत बढ़ने से उत्पादन खर्च में वृद्धि हुई है। इस स्थिति में कंपनियां दो तरीके अपनाती हैं— या तो उत्पादों के दाम बढ़ाती हैं या पैकेट का आकार घटा देती हैं। उपभोक्ताओं को अक्सर यह महसूस नहीं होता कि समान कीमत पर मिलने वाला उत्पाद अब पहले से कम मात्रा में उपलब्ध है। इसे अर्थशास्त्र की भाषा में श्रिंकफ्लेशन कहा जाता है। यह भी महंगाई का एक छिपा हुआ रूप है।

महंगाई का सबसे स्पष्ट असर रसोई पर दिखाई देता है। एक मध्यमवर्गीय परिवार का मासिक रसोई बजट यदि पहले 15 हजार रुपये था तो कीमतों में बढ़ोतरी के कारण यह खर्च अब 17 से 18 हजार रुपये तक पहुंच सकता है। यह वृद्धि सुनने में छोटी लग सकती है, लेकिन सालभर में यह अतिरिक्त खर्च हजारों रुपये तक पहुंच जाता है। जिन परिवारों की आय स्थिर है, उनके लिए यह स्थिति और अधिक कठिन हो जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थिति कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। खेती में डीजल, खाद, बीज और कीटनाशकों की लागत बढ़ने से कृषि उत्पादन महंगा हुआ है। किसान को अपनी फसल का उचित मूल्य नहीं मिलता, जबकि उपभोक्ता को वही उत्पाद महंगे दामों पर खरीदना पड़ता है। इस प्रकार महंगाई का बोझ उत्पादक और उपभोक्ता दोनों पर पड़ता है, जबकि बीच की आपूर्ति श्रृंखला और बाजार संरचना अधिक लाभ अर्जित करती है। महंगाई का सामाजिक प्रभाव भी गहरा होता है। जब आवश्यक वस्तुएं महंगी होती हैं तो परिवार सबसे पहले मनोरंजन, पर्यटन और विलासिता के खर्च में कटौती करते हैं। इसके बाद शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसे क्षेत्रों पर भी असर पड़ने लगता है। कई परिवार बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन खरीदने में असमर्थ हो जाते हैं। इससे कुपोषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। दूसरी ओर, शिक्षा पर होने वाले खर्च में कमी भविष्य की मानव पूंजी को प्रभावित करती है।

आर्थिक दृष्टि से नियंत्रित महंगाई को विकास का संकेत माना जाता है, क्योंकि इससे मांग और उत्पादन में वृद्धि का संकेत मिलता है। लेकिन जब महंगाई आय वृद्धि से अधिक तेजी से बढ़ने लगे तो यह आर्थिक असंतुलन पैदा करती है। वर्तमान स्थिति में यही चिंता सामने आ रही है। वेतन और रोजगार की वृद्धि दर उतनी तेज नहीं है जितनी तेजी से आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं। इससे वास्तविक क्रय शक्ति कम हो रही है।

भारतीय रिजर्व बैंक और सरकार महंगाई को नियंत्रित करने के लिए समय-समय पर कदम उठाते हैं। ब्याज दरों में परिवर्तन, आयात शुल्क में कमी, आवश्यक वस्तुओं के भंडारण पर निगरानी और बाजार में आपूर्ति बढ़ाने जैसे उपाय किए जाते हैं। हालांकि वैश्विक परिस्थितियों, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और भू-राजनीतिक तनावों के कारण कई बार इन प्रयासों का प्रभाव सीमित रह जाता है।

वर्तमान परिस्थितियों में सरकार को बहुआयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। खाद्य तेलों और आवश्यक वस्तुओं के आयात पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना होगा। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों का विस्तार, भंडारण सुविधाओं का विकास और आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता बढ़ाना आवश्यक है। साथ ही जमाखोरी और कृत्रिम मूल्य वृद्धि पर कड़ी निगरानी रखनी होगी। पेट्रोलियम उत्पादों पर कर संरचना की समीक्षा भी उपभोक्ताओं को राहत देने में सहायक हो सकती है।

उपभोक्ताओं की भी भूमिका महत्वपूर्ण है। अनावश्यक खरीदारी से बचना, बजट आधारित खर्च करना, स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देना और बचत की आदत विकसित करना वर्तमान समय की आवश्यकता है। डिजिटल माध्यमों से कीमतों की तुलना कर बेहतर विकल्प चुनना भी खर्च कम करने में मददगार हो सकता है।

महंगाई केवल आर्थिक आंकड़ों का विषय नहीं है, बल्कि यह करोड़ों भारतीय परिवारों के जीवन स्तर, पोषण, शिक्षा और भविष्य की संभावनाओं से जुड़ा प्रश्न है। यदि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में इसी प्रकार निरंतर वृद्धि होती रही तो इसका प्रभाव केवल घरेलू बजट तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास की गति पर भी पड़ेगा। इसलिए सरकार, उद्योग जगत और उपभोक्ताओं—तीनों को मिलकर संतुलित और दीर्घकालिक समाधान तलाशने होंगे।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विकास की चमक केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि आम आदमी की थाली, रसोई और जेब में भी दिखाई दे। जब तक महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होगा, तब तक आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाएगा। महंगाई की चुनौती केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की साझा चुनौती है, जिसका समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

गृहिणियों को राष्ट्र निर्माता मानकर सुप्रीम कोर्ट ने रचा सामाजिक न्याय का नया अध्याय

भारतीय समाज में गृहिणी का स्थान हमेशा से परिवार की धुरी के रूप में रहा है। वह घर की व्यवस्था संभालती है बच्चों का पालन-पोषण करती है बुजुर्गों की देखभाल करती है और परिवार को भावनात्मक स्थिरता प्रदान करती है। इसके बावजूद उसके श्रम को लंबे समय तक आर्थिक मूल्यांकन से बाहर रखा गया। घर के भीतर किए जाने वाले अनगिनत कार्यों को कर्तव्य और जिम्मेदारी का नाम देकर उनकी वास्तविक कीमत को नजरअंदाज किया जाता रहा। ऐसे समय में सुप्रीम कोर्ट का यह ऐतिहासिक फैसला न केवल न्यायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला भी है। सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाली गृहिणियों के मुआवजे को लेकर सर्वोच्च अदालत ने जो मानक निर्धारित किया है वह महिलाओं के सम्मान और न्याय व्यवस्था की संवेदनशीलता दोनों का प्रतीक है।

अदृश्य श्रम को मिली प्रतिष्ठा

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा है कि गृहिणियों के काम का मूल्य कम से कम 30 हजार रुपए प्रतिमाह माना जाना चाहिए और इसी आधार पर मुआवजे की गणना की जानी चाहिए। अदालत ने यह भी माना कि गृहिणियां केवल परिवार का हिस्सा नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति हैं। यह टिप्पणी अपने आप में ऐतिहासिक है क्योंकि पहली बार इतने स्पष्ट और प्रभावशाली शब्दों में गृहिणियों की भूमिका को राष्ट्रीय विकास से जोड़ा गया है। दरअसल किसी भी समाज की प्रगति का आधार मजबूत परिवार होता है और मजबूत परिवार का आधार अक्सर एक समर्पित महिला होती है। वह बिना किसी वेतन और अवकाश के चौबीसों घंटे कार्य करती है। उसकी मेहनत का कोई हिसाब नहीं रखा जाता और उसके योगदान को आर्थिक आंकड़ों में नहीं मापा जाता। सुप्रीम कोर्ट ने इस वास्तविकता को स्वीकार कर महिलाओं के अदृश्य श्रम को वह सम्मान दिया है जिसकी मांग लंबे समय से की जा रही थी।

पुरानी सोच को बदलने वाला निर्णय है।अब तक सड़क दुर्घटना मामलों में गृहिणियों की आय का अनुमान अक्सर कुशल मजदूर की मजदूरी के आधार पर लगाया जाता था। यह व्यवस्था न केवल अव्यावहारिक थी बल्कि महिलाओं के योगदान को कम करके आंकने वाली भी थी। अदालत ने इस सोच को खारिज करते हुए कहा कि घरेलू कार्यों को सामान्य मजदूरी के पैमाने पर नहीं तौला जा सकता यह निर्णय इस बात की स्वीकारोक्ति है कि घर संभालना एक पूर्णकालिक और बहुआयामी जिम्मेदारी है। गृहिणी एक साथ प्रबंधक शिक्षक मार्गदर्शक परिचारिका और परिवार की भावनात्मक शक्ति के रूप में कार्य करती है। इसलिए उसके योगदान की तुलना किसी एक पेशे या मजदूरी से नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने इसी व्यापक दृष्टिकोण को अपनाकर न्याय की नई परिभाषा प्रस्तुत की है।

महिला सम्मान की दिशा में बड़ा कदम कहा जा सकता है

यह फैसला केवल मुआवजे की राशि बढ़ाने का मामला नहीं है बल्कि महिलाओं के सम्मान को कानूनी मान्यता देने का प्रयास भी है। भारतीय समाज में आज भी अनेक महिलाएं अपने कार्यों के लिए सामाजिक सराहना तो पाती हैं लेकिन आर्थिक पहचान नहीं मिलती। अदालत ने इस स्थिति को बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

जब देश की सर्वोच्च अदालत किसी गृहिणी को राष्ट्र निर्माता कहती है तब यह संदेश केवल न्यायालय की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे समाज तक पहुंचता है। इससे महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना मजबूत होती है और यह स्वीकार किया जाता है कि राष्ट्र निर्माण केवल कार्यालयों और उद्योगों में नहीं बल्कि घरों के भीतर भी होता है।

न्याय प्रणाली का संवेदनशील उदाहरण है और इस फैसले की सबसे बड़ी विशेषता न्यायपालिका की संवेदनशीलता है। अदालत ने कहा कि मुआवजा तय करते समय केवल महिला की आय को आधार नहीं बनाया जा सकता। उसकी उम्र शिक्षा कौशल पारिवारिक जिम्मेदारियां और आर्थिक परिस्थितियां भी ध्यान में रखी जानी चाहिए। यह दृष्टिकोण बताता है कि न्यायालय जीवन की वास्तविकताओं को समझते हुए निर्णय दे रहा है। कई बार दुर्घटना में गृहिणी की मृत्यु के बाद परिवार केवल एक सदस्य को नहीं खोता बल्कि पूरे परिवार की व्यवस्था प्रभावित हो जाती है। बच्चों का भविष्य बुजुर्गों की देखभाल और घर की स्थिरता पर गहरा असर पड़ता है। अदालत ने इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए भावनात्मक और पारिवारिक क्षति को भी मुआवजे का हिस्सा माना है। यह न्याय की मानवीय और व्यावहारिक व्याख्या है।

त्वरित न्याय के प्रति प्रतिबद्धता

सुप्रीम कोर्ट ने केवल मुआवजे की गणना का नया आधार निर्धारित नहीं किया बल्कि न्याय प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा है कि ऐसे मामलों की निगरानी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश स्वयं करें और दावों का निपटारा एक वर्ष के भीतर किया जाए। भारतीय न्याय व्यवस्था में लंबित मामलों की समस्या लंबे समय से चर्चा का विषय रही है। दुर्घटना पीडित परिवार अक्सर वर्षों तक मुआवजे की प्रतीक्षा करते रहते हैं। ऐसे में अदालत का यह निर्देश न्याय को समयबद्ध और पीडित केंद्रित बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह दर्शाता है कि सर्वोच्च न्यायालय केवल सिद्धांतों की बात नहीं कर रहा बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन को भी सुनिश्चित करना चाहता है।

न्यायपालिका की प्रगतिशील सोच

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला भारतीय न्यायपालिका की प्रगतिशील और दूरदर्शी सोच का परिचायक है। अदालत ने यह समझा कि बदलते समय में महिलाओं की भूमिका को पुराने मानकों से नहीं आंका जा सकता। आज महिलाओं का योगदान केवल आर्थिक कमाई तक सीमित नहीं है बल्कि सामाजिक और पारिवारिक संरचना को मजबूत बनाने में भी उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस निर्णय ने यह संदेश दिया है कि किसी व्यक्ति का मूल्य केवल उसकी वेतन पर्ची से नहीं तय किया जा सकता। समाज के लिए किए गए उसके योगदान को भी समान महत्व मिलना चाहिए। गृहिणियों के मामले में यह संदेश विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका अधिकांश श्रम घर की चारदीवारी के भीतर ही रह जाता है।

सामाजिक बदलाव की नई शुरुआत शुरू हो चुका है

यह फैसला भविष्य में व्यापक सामाजिक बदलाव का आधार बन सकता है। इससे महिलाओं के घरेलू कार्यों के आर्थिक महत्व पर नई चर्चा शुरू होगी। नीति निर्माण के स्तर पर भी घरेलू श्रम को लेकर गंभीर विचार हो सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे करोड़ों गृहिणियों को यह एहसास होगा कि उनके कार्यों को देश की सर्वोच्च अदालत ने सम्मान और मान्यता दी है। समाज में लंबे समय से यह धारणा रही है कि घर का काम स्वाभाविक जिम्मेदारी है और उसका कोई आर्थिक मूल्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इस धारणा को चुनौती देते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि घरेलू श्रम भी उतना ही मूल्यवान है जितना किसी अन्य पेशे में किया जाने वाला कार्य। यह विचार महिलाओं की स्थिति को मजबूत करने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में सहायक होगा

न्याय और सम्मान का ऐतिहासिक संगम देखने को मिला है।सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय भारतीय न्यायिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसने गृहिणियों के अदृश्य श्रम को पहचान दी है महिलाओं के सम्मान को नई ऊंचाई प्रदान की है और दुर्घटना पीड़ित परिवारों को अधिक न्यायपूर्ण राहत सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त किया है।यह फैसला बताता है कि न्यायपालिका केवल कानून की व्याख्या करने वाली संस्था नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन की प्रेरक शक्ति भी है। महिलाओं को राष्ट्र निर्माता का दर्जा देकर सर्वोच्च अदालत ने न्याय और संवेदनशीलता का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। यह निर्णय आने वाले वर्षों में महिला सम्मान सामाजिक न्याय और मानवीय न्यायशास्त्र के एक आदर्श उदाहरण के रूप में याद किया जाएगा।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते सोमवार को खाद्य तेलों में बाजार मजबूत रहे। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य ही रहा। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में ताजा लेवाली के बीच भावों में मजबूती देखी गयी। किराना जिंसों में कामकाज कमजोर ही रहा। शक्कर व खोपरा गोला में हल्की फुल्की पूछपरख से मजबूती देखी गयी। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शकर 4210-4280, खोपरा गोला 390-420, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-750, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (320) 950-1000, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2300-2350, (200) 2400-2450, (250) 2700-2750

तेल- सींगदाना 1560-1580, मुम्बई 1590, राजकोट तेलिया 2480, सोया साल्वेंट 1395-1400, सोया रिफाइंड 1450-1455, कपास्या 1490-1495, धूलिया 1500, कड़ी 1500,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1525, मुम्बई पाम 1470-1480, मुम्बई सोया 1480-1485,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7800-8000, रायडा 6800-7000, सोयाबीन 6900, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6100, एवरेज 6000-6050, विशाल 5900-6000, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7300-7400, मूंग पुराना बोल्ड 7900-8100, मीडि?यम 7600-7800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8200-8300, हल्की 7700-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को विदेशी बाजारों में आयी चमक से स्थानीय सराफा बाजार में दोनों कीमती धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 243000, चाँदी (99) 242500, टंच 242200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 147800,

रुपया हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.58 पर बंद हुआ। रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 58 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.60 पर पहुंच गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए समझौता होने की घोषणा करने के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत शुरुआत और अमेरिकी डॉलर की कमजोरी ने भी रुपये को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.70 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में बढ़कर 94.60 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो इसके पिछले बंद भाव से 58 पैसे की बढ़त दिखात है। रुपया शुक्रवार को 95.18 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने से भी बाजार को बल मिला है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 736.38 अंक बढ़कर 76,264.33 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 231 अंक उछलकर 23,853.90 पर बंद हुआ। बाजार में आज चौतरफा खरीदारी हावी रही। लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 781.55 अंक तकरीबन 1.29 फीसदी बढ़कर 61,549.65 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 202.55 अंक की बढ़त के साथ ही 18,400 पर बंद हुआ। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयर शीर्ष पर रहे जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी मेटल, निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी

ऑयल एंड गैस, निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी इन्फ्रा के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी मीडिया के शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, एमएंडएम, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, टाइटन, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, आईटीसी के शेयर लाभ में थे। वहीं एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, एचयूएल, सन फार्मा, टेक महिंद्रा के शेयर गिरे हैं। आज कारोबार के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है और यह 85 डॉलर प्रति के नीचे आ गई है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में तेजी रही। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 1,100 अंकों से अधिक की छलांग लगाकर अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था जबकि निफ्टी भी 24,000 के बेहद करीब कारोबार कर रहा था। इस बंपर तेजी का मुख्य कारण अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक शुरुआती समझौते को माना जा रहा है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति में रुकावट की आशंका कम हो गई है।

नए डीजल नियमों से एमएसएमई की मुश्किलें बढ़ीं, जनरेटर चलाना मुश्किल

नई दिल्ली। एजेंसी। इंडियन फेडरेशन ऑफ इंडियन माइक्रो एंड स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (फिस्मे) ने सरकार के नए डीजल और पेट्रोल बिक्री नियमों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि खुदरा आउटलेट्स से थोक बिक्री पर प्रतिबंध से सूक्ष्म और लघु उद्योगों को अपने डीजल चालित जनरेटर सेट (डीजी सेट) चलाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा, जिससे उनके कारोबार संचालन में बाधा आ सकती है। दरअसल, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 11 जून को एक आदेश जारी किया था। इस आदेश की धारा 3(1) में कहा गया है कि संस्थागत, प्रत्यक्ष, औद्योगिक और वाणिज्यिक ग्राहकों को खुदरा आउटलेट्स से पेट्रोलियम उत्पाद नहीं खरीदने चाहिए और अपनी आवश्यकताओं को केवल अपने उपभोक्ता पंपों से प्राप्त करना चाहिए। यह कदम बड़े उद्योगों के लिए तो सुविधाजनक हो सकता है, लेकिन ज्यादातर सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए यह एक बड़ी चुनौती बन गया है। फिस्मे के एक कार्यकारी समिति सदस्य ने बताया कि यह आदेश एमएसएमई को अपने डीजी सेट के लिए हाई स्पीड डीजल (एचएसडी) खरीदने का कोई व्यवहार्य तरीका नहीं छोड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ज्यादातर सूक्ष्म और लघु इकाइयां 50 केवीए से 250 केवीए तक के छोटे डीजी सेट का उपयोग करती हैं, जिनमें केवल 100-200 लीटर क्षमता वाले एकीकृत एचएसडी टैंक होते हैं। इन इकाइयों के पास न तो अपने उपभोक्ता पंप हैं और न ही पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) से आवश्यक भंडारण टैंकों के लिए लाइसेंस। उन्होंने यह भी इंगित किया कि कुछ पेट्रोलियम कंपनियां एचएसडी की डोर-टु-डोर डिलिवरी के लिए मोबाइल डिस्पेंसर सेवा प्रदान करती हैं, लेकिन ये वाहन एक बार में 3,000 लीटर डीजल ढोते हैं।

देश में थोक मुद्रास्फीति ने पकड़ी रफ्तार, मई में 9.68 फीसदी पहुंची

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में थोक मुद्रास्फीति (थोक मूल्य सूचकांक-डब्ल्यूपीआई) मई में अप्रत्याशित रूप से बढ़कर 9.68 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 8.26 प्रतिशत थी। ईंधन और बिजली, विनिर्मित उत्पादों तथा खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज वृद्धि को इसका मुख्य कारण माना जा रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा नए आधार वर्ष 2022-23 के साथ जारी इन आंकड़ों ने अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में थोक मुद्रास्फीति मई में 9.68 प्रतिशत दर्ज की गई, जो अप्रैल के 8.26 प्रतिशत से काफी अधिक है। थोक महंगाई में यह उछाल मुख्य रूप से ईंधन और बिजली की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि के कारण हुआ, जो मई में 30.33 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि अप्रैल में यह 24.89 प्रतिशत थी। कच्चे पेट्रोलियम की महंगाई दर भी 61.51 प्रतिशत रही, जो पश्चिम एशिया संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य के संभावित अवरोध के कारण बढ़ी है, जिससे भारत का कच्चा तेल आयात प्रभावित हुआ है। खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति मई में 3.60 प्रतिशत रही, जो अप्रैल में 2.43 प्रतिशत थी। वहीं विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर भी बढ़कर 7.48 प्रतिशत हो गई। यह स्थिति न केवल थोक स्तर पर बल्कि खुदरा कीमतों पर भी दबाव डाल रही है। खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई भी मई में 3.93 प्रतिशत के 16 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि अप्रैल में यह 3.48 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तय करते समय खुदरा मुद्रास्फीति को मुख्य रूप से ध्यान में रखता है। सरकार ने महंगाई दर को 4 प्रतिशत के दायरे में रखने का लक्ष्य दिया है। इस महीने की शुरुआत में आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने मुद्रास्फीति अनुमान को 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है, जिसका मुख्य कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि और कच्चे माल की बढ़ती लागत है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके चेहरे पर मुस्कान और मन में नई उम्मीदें लेकर आ सकता है। आसपास का माहौल इतना सकारात्मक रहेगा कि आपका आत्मविश्वास खुद-ब-खुद बढ़ता महसूस होगा। कोई अच्छी खबर दिल को खुशी दे सकती है और आगे बढ़ने की नई प्रेरणा भी मिलेगी। संतान की पढ़ाई को लेकर जो चिंता थी, वह प्यार और समझदारी भरी बातचीत से काफी हद तक कम हो सकती है। सेहत को हल्के में न लें, खासकर खान-पान और नींद का ध्यान रखें।

वृषभ- आज का दिन सुकून और संतोष से भरा रहने वाला है। नौकरी या नए अवसर की तलाश कर रहे लोगों को कोई खुशखबरी मिल सकती है। पैसों के मामले में ईमानदारी और सही रास्ता चुनना आपके लिए बेहद जरूरी रहेगा, क्योंकि गलत तरीके से कमाया गया लाभ आगे परेशानी दे सकता है। किसी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करके पैसे उधार देने से बचें।

मिथुन- आज पैसों से जुड़े फैसलों में बहुत समझदारी दिखाने की जरूरत होगी। जल्दबाजी में लिया गया आर्थिक निर्णय बाद में परेशानी खड़ी कर सकता है। यात्रा या किसी मुलाकात के दौरान ऐसी जानकारी मिल सकती है, जो आगे चलकर आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। अधिकारियों का सहयोग मिलने से आत्मविश्वास मजबूत रहेगा। पुरानी गलतियों से मिली सीख आज आपको सही दिशा दिखाएगी।

कर्क- आज घर और रिश्तों में खुशियों की मिठास घुली रहेगी। वैवाहिक जीवन में प्रेम और समझदारी का सुंदर संतुलन बना रहेगा। जीवनसाथी को करियर से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है, जिससे घर का माहौल और खुशनुमा होगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह से जुड़ी रुकावट किसी करीबी की मदद से दूर हो सकती है। हालांकि हर मुस्कुराने वाले व्यक्ति पर तुरंत भरोसा करना ठीक नहीं होगा।

सिंह- आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपकी छवि और मजबूत होती नजर आएगी। लोग आपके काम और व्यवहार की सराहना करेंगे। हालांकि कोई बड़ी डील आखिरी समय में अटक सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखें, क्योंकि जल्द ही रास्ता निकल आएगा। लंबे समय से अटका काम पूरा होने से राहत महसूस होगी। सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने से नए संपर्क बनेंगे और आपकी पहचान बढ़ेगी।

कन्या- आज किस्मत आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलती दिखाई देगी। जीवनसाथी का सहयोग आपको भावनात्मक मजबूती देगा और मन को सुकून मिलेगा। संतान के भविष्य को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, लेकिन सही योजना और समझदारी से स्थिति संभल जाएगी। किसी भी विवाद से दूरी बनाए रखना आपके लिए बेहतर रहेगा।

तुला- आज अधूरे कामों को पूरा करने के लिए समय बेहद अनुकूल रहेगा। सेहत को नजरअंदाज न करें, खासकर पेट से जुड़ी समस्या परेशानी दे सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में थोड़ी मुश्किल महसूस हो सकती है, लेकिन लगातार मेहनत उन्हें सफलता दिलाएगी। पुराने लेन-देन निपटने से मन हल्का महसूस करेगा। जीवनसाथी के लिए कोई छोटा-सा सरप्राइज आपके रिश्ते में नई मिठास घोल सकता है।

वृश्चिक- आज पैसों और खर्चों को लेकर थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत होगी। बिना योजना के खर्च बढ़ सकते हैं, खासकर शौक और आराम से जुड़ी चीजों पर। घर की सजावट या नवीनीकरण का विचार भी मन में आ सकता है। माता की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, इसलिए उनका विशेष ध्यान रखें।

धनु- आज हर काम में धैर्य और समझदारी से आगे बढ़ना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। पिता की सलाह आज आपके लिए मार्गदर्शक साबित हो सकती है। संतान की खुशी के लिए कोई नई चीज खरीदने का विचार मन में आ सकता है। ऑफिस में वरिष्ठों की बातों को नजरअंदाज करना नुकसानदेह हो सकता है, इसलिए सावधानी रखें।

मकर- आज का दिन नई शुरुआत और महत्वपूर्ण फैसलों का संकेत दे रहा है। आपकी समझदारी और विवेक आपको सही दिशा में आगे बढ़ाएंगे। छोटी-छोटी जिम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें, क्योंकि वही आगे बड़ी परेशानी का कारण बन सकती हैं। पुराने मित्र से मुलाकात पुरानी यादों को ताजा कर देगी और मन खुश रहेगा।

कुंभ- आज आपका आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी। आप अपने कामों को पूरे आत्मविश्वास के साथ पूरा करेंगे। जरूरतमंद की मदद करके मन को अलग ही सुकून मिलेगा। परिवार की किसी समस्या को बातचीत और समझदारी से सुलझाने में आपकी अहम भूमिका रहेगी। संपत्ति से जुड़ा कोई अच्छा अवसर सामने आ सकता है।

मीन- आज सेहत को सबसे ऊपर रखना जरूरी होगा। छोटी-सी परेशानी को भी नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। कोई व्यक्ति मीठी बातों से आपको भ्रमित करने की कोशिश कर सकता है, इसलिए नए लोगों पर तुरंत भरोसा करने से बचें। प्रॉपर्टी या जमीन से जुड़े काम करने वालों को कोई अच्छी कानूनी या सरकारी खबर मिल सकती है। किसी से वादा करने से पहले अपनी क्षमता का सही अंदाजा जरूर लगा लें।

शब्दजाल - 8291

शब्द जाल में स्मिता पाटिल की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए, नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

हा	द	सा	ला	प	र	तू	ज	झ	क	नि
ग	ल	च	ह	रिं	मं	डै	दि	शा	को	शां
इ	पु	म	र	दा	ल	ग	र	ला	ल	त
कु	दा	रु	धा	ण	क	प	म	श	र	म
आ	श	ज्ञ	ष	क	दा	री	ज	न	ता	द
रं	क्रो	प	व	आ	र्त	स	ती	प	ह	ती
गा	ल	श	अं	प	म	प	चो	ला	व	क
बा	अ	र्थ	ला	क	छ	श	न	र	जू	क
स	थो	तें	व	च	ज	द	क्ति	जू	ली	द
र	ल	प	ति	रं	ऋ	ऐ	वें	न	रु	थे
ड	स	न	म	क	ह	रा	म	प	क	र

हादसा, मंडी, चक्र, आक्रोश, निशांत, गमन, नमक हराम, चरणदास चोर, शक्ति, अर्थ

शब्दजाल - 8290 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7235

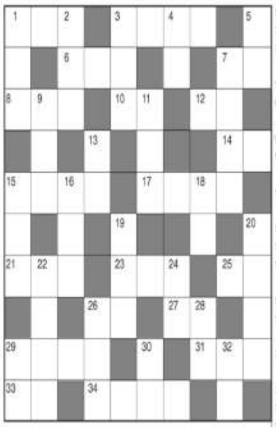

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना को 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१३. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली तबोअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना को 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या को 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बंबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शराफत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दुल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विनोद, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण को 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉम्बार भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंदई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदसानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7234

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8759

बाएँ से दाएँ

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग, दाढ़ी बनाना-4
7. बेल, लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर, परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा, लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम, यवनी-3
24. मोल, कीमत-2
25. स्वभाव, आदत-4
26. करतब, करिश्मा-4

ऊपर से नीचे

1. शमशीर, कृपाण-4
2. मां, मम्मी-3
3. नीयत, चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय, वोट-2
6. आंदोलन, संग्राम-4
11. क्षारीय, चटपटा-4
13. आशियां, नीड़-4
14. नेत्र, आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत, रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा, श्वास संबंधी रोग-2

शब्द पहेली -8758 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

16 जून को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	05.15 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कर्क	07.29 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	09.45 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.57 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.07 बजे से
शुक्र	कर्क में	वृश्चिक	16.22 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.38 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.43 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.30 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मीन	00.03 बजे से
		मेष	01.35 बजे से
		वृष	03.13 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 167 वा दिन दिशाशूल उत्तर ऋतु वर्षा। विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948 मास ज्येष्ठ पक्ष शुक्ल तिथि द्वितीया 00.53 बजे रात्र को समाप्त। नक्षत्र आर्द्रा 16.13 बजे को समाप्त। योग वृद्धि 00.35 बजे रात्र को समाप्त। करण बालव 14.40 बजे तदनन्तर कौलव 00.53 बजे रात्र को समाप्त। चन्द्रायु 0.9 घण्टे रवि क्रान्ति उत्तर 23° 20' सूर्य उत्तरायन कलि अहर्गण 1872742 जूलियन दिन 2461207.5 कलियुग संवत् 5128 कल्पारंभ संवत् 1972949128 सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128 वीरनिर्वाण संवत् 2552 हिजरी सन् 1447 महीना जिल्हेज तारीख 30 विशेष चन्द्रदर्शन, सिंधु सम्राट महाराजा दाहरसिंह शहीद दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभाला श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अद्भुत मांग

प्रख्यात संत बाबा गुलाब चंद अघोरी अपने अद्भुत चमत्कारों के लिए प्रसिद्ध थे। उनके चमत्कार देखकर लोग दांतों तले अंगुली दबा लेते थे। लोगों को लगातार चमत्कार दिखाते-दिखाते बाबा ने उनमें महारत हासिल कर ली। इससे उनमें अभिमान आ गया। उन्हें अहसास हो गया कि वह कुछ भी कर सकते हैं। वह जिन लोगों से मिलते, अपने चमत्कारों या अपनी सिद्धियों की चर्चा जरूर करते। एक दिन बाबा गुलाब चंद संत साहित्य के लेखक सुदर्शन सिंह 'चक्र' की एक कविता पढ़कर गदगद हो उठे। चक्र जी की कविता से बेहद प्रभावित होकर उन्होंने उनसे कहा, 'आज तुम जो मांगोगे वही मिलेगा। मांगो, दिल खोलकर मांगो।' बाबा की बात पर चक्र जी बोले, 'नहीं बाबा, मुझे कुछ नहीं चाहिए। बस मैं भगवान की भक्ति तथा साहित्य की साधना करता रहूं, यही मेरी आकांक्षा है।' चक्र जी के यह कहने पर भी बाबा बार-बार उनसे आग्रह करते रहे और बोले, 'आज मैं अपनी ओर से पहली बार आग्रह कर रहा हूं। नहीं मांगोगे तो बाद में पछताओगे।' यह सुनकर चक्र जी ने कहा, 'बाबा मैं जो मांगूंगा, उसे आप दे भी पाओगे या नहीं, पहले यह विचार कर लीजिए।' इस पर बाबा बोले, 'नहीं, तुम जो मांगोगे वह अवश्य मिलेगा, मैं तुमसे वादा करता हूं।' इसके बाद चक्र जी बोले, 'बाबा, तो आप यह आशीर्वाद दीजिए कि भारत में जितने रोगी हैं वे सब निरोगी हो जाएं, जो दरिद्र हैं वे दरिद्र न रहें।' चक्र जी की अद्भुत मांग सुनकर बाबा हैरान हो गए और फूट-फूट कर रोने लगे। वह चक्र जी के सामने नतमस्तक होकर बोले, 'आज तुमने मेरा अभिमान नष्ट कर दिया। आज मुझे यह पता चल गया है कि मनुष्य सभी कुछ करने की क्षमता नहीं प्राप्त कर सकता। चाहे वह कितनी ही सिद्धियां प्राप्त कर ले, वह अक्षम ही रहेगा। सर्व सक्षम तो केवल ईश्वर है।' बाबा की बात सुनकर चक्र जी वहां से चले गए।

सूडोकु नवताल- 7544

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7543 का हल

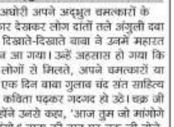

Jagrutidaur.com, Bangalore

धंसती सड़क ने फिर बढ़ाई चिंता

दहेगांव - सिंगोला पुल की एप्रोच रोड़ पर उभरी गहरी लंबी दरारें- गंभीर दुर्घटना की आशंका

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की रफ्तार तेज करने और आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र विकास योजना (एलडब्ल्यूई) के अंतर्गत लांजी-आमगांव मार्ग पर ग्राम कारंजा में छोटी बाघ नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कराया गया था। रायपुर (छत्तीसगढ़) की सुंदरानी कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा निर्मित इस परियोजना को क्षेत्र की जीवनरेखा के रूप में प्रचारित किया गया था, लेकिन निर्माण के दो वर्षों बाद ही इसकी पहुंच मार्ग सड़क की स्थिति चिंता का विषय बनती जा रही है। बरसात शुरू होने से पहले ही पुल के दोनों ओर की सड़क में दरारें और धंसाव दिखाई देने लगा है, जिससे राहगीरों में दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है। हैरानी की बात यह है कि यह समस्या पहली बार सामने नहीं आई है। पिछले वर्ष भी मानसून के दौरान पुल की पहुंच मार्ग सड़क का एक हिस्सा धंस गया था। सड़क क्षतिग्रस्त होने से लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी थी और आवागमन प्रभावित हुआ था। उस समय लोक निर्माण विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निर्माण एजेंसी को मरम्मत के निर्देश दिए थे, जिसके बाद आनन-फानन में सड़क की मरम्मत और किनारों पर सुरक्षा कार्य कराए गए थे। लेकिन एक वर्ष भी नहीं बीता कि अब सड़क के दूसरे हिस्से में लंबी और गहरी दरारें उभर आई हैं। एप्रोच सड़क पर उभर रही ये दरारें केवल सड़क में नहीं हैं, बल्कि उस निगरानी व्यवस्था में भी दिखाई दे रही हैं, जो खतरे के संकेत सामने आने के बाद भी अक्सर कार्रवाई से पहले इंतजार करना ज्यादा उचित समझती है।

पिछले साल का सबक भी भूल गए जिम्मेदार

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पिछले वर्ष हुए धंसाव के बाद पूरी पहुंच मार्ग सड़क का तकनीकी परीक्षण कराया गया होता और स्थायी समाधान निकाला गया होता, तो आज दोबारा यह स्थिति निर्मित नहीं होती। लेकिन मरम्मत केवल प्रभावित हिस्से तक सीमित रही और व्यापक जांच की जरूरत महसूस नहीं की गई। परिणामस्वरूप अब सड़क के दूसरे छोर पर भी धंसाव और दरारों के संकेत दिखाई देने लगे हैं। मौके पर देखने से स्पष्ट होता है कि पुल की संरचना सुरक्षित है, लेकिन उससे जुड़ी पहुंच मार्ग सड़क के किनारे कई स्थानों पर फटने लगे हैं। सड़क के बाहरी हिस्से में लंबी दरारें दिखाई दे रही हैं, जिससे यह आशंका बढ़ गई है कि बरसात के दौरान पानी का दबाव बढ़ने पर धंसाव और तेज हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सुधार कार्य नहीं कराया गया तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

पुल और सड़क के जोड़ पर बढ़ रही परेशानी, वाहन खा रहे हिचकोले

एक अन्य गंभीर समस्या पुल और सड़क के मिलान बिंदु पर दिखाई दे रही है। यहां सड़क का स्तर नीचे बैठने लगा है, जिसके कारण वाहन पुल पर चढ़ते और उतरते समय झटके खाने को मजबूर हैं। भारी वाहनों की आवाजाही के दौरान यह समस्या और अधिक महसूस होती है। राहगीरों का कहना है कि यह केवल असुविधा का विषय नहीं, बल्कि भविष्य में बड़े नुकसान का संकेत भी हो सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण और निगरानी की व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित दिखाई देती है। यदि समय-समय पर निरीक्षण किया जाता और निर्माण एजेंसी को रखरखाव के लिए जवाबदेह बनाया जाता, तो सड़क की यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। लोगों का कहना है कि समस्या सामने आने के बाद कार्रवाई करना आसान है, लेकिन समय रहते उसे रोकना ही असली जिम्मेदारी है।

गायब शिलालेख के पत्थर ने बढ़ाई रहस्य की परत

पुल के एक छोर पर निर्मित शिलालेख भी अब चर्चा का विषय बना हुआ है। जिस पट्टिका पर निर्माण लागत, निर्माण एजेंसी, कार्य अवधि और विभागीय जानकारी अंकित होनी चाहिए थी, वह लगाया ही नहीं गया। अब वहां से कोई जानकारी पढ़ी नहीं जा सकती। राहगीरों का कहना है कि यदि शिलालेख लगाया गया था तो उसकी जानकारी कहां गायब हो गई, और यदि नहीं लगाया गया था तो आखिर क्यों नहीं लगाया गया? ग्रामीणों और राहगीरों ने मांग की है कि लोक निर्माण विभाग तत्काल तकनीकी दल भेजकर पहुंच मार्ग सड़क की जांच कराए, धंसाव और दरारों के कारणों का पता लगाए तथा निर्माण एजेंसी से स्थायी और गुणवत्तापूर्ण सुधार कार्य कराए। लोगों का कहना है कि पिछले वर्ष की घटना के बाद भी यदि जिम्मेदार सबक नहीं लेते हैं तो भविष्य में होने वाली किसी भी दुर्घटना की जवाबदेही तय होना चाहिए।

इनका कहना है

निर्माण एजेंसी को पूर्ण भुगतान नहीं किया गया है, अभी पुल और एप्रोच सड़क की देखरेख भी कंस्ट्रक्शन कंपनी के ही जिम्मे है, आपके द्वारा मामला संज्ञान में लाया गया है, शीघ्र ही मरम्मत के लिये निर्देशित किया जाएगा।

अर्जुन सनोडिया
एसडीओ, सेतु संभाग पीडब्ल्यूडी

सर्रा पंचायत में नाली निर्माण पर विवाद - पंचों ने सरपंच पर लगाया भेदभाव का आरोप

गुणवत्ता को लेकर भी उठाए सवाल

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत सर्रा के सरपंच श्रीराम आचरे विकास कार्यों की आड़ में लगातार विवादों में घिरे हुए हैं। 15वें वित्त आयोग की टाइड मद 2026-27 के तहत दुलीचंद आचरे के मकान से परसू के मकान तक 5.36 लाख रुपये की लागत से पक्की नाली निर्माण का कार्य 28 मई 2026 से शुरू हुआ था, लेकिन अब यह कार्य 'सरपंच का व्यक्तिगत विकास' साबित हो रहा है।

सड़क से चिपकाकर नाली, पटरी गायब!

निर्माण शुरू में सीमेंट सड़क से 2-3 फीट पटरी छोड़कर हो रहा था, लेकिन जैसे ही तिराहे पर पहुंचा, सरपंच ने अचानक नियम बदल दिया।

सड़क से बिल्कुल चिपकाकर नाली बनाई जाने लगी। ग्रामीणों और वार्ड पंचों का आरोप है कि सरपंच अपनी बाड़ी की जमीन को चौड़ा करने के लिए जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं। वार्ड पंच सुरजेलाल पांचे, चैनसिंग पंद्रे और ताराबाई ने खुलकर कहा- जहां खाली जमीन है, वहां तीन फीट पटरी छोड़कर नाली बनानी चाहिए। लेकिन सरपंच अपने मकान के पास पटरी छोड़ने को तैयार नहीं हैं। साफ है कि अपनी सुविधा के लिए जनता के पैसों से नाली नहीं, अपनी बाड़ी बना रहे हैं। सरपंच श्रीराम आचरे ने कहा कि पूरे गांव में आबादी है, दोनों तरफ जगह छोड़ने से विवाद होता है। फिर भी मैं अपनी तरफ से एक फीट जगह छोड़ने को तैयार हूं।

गुणवत्ता की कमी

नाली निर्माण का काम स्वयं सरपंच के देखरेख में चल रहा है, जिसमें गुणवत्ता की गंभीर कमी दिख रही है। नाली का सतह (सर्फेस) असमान है। कांक्रीट वाल में बीच-बीच में ईंटें लगाई गई है जो स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। दीवारों पर तराई ठीक से नहीं होने के कारण पहले ही क्रैक (दरारें) आने लगी हैं। नीचे उचित बेस न डाले जाने से नाली जल्द खराब होने की आशंका है।

नल जल योजना की पाइपलाइन भी बर्बाद

सबसे गंभीर लापरवाही जेसीबी मशीन से खुदाई के दौरान हुई। सरपंच ने यह ध्यान तक नहीं रखा कि नीचे नल जल योजना की पाइपलाइन बिछी हुई है। ग्राम में नल जल योजना अभी शुरू भी नहीं हुई है, लेकिन पाइपलाइन की लंबी दूरी तक खुदाई कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया गया। ग्रामीणों में आक्रोश है कि विकास के नाम पर पैसा खर्च हो रहा है, लेकिन काम न तो गुणवत्तापूर्ण है और न ही नियमों के अनुसार। सरपंच अपनी सुविधा के हिसाब से नियम बदल रहा हैं। पंचों एवं ग्रामीणों ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से निर्माण कार्य की जांच कर नाली का निर्माण मानकों के अनुसार पूरा किये जाने की मांग की है।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान के तहत हुआ कार्यकर्ता सम्मेलन

गुंगी बहरी सरकार को जगाने सड़क से लेकर सदन तक करना होगा आंदोलन - हिना कावरे

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संगठनात्मक विस्तार और कार्यकर्ताओं को सक्रिय रूप से जोड़ने के उद्देश्य से 15 जून 2026 को कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन नगर के सिद्धेश्वर मंगल भवन में दोपहर 12 बजे से आयोजित किया गया। बतादे कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के द्वारा चलाये जा रहे संगठन सृजन अभियान के तहत यह कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया है जिसमें कांग्रेस की पंचायत स्तर पर कमेटी गठित कर पदाधिकारियों को सक्रियता प्रदान करने के लिये तथा कांग्रेस को बूथ स्तर पर मजबूती प्रदान करने के लिये नियुक्त किया गया है। इस सम्मेलन में इन नव नियुक्त पदाधिकारियों को जिलाध्यक्ष के हस्ते नियुक्त प्रदान किया गया। आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में मंचासीन सुश्री हिना कावरे राष्ट्रीय सचिव अ.भा. कांग्रेस कमेटी पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष मप्र, संजय उइके अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट, शाहजहां बेग, सफखत खान संगठन मंत्री जिला कांग्रेस कमेटी, देवेंद्र खोंगल उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी, अर्चना खोंगल अध्यक्ष जनपद पंचायत, अजय अवसरे उपाध्यक्ष जनपद पंचायत, ज्योति उमरे जिला पंचायत सदस्य, मनीष भिमटे सचिव जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट, युसूफ पटेल अध्यक्ष ब्लाक कांग्रेस कमेटी किरनापुर, रेवाजी कराहटकरे अध्यक्ष लांजी, ऋषि पटेल दशरिया अध्यक्ष बहेला, प्रमोद अग्रवाल, सौरभ मोनू पशीने शहर कांग्रेस अध्यक्ष, मनीष जूझार विधानसभा अध्यक्ष, ललीत कबीरे सरपंच संघ अध्यक्ष, खेमचंद दानी, जनपद सदस्य दिनेश लाड़े, ओंकार बाबा रहांगडाले, मनीषा धारणे जिला महासचिव, पार्षद पूनम आसटकर, चेतना कुर्राहे, मीरा सिंघनधुपे, अलका श्रीवास्तव, अनुसया जोशी, रीता रावते, अफसाना अंसारी, हिम्मतलाल गढ़वंशी, रूपचंद रावते, अनिल गिरिया, मुकेश जोशी, डॉ राजेन्द्र बिसेन, प्रेमलाल हाथीमारे, अनमोल तिड?, शरद आसटकर, अमन श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिती में महात्मा गांधी जी एवं डॉ बाबा साहेब आंबेडकर जी के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मंच को संबोधित करते हुये जिला अध्यक्ष संजय उइके ने कहा कि आज देश में लोकतांत्रिक मूल्य खतरे मे है केन्द्र एवं राज्य की सरकार चुने हुये जनप्रतिनिधियों को जनप्रतिनिधि नही समझती है। इसी कड़ी मे वर्तमान समय में राज्य सभा सांसद पद के लिये मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होना लोकतांत्रिक परंपरा विपरित बताते हुये कांग्रेस विधायक दल द्वारा दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के बहार किये गये संघर्ष का विवरण किया। वहीं आगामी समय के लिये सभी कार्यकर्ता आंदोलन के लिये तैयार रहे सड? से लेकर सदन तक आंदोलन किये जायेंगे। इसी कड़ी में कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री हिना कावरे के द्वारा कहा गया कि आज संपूर्ण भारत वर्ष में लोकतांत्रिक व्यवस्था खतरे मे है देश में चुनावी प्रक्रिया पूर्णतः अलोकतांत्रित हो रही है। कही पर भी चुनाव आयोग के द्वारा विपक्ष के प्रत्याशी को किसी भी प्रकार से परेशान करने मे कोई कसर नही छोड रहा है। क्षेत्र के मुद्दों को लेकर कहा कि आज लांजी विधानसभा क्षेत्र में भ्रष्टाचार एवं कमीशन खोरी चरम सीमा पर है। सर्वाधि भ्रष्टाचार स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग में दिखाई दे रहा है। क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर विधायक को भी जमकर आड़े हाथो लिया जिसमें प्रमुख रूप शासकीय निर्माण कार्यों में अवरोध उत्पन्न हो रहा है। रेत की सर्वाधिक कमी के चलते सभी निर्माण कार्य रूके हुये जिस पर विधायक को ध्यान देना चाहिये लेकिन वे समाधान करने में पूर्णतः असफल नजर आ रहे हैं। उन्होने यह भी कहा कि मजदूरो को रोजगार ना मिल पाना चिंता का विषय है। सरकार के द्वारा मनरेगा को खत्म कर नया कानून लाया गया उस पर भी मजदूरो को अभी तक एक भी दिन का कार्य नही मिला है आगामी समय में जब कांग्रेस सत्ता पर आयेगी तो मनरेगा योजना दोबारा प्रारंभ किया जायेगा। लाडली बहना योजना से वंचित लाभार्थि बहनो को सड? पर आकर अपनी मांग या अपना पक्ष शासन के सामने रखना चाहिये पूरी कांग्रेस पार्टी आपके साथ है। इसके संगठन सृजन अभियान को लेकर भी कार्यकर्ताओ में जोश भरा गया तथा सभी वक्ताओं मंच से मुखर होकर आंदोलन किये जाने की बात कही, हमे अब सड?ा पर उतरकर इस गुंगी बहरी सरकार को चेताना होगा। मंच को प्रमुख रूप देवेन्द्र खोंगल,अजय अवसरे, ऋषि पटेल दशरिया, रेवाजी करहाटकरे, ज्योति ईश्वर उमरे, शाहजहां बेग, ललित कबीरे, यूसूफ पटेल, शफकत खान, मनीष भिमटे, अनील गिरीया, ओंकार रहांगडाले के द्वारा संबोधित किया गया। मंच संचालन शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ मोनू पशीने के द्वारा किया गया। मंच के अंतिम दौर में कांग्रेस की विचार धारा को जन जन तक पंहुचाने के साथ ही ग्राम स्तर कांग्रेस का मजबूत करने का संकल्प लिया गया। अंत में सभी नव नियुक्त पदाधिकारियो को नियुक्त पत्र प्रदान कर बधाई प्रेषित की तथा सभी पदाधिकारियों ने पार्टी हित में कार्य करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव जो कि संगठन सृजन अभियान के जिला प्रभारी थी सूरज हेगड़े जिनका कुछ दिनो पूर्व ही स्वर्गवास हुआ था सभी कांग्रेसजनों ने मिलकर भावपूर्ण श्रृद्धांजलि अर्पित कर दो मीनट का मौन धारण किया जाकर श्रृद्धा सुमन अर्पित किये गये।

नेवरवाही में दाल प्रसंस्करण केंद्र का शुभारंभः महिलाओं को मिला आत्मनिर्भर बनने का नया अवसर

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम पंचायत नेवरवाही में 15 जून को आजीविका सेवा केंद्र के अंतर्गत स्थापित दाल प्रसंस्करण केंद्र का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में नेवरवाही और आसपास के कई ग्राम संगठनों के पदाधिकारी, समूह सदस्य तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालाघाट अभिषेक सराफ के निर्देशन और जिला परियोजना प्रबंधक सुश्री श?वेता मेहतो के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। लांजी क्षेत्र से आजीविका मिशन के राजाराम परते ने बताया कि एकीकृत कृषि क्लस्टर के अंतर्गत आजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने जैविक कीटनाशक दवाइयों का निर्माण व विक्रय, धान बीज की बिक्री, वर्मी कंपोस्ट तथा गुड़ की खरीदी-विक्री जैसी गतिविधियाँ शुरू कीं, जिससे समूह आर्थिक रूप से सशक्त हुआ। परते ने कहा कि इन मेहनती महिलाओं (दीदियों) की मजबूत इच्छाशक्ति ने उन्हें नए मुकाम तक पहुंचाया है। कार्यक्रम में लांजी क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे ने मिनी दाल मिल, मसाला चक्की व आटा चक्की का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की इच्छानुसार आजीविका समूह की दीदियां लखपति बन रही हैं और उनकी उन्नति देखकर पूरा विश्वास है कि वे भविष्य में करोड़पति भी बनेंगी। उन्होंने समूह की गतिविधियों पर नजर रखने तथा प्रेरणा देने के लिए प्रधानमंत्री की मन की बात जैसी पहल को सुनने का आग्रह किया और ग्राम पंचायत भवन में टेलीविजन रखने की भी चर्चा की। सरपंच नेवरवाही झामेंद्र टिकेश्वर ने कहा कि आजीविका मिशन ने गांव की महिलाओं को नई राह दी है। पहले वे केवल घर और खेत के काम तक सीमित थीं, लेकिन अब स्वयं बैंक जाकर लेन-देन कर रही हैं और समूह के माध्यम से खरीद-फरोख्त कर आर्थिक निर्णय ले रही हैं। उन्होंने बताया कि नई गतिविधियों के तहत समूह मिलकर खरीद-बिक्री करेगा और दाल तैयार कर बाजार में बेचेगा। स्थानीय महिला हसीना वाहने ने बताया कि वह दाल, चना व गुड़ खरीदकर बेचती हैं तथा जैविक दवाइयां, केचुआ खाद और एजोला का भी उत्पादन करती हैं। दाल प्रसंस्करण केंद्र से करीब 12 दीदियों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला है। कार्यक्रम में आलोक चौरसिया, देवेश एडे, सचिन अग्रवाल, गौरव बैस, सूरजदीन गुप्ता, ग्राम पंचायत सचिव ऋषि मस्करे, ग्राम नोडल सुनीता चत्रे, विषय नोडल अतीत फूलमारी, सीएलएफ की पूर्व अध्यक्ष ममता दांदरे, वर्तमान अध्यक्ष कविता कोसरे, सचिव अखतरी शेख, मैनेजर रविता साबले, लेखापाल कविता कचलाहे, कंप्यूटर ऑपरेटर निशा उईके, सहयोगी मनीषा बागड़े, बैंक सखी रूप लता कचलाहे, विकास आजीविका ग्राम संगठन से मीना चचाने, इंडिया आजीविका ग्राम संगठन से राजवंती देवाहे सहित समस्त ग्राम संगठनों के पदाधिकारी, समूह सदस्य व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

हाईकमान नाराज, एमपी कांग्रेस में एक्शन की तैयारी

- मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने पर घमासान

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस में एक बार फिर अंदरूनी कलह और गुटबाजी खुलकर सामने आ गई है। पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद से पार्टी के भीतर भूचाल मचा हुआ है। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर जहां एक तरफ दिल्ली दरबार (हाईकमान) प्रदेश नेतृत्व से सख्त नाराज बताया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश संगठन अब सोशल मीडिया पर अपनी ही पार्टी को घेरने वाले नेताओं पर बड़ी कार्रवाई करने के मूड में है।

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज होने के बाद से कई कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सीधे तौर पर प्रदेश नेतृत्व की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। फेसबुक, एक्स (ट्विटर) और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगातार लिखे जा रहे पोस्ट को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी लाइन से बाहर जाकर सार्वजनिक रूप से असंतोष जाहिर करने वाले और वरिष्ठ नेताओं पर उंगली उठाने वाले नेताओं की एक सूची तैयार की जा रही है। संगठन ऐसे लोगों के खिलाफ जल्द ही कड़ा अनुशासनात्मक एक्शन लेने की तैयारी में है।

कमजोर समन्वय और कानूनी राय न लेने पर उठे सवाल

इस पूरे एपिसोड ने मध्य प्रदेश कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के बीच समन्वय की कमी को उजागर कर दिया है। बताया जा रहा है कि नामांकन दाखिल करने के करीब चार दिन पहले ही उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी गई थी, इसके बावजूद पार्टी के जिम्मेदार पदाधिकारियों ने इस पर किसी विधि विशेषज्ञ से राय नहीं ली। इसी लापरवाही का नतीजा रहा कि तकनीकी कमियों के चलते नामांकन रद्द हो गया, जिससे पार्टी को ऐन वक्त पर एक मजबूत सीट पर बड़ा झटका लगा है।

मौजूदा नेतृत्व से हाईकमान नाराज, होगी समीक्षा

सूत्रों की मानें तो इस बड़ी चूक को लेकर कांग्रेस आलाकमान बेहद गंभीर है। दिल्ली नेतृत्व ने मौजूदा प्रदेश टीम की कार्यशैली पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है, जिसमें जीतू पटवारी (पीसीसी चीफ), हरीश चौधरी (प्रदेश प्रभारी), उमंग सिंघार (नेता प्रतिपक्ष) शामिल हैं। हाईकमान ने इस पूरे घटनाक्रम की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मीनाक्षी नटराजन के नामांकन रद्द होने के पूरे घटनाक्रम की सिलसिलेवार समीक्षा (ऋद्द1द्वद्द2) की जाएगी और यह तय किया जाएगा कि इस बड़ी लापरवाही के लिए असल में कौन जिम्मेदार है। आने वाले दिनों में कांग्रेस के भीतर सांगठनिक स्तर पर इसके बड़े साइड इफेक्ट्स देखने को मिल सकते हैं।

अंतरराज्यीय चेन स्नैचिंग गिरोह एवं ट्रेन चोरी के शातिर आरोपी गिरफ्तार

देवास पुलिस ने 7 सदस्यीय अंतर्राज्यीय गिरोह पकड़ा, 50 लाख रुपये की संपत्ति जब्त

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस ने संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए देवास और इटारसी में दो महत्त्वपूर्ण मामलों का खुलासा किया है। देवास पुलिस ने अंतर्राज्यीय चेन स्नैचिंग गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार कर लगभग 50 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है, जबकि जीआरपी इटारसी ने ट्रेन में चोरी करने वाले शातिर आरोपी को पकड़कर 8.52 लाख रुपये का माल बरामद किया है।

देवास में 10 जून को श्रीमद्भागवत कथा के दौरान एक महिला की सोने की चैन चोरी होने की शिकायत के बाद पुलिस ने ऑपरेशन 'त्रिनेत्रम' के तहत जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने तीन दिनों के भीतर गिरोह के सभी सात सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। गिरोह में चार महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। आरोपियों ने पिछले 15 दिनों में आगरा, ग्वालियर, शिवपुरी, भेड़ाघाट और देवास में नौ चेन चोरी की वारदातों को अंजाम दिया था। पुलिस ने 156 ग्राम सोने की नौ चैनें, एक टाटा हेक्सा कार, छह मोबाइल फोन और नकदी सहित करीब 50 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की।

वहीं, जीआरपी इटारसी ने राजधानी एक्सप्रेस में हुई चोरी के मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से 54.3 ग्राम सोने का मंगलसूत्र, मोबाइल फोन, सैमसंग टैबलेट सहित 8.52 लाख रुपये मूल्य का सामान बरामद किया गया। पुलिस ने नागरिकों से सार्वजनिक स्थलों और रेल यात्राओं के दौरान सतर्क रहने की अपील की है।

केन्द्र सरकार के आदेश की आड़ में पंप संचालकों ने हाथ खड़े किए

भोपाल। केन्द्र सरकार के बल्क में डीजल बेचने के प्रतिबंध के बाद अब उन किसानों के सामने समस्या खड़ी हो गई है, जो ट्रैक्टर के लिए इकट्ठा डीजल लेते थे, लेकिन कार्रवाई के चलते पंप संचालकों ने इस पर रोक लगा दी है। अब किसानों के सामने समस्या है कि वे पंप तक ट्रैक्टर को ले जाकर उसमें डीजल डलवाएं, ऐसे में जबकि पंपों से कई किलोमीटर दूर उनके खेत और घर हैं।

दरअसल इन दिनों खेतों को बखेरने के लिए बड़े पैमाने पर ट्रैक्टर चल रहे हैं और बारिश के पहले बोवनी भी होना है, लेकिन 12 जून को केन्द्र सरकार ने एक आदेश जारी किया है, जिसमें बल्क में किसी को भी डीजल की बिक्री नहीं करने को कहा गया है, न ही किसी कंटेनर या ड्रम में डीजल देने के लिए कोई छूट दी है। हालांकि ये नियम बड़ी फैक्ट्री और अन्य कारखानों पर लागू होता है, लेकिन इससे किसान भी परेशान होने लगे हैं। किसानों के सामने नई समस्या आ गई है कि पंप संचालक उन्हें कैन या ड्रम में डीजल नहीं दे रहे हैं। पिछले दिनों महिदपुर और महू में डीजल न देने की बात पर विवाद भी हो चुके हैं। किसानों का कहना हेकि अगर उन्हें ट्रैक्टर के लिए डीजल चाहिए तो उन्हें पंप पर ट्रैक्टर को लेकर आना अनिवार्य किया जा रहा है। ऐसे में जब ट्रैक्टर बहुत ही कम एवरेज देता है और खेतों से कई किलोमीटर दूर पंप है तो वहां तक कैसे जाया जा सकता है। आने-जाने में ही किसान का समय और पैसा बर्बाद हो जाएगा। किसानों ने मांग की है कि कृषि कार्यों के लिए तो सरकार कम से कम डीजल देने की बात माने और उसके लिए भले ही एक सीमा निर्धारित कर दे कि वे 25 या 30 लीटर डीजल दे सकेंगे।

मध्य प्रदेश में 3 दिनों में रफ्तार पकड़ेगा मानसून

- आगामी 4 से 5 दिनों में देश के कई हिस्सों में मानसून की संभावना

भोपाल । मध्य प्रदेश में प्री मानसून गतिविधियों की वजह से लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 3 दिनों तक कई स्थानों की बारिश की वजह से तापमान में राहत मिलेगी, लेकिन इसके बाद एक बार फिर लोगों को फिर बढ़ते हुए तापमान का सामना करना होगा। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून लगातार धीरे-धीरे बढ़ने की परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं।

मानसून की उत्तरी सीमा लगातार हरनाई, सोलापुर, हैदराबाद, पुरुलिया, धनबाद मुजफ्फरपुर से होकर गुजर रही है और आगामी 4 से 5 दिनों में यह महाराष्ट्र के कुछ और हिस्सों, कर्नाटक के बाकी हिस्सों जैसे तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार के कुछ हिस्सों और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में दक्षिण पश्चिम की तरफ बढ़ने की संभावना है। इसकी वजह से मध्य प्रदेश में अगले 3 दिनों तक प्रदेश में कई स्थानों पर मौसम अनुकूल बना रहेगा।

आने वाले दिनों में मानसून पकड़ेगा रफ्तार

मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा के मुताबिक मानसून के लगातार आगे बढ़ने की परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। एक जून से बारिश की स्थिति देखें तो राज्य में 14 जून तक औसत से 23 फीसदी कम बारिश हुई है। इसमें पूर्वी मध्य प्रदेश में औसत से 47 फीसदी और पश्चिमी मध्य प्रदेश में औसत से 6 फीसदी कम बारिश हुई है। हालांकि अभी मानसून की शुरूआत है और उम्मीद है कि आने वाले दिनों में मानसून अपनी रफ्तार से आगे बढ़ेगा और प्रदेश में अच्छी बारिश होगी।

पांच माह से नहीं बढ़ा सात लाख से अधिक कर्मचारियों का डीए

- संगठनों ने राज्य कर्मचारियों को भी बढ़ा हुआ डीए देने की मांग की

भोपाल । प्रदेश के सात लाख से अधिक कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) पिछले पांच माह से नहीं बढ़ाया गया है। भारत सरकार ने एक जनवरी से दो प्रतिशत की वृद्धि के साथ अपने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 60 प्रतिशत कर दिया है। इसका लाभ प्रदेश संवर्ग के अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को तो दे दिया गया, लेकिन राज्य के कर्मचारियों को अभी भी 58 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा है।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी का कहना है कि महंगाई का सामना करने के लिए ही महंगाई भत्ता और महंगाई राहत दी जाती है। अप्रैल में गैस के दाम 60 रुपये बढ़े हैं। वहीं मई 2026 में चार बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने के साथ खाद्य पदार्थों की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। इससे कर्मचारियों का घरेलू बजट प्रभावित हुआ है।

सरकार को इस संबंध में जल्द निर्णय लेना चाहिए

उधर, मंत्रालयीन अधिकारी-कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि जब यह सैद्धांतिक निर्णय हो चुका है कि भारत सरकार जिस तिथि से महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में वृद्धि करेगी, उसी तिथि से उसका लाभ दिया जाएगा, तो इसमें अनावश्यक विलंब का कोई औचित्य नहीं है। सरकार को इस संबंध में जल्द निर्णय लेना चाहिए।

अब रुकेगा मानव-हाथी संघर्ष!

वनकर्मियों ने प. बंगाल में सीखी हाथी प्रबंधन की आधुनिक तकनीकें

भोपाल । बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में जंगली हाथियों की बढ़ती मौजूदगी और उनसे जुड़े मानव-हाथी संघर्ष की चुनौतियों के बीच वन विभाग ने प्रबंधन को और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश वन विभाग के 30 वन कर्मियों ने पश्चिम बंगाल में आयोजित छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर जंगली हाथी प्रबंधन एवं मानव-हाथी द्वंद्व रोकथाम की आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का प्रतिनिधित्व वन रक्षक लवकेश प्रसाद कुशवाहा, धीरेंद्र शुक्ल, कैलाश चौधरी, लवकेश गुप्ता एवं रवि कुमार वर्मा ने किया। सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के दौरान हाथियों के व्यवहार, उनके प्रबंधन और संघर्ष की परिस्थितियों से निपटने के विभिन्न पहलुओं का गहन अध्ययन किया। उत्तरी पश्चिम बंगाल देश के उन क्षेत्रों में शामिल है, जहां मानव-हाथी संघर्ष लंबे समय से एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। ऐसे में वहां विकसित की गई प्रबंधन प्रणालियां और तकनीकें देशभर के वन विभागों के लिए उपयोगी मानी जाती हैं। प्रशिक्षण के दौरान वन कर्मियों को हाथियों को आबादी वाले क्षेत्रों से सुरक्षित रूप से जंगल की ओर वापस भेजने के ऑपरेशन, ट्रांसेक्ट सर्वे, गोबर विश्लेषण के माध्यम से मॉनिटरिंग, हाथियों के व्यवहार की पहचान, कैम्प हाथियों के प्रबंधन और उनकी शारीरिक संरचना के आधार पर प्रोफाइलिंग जैसी महत्वपूर्ण विधियों का प्रायोगिक अनुभव दिया गया।

प्रशिक्षण की एक विशेष उपलब्धि यह रही कि प्रतिभागियों को गोरुमारा, कर्सिओंग, बैकुंठपुर और जलपाईगुड़ी वन मंडलों के आईएफएस अधिकारियों, वन अमले, वाइल्डलाइफ स्क्वाड, क्विक रिस्पॉन्स टीम और स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ सीधे संवाद का अवसर मिला। इस दौरान मानव-हाथी संघर्ष की स्थिति में कानून व्यवस्था बनाए रखने, स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा आपात परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

गौरतलब है कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पिछले लगभग आठ वर्षों से जंगली हाथियों का नियमित विचरण बना हुआ है। अब यह क्षेत्र हाथियों के लिए एक स्थायी आवास के रूप में विकसित हो चुका है, जो यहां के स्वस्थ पारिस्थितिकीय तंत्र का संकेत माना जाता है। हालांकि हाथियों की बढ़ती गतिविधियों के कारण रिजर्व से लगे गांवों में फसल नुकसान और मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है।

वन विभाग का मानना है कि इस अंतरराज्यीय प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभव और तकनीकी ज्ञान भविष्य में बांधवगढ़ क्षेत्र में हाथियों के बेहतर प्रबंधन, ग्रामीणों की सुरक्षा तथा मानव-हाथी संघर्ष को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे वन्यजीव संरक्षण और स्थानीय समुदायों के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में भी सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है।

भोपाल में चयनित शिक्षकों का बड़ा आंदोलन

- जनजाति कार्य विभाग से डीपीआई तक निकाली दंडवत यात्रा, पद वृद्धि की मांग

भोपाल । मध्य प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके अभ्यर्थियों का गुस्सा अब सड़कों पर फूट पड़ा है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से राजधानी भोपाल पहुंचे वर्ग-2 और वर्ग-3 के शिक्षक अभ्यर्थियों ने अपनी मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। अपनी पीड़ा सरकार तक पहुंचाने के लिए अभ्यर्थियों ने जनजाति कार्य विभाग से लेकर लोक शिक्षण संचालनालय तक दंडवत यात्रा निकालकर अनोखा प्रदर्शन किया।

आंदोलन कर रहे चयनित अभ्यर्थियों ने सरकार के सामने मुख्य रूप से दो मांगें रखी हैं। वर्ग 2 रिक्त पदों को भरने के लिए कम से कम 10,000 पदों की बढ़ोतरी की जाए। वर्ग 3 प्राथमिक शिक्षकों के लिए 25,000 पद वृद्धि की मांग की जा रही है। अभ्यर्थियों का तर्क है कि मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग और जनजाति कार्य विभाग में इस समय करीब 1 लाख 25 हजार पद खाली पड़े हैं, इसके बावजूद युवाओं को नियुक्तियों के लिए भटकना पड़ रहा है।

2023 से अटका है भविष्य, नहीं मिला स्कूल एलॉटमेंट

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वर्ष 2023 में शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें प्रदेश भर से लगभग पौने दो लाख (1.75 लाख) अभ्यर्थी शामिल हुए थे। लंबी प्रक्रिया के बाद सरकार ने महज 10,700 पदों पर भर्ती निकाली थी। हैरानी की बात यह है कि परीक्षा पास करने और नाम चयन सूची में आने के बावजूद इन पदों पर भी फिलहाल अब तक जॉइनिंग नहीं हो सकी है। स्कूल एलॉटमेंट न होने के कारण चयनित अभ्यर्थी केवल दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

विभाग के बाहर भारी प्रदर्शन

अपनी सुस्त रफ्तार और उदासीनता को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहने वाले जनजाति कार्य विभाग के बाहर अभ्यर्थियों ने जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में शामिल युवाओं का कहना है कि जब तक सरकार पद वृद्धि और तुरंत नियुक्ति को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाती, उनका यह संघर्ष जारी रहेगा। इस आंदोलन ने एक बार फिर प्रदेश की लचर शिक्षक भर्ती प्रक्रिया और युवाओं के रोजगार के मुद्दे को गरमा दिया है।

पीएफआई से जुड़े फराज को आंतकियो ने दिया था नया नाम, तीन संदिग्ध गिरफ्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने देश विरोधी गतिविधियों और संदिग्ध आतंकी नेटवर्क के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक और बड़ी कार्रवाई की है। एमपी एटीएस ने राजस्थान के अलवर जिले से शाकिर मेव और यूपी सहारनपुर से नईम अब्दुल्ला शेख नामक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। एटीएस के अनुसार आरोपी प्रतिबंधित संगठन पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) और अन्य संदिग्ध आतंकी संगठनों के संपर्क में थे। पिछले तीन दिनों के अंदर एटीएस द्वारा की गई यह तीसरी और महत्वपूर्ण गिरफ्तारी बताई जा रही है।

- फराज को पाकिस्तान ने दिया था नया नाम

इस मामले में भोपाल से सबसे पहले पकड़े गए मोहम्मद फराज के मामले में आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। एटीएस की जांच में लगातार आरोपियों की देश विरोधी साजिशों के तार सामने आए हैं। एटीएस की पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ है कि फराज पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के सीधे संपर्क में रहकर अशांति फैलाने की तैयारी में था। सबसे गंभीर खुलासा यह है कि उसे पाकिस्तान से शहीद खालिद सैफुल्लाह का नाम दिया गया था। जिससे वह उसी तर्ज पर जिहादी गतिविधियों को अंजाम दे सके।

- राजस्थान के अलवर से शाकिर मेव को पकड़ा

एमपी एटीएस को खुफिया इनपुट मिले थे, कि राजस्थान के अलवर जिले से शाकिर मेव नामक युवक देश विरोधी गतिविधियों में शामिल है। इसी आधार पर पर राजस्थान के अलवर जिले के टप्पुकरा थाना क्षेत्र में दबिश देकर शाकिर मेव को हिरासत में लिया गया। जांच एजेंसियों का दावा है कि आरोपी नेटवर्क के संचालन और योजनाओं के ब्लूप्रिंट और रूपरेखा तैयार करने की मुख्य भूमिका निभा रहा था। इसी कारण उसे संगठन का सेकंड कमांडर माना जा रहा है। वहीं यूपी से गिरफ्तार नईम अबदुल्ला कुरैशी ने कथित तौर पर भोपाल से पकड़े गए संदिग्ध फराज को टेरर मॉड्यूल में शामिल कराया था।

इससे पहले भी भिवाड़ी सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर रहा है। 23 अगस्त 2024 को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भिवाड़ी के चौपानकी थाना क्षेत्र के सारेकला जंगलों में कथित हथियार प्रशिक्षण शिविर का खुलासा करते हुए अलकायदा मॉड्यूल से जुड़े छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था। तो वहीं टपूकड़ा में भी इस तरह की कार्रवाई की गई थी। जिसमें एक युवक पाकिस्तान को खुफिया जानकारी दे रहा था।

- भोपाल से पकड़े गए संदिग्ध आतंकी से मिली थी जानकारी

एटीएस के मुताबिक यह गिरफ्तारी हाल ही में पुराने भोपाल के काजी कैम्प इलाके से पकड़े गए संदिग्ध मोहम्मद फराज से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर की गई है। जांच में सामने आया है कि शाकिर मेव और मोहम्मद फराज के बीच लगातार संपर्क था और दोनों एक-दूसरे के सहयोगी के रूप में काम कर रहे थे।

काली कमाई का गोल्डन खेल

- अपराधियों और साइबर ठगों की पहली पसंद बना सोना, पुलिस को उलझा रहा निवेश का नया ट्रेंड

भोपाल । एक तरफ जहां आसमान छूती कीमतों के कारण अब सोना अब आम आदमी से दूर होता जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ यह अपराधियों और साइबर ठगों के लिए निवेश का सबसे पसंदीदा और सुरक्षित विकल्प बनकर उभरा है। अपराधियों की काली कमाई का गोल्डन खेल पुलिस को भी उलझा रहा है। कानून की गिरफ्त से बचने और अपनी काली कमाई को ठिकाने लगाने के लिए शातिर बदमाशों ने अब सोने को अपना नया हथियार बना लिया है। हाल ही में ऐसे कई मामले सामने आए, जिनमें साइबर ठगी के जरिये दूसरों से ठगे रुपये से सोना खरीदकर दोबारा ठगी की गई और लूट-चोरी के गहनों पर बदमाशों ने बैंक से कर्ज निकाल लिया।

साइबर ठगी का धन सीधे सोने में निवेश

साइबर ठग अब बैंक खातों में रुपया रखने की बजाय उसे तुरंत सोने में बदल रहे हैं। आनलाइन धोखाधड़ी या डिजिटल अरेस्ट जैसे अपराधों की काली कमाई अलग-अलग म्यूल खातों से होते हुए सीधे सराफा बाजार पहुंच रही है। अपराधी बिना किसी देरी के भारी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं, क्योंकि इसे ट्रैक करना और जब्त करना नकदी या बैंक में जमा राशि की तुलना में काफी मुश्किल होता है।

चोरी-लूट के सोने पर आसानी से मिल रहा कर्ज

चौंकाने वाला एक और पहलू यह है कि चोरी, लूट और झपटमारी करने वाले गिरोह अब चुराए गए गहनों को सस्ते दामों पर बेचने का जोखिम नहीं उठा रहे हैं। पहले सुनारों पर बेचते थे, इससे कम दाम मिलता था। कई बार मुखबिर से पुलिस तक सूचना पहुंचने का डर रहता था। इसके बजाय अब इन गहनों को अलग-अलग फाइनेंस कंपनियों या बैंकों में गिरवी रखकर गोल्ड लोन ले रहे हैं। इस तरह उन्हें नकद रुपया मिल जाता है। सोने के दाम भी अच्छे मिलते हैं।

16 जून से खुलेंगे स्कूल, 'स्कूल चलें हम' अभियान के साथ नए सत्र की शुरुआत

भोपाल। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद मंगलवार, 16 जून से प्रदेश के सभी शासकीय और सांदीपनि विद्यालयों में नया शैक्षणिक सत्र शुरू होगा। लंबे अवकाश के बाद स्कूलों में फिर से रौनक लौटेगी और विद्यार्थी अपने मित्रों व शिक्षकों से मिलकर नए उत्साह के साथ पढ़ाई की शुरुआत करेंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल चलें हम अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत 16 से 30 जून तक शाला प्रारंभ उत्सव आयोजित किया जाएगा। इस दौरान प्री-प्राइमरी से कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए बाल सभा, स्वागत कार्यक्रम और पहले दिन विशेष भोज का आयोजन किया जाएगा। विभाग ने नए सत्र में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए ड्रॉपआउट विद्यार्थियों की पहचान कर उनकी सूची संबंधित अधिकारियों और शिक्षकों को उपलब्ध कराई गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और सभी पात्र बच्चों का स्कूलों में प्रवेश सुनिश्चित किया जाए।

सीएम मोहन यादव मप्र बोर्ड की स्टेट टॉपर से मिले - कहा- चांदनी का घर बनवाएंगे

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को भोपाल के भीमनगर स्लम एरिया में लोगों से जनसंवाद किया। इस दौरान सीएम ने एमपी बोर्ड में स्टेट टॉपर रहीं चांदनी विश्वकर्मा से भी मुलाकात की। चांदनी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने आगे पढ़ाई में सहयोग करने का भरोसा दिया है। चांदनी अपने परिवार के साथ भीमनगर के स्लम एरिया में एक कमरे के कच्चे मकान में रहती हैं। सीएम ने उन्हें नया घर बनवाने या पुराने घर की सही से मरम्मत करवाने के लिए भी कहा है। वहीं, सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मैं आज चांदनी विश्वकर्मा के घर यहां मिलने आया हूं, जिन्होंने 12वीं बोर्ड परीक्षा में 500 में से 500 अंक हासिल किए हैं। उन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपनी मेहनत और लगन से अलग पहचान बनाई है।

भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनना चाहती हैं चांदनी

एमपी बोर्ड की स्टेट टॉपर चांदनी विश्वकर्मा का सपना भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनने का है। उन्होंने कहा- मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुख्यमंत्री खुद हमारे घर आएंगे। यह मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। मुख्यमंत्री ने मुझसे कहा कि आगे की पढ़ाई की चिंता करने की जरूरत नहीं है, सरकार हर कदम पर साथ है। चांदनी विश्वकर्मा के माता-पिता ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री के सामने परिवार की सभी समस्याएं रखीं। उन्होंने कहा, हमारा घर बहुत छोटा है, इसलिए पूरे परिवार को रहने में काफी दिक्कत होती है। हमने मुख्यमंत्री को अपनी परेशानी बताई, उन्होंने हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

कक्षा 5वीं और 8वीं की पुन : परीक्षा आज से

परीक्षा केन्द्र पर ही ऑन स्पॉट प्रिंट होंगे प्रश्न पत्र, प्रदेश में बनाए गए 2 हजार 795 परीक्षा केंद्र

भोपाल। प्रदेश में वर्ष 2025-26 की कक्षा 5वीं एवं 8वीं की पुनः परीक्षा 16 जून से शुरू हो रही है। यह 23 जून तक चलेगी। इस परीक्षा में सत्र 2025-26 की मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण एवं अनुपस्थित विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा प्रदेश भर में कुल 2 हजार 795 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। यह परीक्षा सुबह 10 बजे से शुरू होगी। कक्षा 5वीं की पुनः परीक्षा में लगभग 1 लाख 17 हजार से अधिक एवं कक्षा 8वीं के लगभग 1 लाख 32 हजार से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के समस्त शासकीय, मान्यता प्राप्त अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त शालाओं और पंजीकृत मदरसों में अध्ययनरत कक्षा 5 व 8 के विद्यार्थियों की पुनः परीक्षा सत्र 2025-26 का आयोजन 16 से 23 जून 2026 की अवधि में किया जाएगा।

परीक्षा केंद्रों पर ही होगा प्रश्न पत्रों का स्थल मुद्रण

पुनर्परीक्षा के लिए प्रश्नपत्रों की गोपनीयता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रश्नपत्रों की ऑन स्पॉट प्रिंटिंग परीक्षा केन्द्र पर केन्द्राध्यक्ष द्वारा की जाएगी। परीक्षा पोर्टल से प्रश्नपत्रों को डाउनलोड एवं प्रिंट करने के लिए जिला परियोजना समन्वयक को नोडल अधिकारी बनाया गया है। परीक्षाओं के निर्बाध संचालन के लिए राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देश पर प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर न्यूनतम 02 कम्प्यूटर/लैपटॉप, 02 कार्यशील प्रिंटर, इंटरनेट, पर्याप्त ए-4 साईज पेपर, टोनर की उपलब्धता एवं सुगम विद्युत व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

जन शिक्षा केन्द्र स्तर बनाए गए हैं परीक्षा केन्द्र

कक्षा 5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षा के लिए केवल जनशिक्षा केन्द्र स्तर ही परीक्षा केन्द्र बनाये गए हैं। अगर किसी जिले में किसी परीक्षा केन्द्र पर 500 से अधिक परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हों तो उस स्थिति में राज्य शिक्षा केन्द्र से अनुमति उपरांत दूसरा परीक्षा केन्द्र निर्धारित किया गया है।

परीक्षार्थियों को शाला प्रमुख पहुंचाएंगे परीक्षा केन्द्र तक

पुनः परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की परीक्षा में उपस्थिति एवं परीक्षा केन्द्र तक पहुंचाने का दायित्व संबंधित शाला प्रमुख/शिक्षक को सौंपा गया है।

हरमनप्रीत टी20 विश्व कप में सबसे अधिक रन बनाने वाली भारतीय महिला क्रिकेटर बनी

लंदन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप मुकाबले में 36 रनों की अपनी पारी के दौरान ही एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। हरमनप्रीत अब टी20 विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाली भारतीय खिलाड़ी बन गयी हैं। इससे पहले पूर्व कप्तान मिताली राज 726 रनों के साथ ही रनों के मामले में शीर्ष पर थीं। मैच के दौरान अपनी पहली ही गेंद पर एक रन लेकर उन्होंने मिताली के लंबे समय से चले आ रहे इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

इस शानदार प्रदर्शन के साथ, हरमनप्रीत के टी20 विश्व कप में अब कुल 762 रन हो गए हैं, जो किसी भी भारतीय महिला खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। इस प्रकार उन्होंने 726 रनों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद मिताली के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है, जिन्होंने कई वर्षों तक यह प्रतिष्ठित स्थान बरकरार रखा था। टी20 विश्व कप में सबसे अधिक रन बनाने वाली भारतीय महिला बल्लेबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर मंधाना हैं, जिन्होंने अब तक 592 रन बनाए हैं। उनके बाद जेमिमा रोड्रिग्स 408 रनों के साथ चौथे और पुनम राऊत 375 रनों के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

हरमनप्रीत का यह रिकॉर्ड उनकी निरंतरता, जुझारूपन और बड़े मंच पर दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता को दिखाता है। एक कप्तान और एक मैच विजेता के रूप में, उनका योगदान भारतीय महिला क्रिकेट के लिए अमूल्य है। यह उपलब्धि सिर्फ उनके व्यक्तिगत करियर में एक सुनहरा अध्याय नहीं जोड़ती, बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट की बढ़ती ताकत और वैश्विक मंच पर उसकी पहचान को भी रेखांकित करती है। उनकी यह पारी आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। यह उपलब्धि हरमनप्रीत के लिए ऐसे समय पर आई जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। पाक के खिलाफ भारतीय पारी की शुरुआत खराब रही थी, जब शैफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स ने शुरुआत में ही अपने विकेट खो दिए। ऐसे दबाव के बीच भी हरमनप्रीत ने तीसरे नंबर पर आक्रामक बल्लेबाजी की । उन्होंने 35 गेंदों पर 36 रन बनाये। इसमें , 4 शानदार चौके भी शामिल थे। हरमनप्रीत ने इस मैच में स्मृति मंधाना के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 91 रनों की एक बेहद महत्वपूर्ण और निर्णायक साझेदारी निभाई। इस साझेदारी ने न केवल भारतीय पारी को स्थिरता प्रदान की और उसे गति दी, बल्कि यह भारत की जीत की नींव रखने में भी महत्वपूर्ण साबित हुई। उनकी यह कप्तानी पारी, जिसमें उन्होंने रिकॉर्ड भी तोड़ा और टीम को मजबूती भी दी, भारतीय टीम के लिए प्रेरणादायक थी।

फीफा विश्व कपः

अयारी के दो गोल से स्वीडन ने ट्यूनीशिया को 5-1 से पीटा

मॉन्टेरी । यासीन अयारी के दो गोलों की सहायता से स्वीडन ने फीफा विश्व कप फुटबॉल के अपने पहले ही मैच में ट्यूनीशिया की टीम को 5-1 से हरा दिया। इस एकतरफा मुकाबले में अयारी ने दो शानदार गोल लागकर स्वीडन की जीत में मुख्य भूमिका निभाई। इस शानदार जीत के साथ ही स्वीडन की टीम ग्रुप एफ में नंबर एक पर पहुंच गयी है। इस मैच में अयारी ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने खेल के सातवें मिनट में ही एक गोल दागकर स्वीडन को बढ़त दिला दी। वहीं दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में एक एक और गोल कर ट्यूनीशिया की वापसी की उम्मीदों को समाप्त कर दिया। अयारी ट्यूनीशियाई मूल के हैं पर वह स्वीडन से खेलते हैं। इस पूरे मैच के दौरान स्वीडन के खिलाड़ी हावी रहे। टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और ट्यूनीशियाई डिफेंस को अवसर नहीं दिया। स्वीडन के अलेक्जेंडर इसाक ने 30वें मिनट में एक गोल किया जबकि विक्टर ग्योकेरेस ने 59वें मिनट में एक और गोल दाग दिया। इन दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक गोल करने के साथ ही एक-एक गोल में सहायता भी की। इससे टीम में एकजुटता और तालमेल साफ दिखा। मैटियस स्वानबर्ग ने 84वें मिनट में एक और गोल कर स्वीडन की जीत के अंतर को और बढ़ा दिया। वहीं, विश्व रैंकिंग में 45वें स्थान पर काबिज ट्यूनीशिया के लिए उमर रेकिक ने एकमात्र गोल किया। यह ट्यूनीशिया का सातवां विश्व कप है हालांकि वह एक बार भी ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पायी है।

गिरजा/ईएमएस 15जून 2026

फीफा विश्वकप में बेहतर शुरुआत से ही मिलेगी सफलता -रोनाल्डो

ह्यूस्टन। पुर्तगाल के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपनी टीम से कहा है कि उसे फीफा विश्वकप खिताब जीतने की चिन्ता छोड़कर बेहतर शुरुआत पर ध्यान देना चाहिये। रोनाल्डो के अनुसार बेहतर शुरुआत होने से ही टीम को खिताबी जीत मिलने की संभावना रहेगी। पुर्तगाल की टीम विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 17 जून को कांगो के खिलाफ मैच से करेगी है। उन्होंने खिलाड़ियों से खिताब जीतने के शुरुआती दबाव को भ ल क र टूर्नामेंट में एक मजबूत और सकारात्मक शुरुआत पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। रोनाल्डो ने स्पष्ट किया कि बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ने से पहले, हर मैच को एक-एक करके खेलना और धीरे-धीरे अपनी रणनीति को अमल में लाने पर ही विश्व कप जैसे कठिन मुकाबले में सफलता मिल सकती है एक प्रकार से देखा जाये तो ये जीत की कुंजी होगी। पुर्तगाल अपना पहला ग्रुप मैच

गौतरलब हैकि 48 शीर्ष टीमों के इस विशाल टूर्नामेंट में रोनाल्डो के कारण ही पुर्तगाल को स्वाभाविक रूप से एक मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। 41 वर्षीय रोनाल्डो, जो इतिहास रचते हुए अपना छठा विश्व कप खेलने जा रहे हैं, इस मामले में अर्जेंटीना के अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी के साथ सर्वाधिक विश्व कप खेलने का रिकॉर्ड साझा करेंगे। अपने अपार अनुभव और असाधारण नेतृत्व क्षमता के साथ, रोनाल्डो अच्छी तरह जानते हैं कि बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर किस तरह की मानसिकता की आवश्यकता होती है। उन्होंने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा, अच्छी शुरुआत करना, पहले और दूसरे मैच में अच्छा प्रदर्शन करना और फिर ग्रुप में पहले स्थान पर रहना जरुरी है।

उन्होंने कहा, इसके बाद हम केवल एक मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हमें धीरे-धीरे आगे बढ़ना होगा। अच्छी शुरुआत सबसे महत्वपूर्ण है। यह रवैया टीम को हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और अनावश्यक दबाव से बचने में मदद करेगा। पुर्तगाल की टीम ग्रुप के में है और अपना पहला मैच बुधवार को ह्यूस्टन के स्टेडियम में कांगो के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद, वे 23 जून को ह्यूस्टन में ही उज्बेकिस्तान से भिड़ेंगे। ग्रुप चरण का उनका अंतिम और निर्णायक मैच 27 जून को मियामी में कोलंबिया के खिलाफ होगा, जो टूर्नामेंट में उनकी आगे की यात्रा के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

रोनाल्डो ने अपनी टीम को केवल तकनीकी कौशल पर ही नहीं, बल्कि मानसिक और शारीरिक तैयारी पर भी जोर देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा, टूर्नामेंट के आगे बढ़ने के साथ जब मुकाबला कड़ा हो जाएगा और मनोवैज्ञानिक और शारीरिक थकान अपना असर दिखाने लगेगी, तभी पता चलेगा कि असली चैंपियन कौन हैं। उनका यह बयान दर्शाता है कि विश्व कप जैसे प्रतिष्ठित और लंबे टूर्नामेंट में निरंतरता और मानसिक दृढ़ता कितनी मायने रखती है।

आईसीसी ट्रॉफी मैदान में भारत और पाक की पूर्व कप्तानों को लाते देख प्रशंसक हुए हैरान

लंदन । भारतीय टीम ने टी20 महिला विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट में पाकिस्तान की टीम से हाथ न मिलाते हुए दूरी बनाये रखी। इस मैच में भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाक टीम को 64 रनों से हरा दिया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम ने जहां पाक टीम से दूरी बनाये रखी। वहीं मैदान पर ट्रॉफी लाते हुए भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज और पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सना मीर एक साथ नजर आयीं जिससे प्रशंसक हैरान हो गये और उनके मन में सवाल भी उठने लगे कि जहां वर्तमान भारतीय खिलाड़ियों ने मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से परहेज किया, वहीं मैच से ठीक पहले ट्रॉफी के लिए दोनो की पूर्व कप्तान कैसे साथ आई।

गौरतलब है कि मैच शुरू होने से पहले विश्व कप की ट्रॉफी को मैदान पर लाने की एक विशेष रस्म अदा की गई।

इंग्लैंड दौरे के लिए इसी सप्ताह हो सकती है भारतीय एकदिवसीय टीम की घोषणा

विराट, हार्दिक और रोहित को फिट होने पर अवसर मिलना तय

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति इसी सप्ताह इंग्लैंड दौरे के लिए एकदिवसीय टीम की घोषणा कर सकती है। भारतीय टीम को अगले माह जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सीरीज सीरीज खेलनी है। इस दौर को लेकर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और रोहित शर्मा पर सबकी नजरें रहेंगी। अगर ये फिट रहे तो इन्हें जगह मिलना पक्का है।

कोहली और पांड्या दोनों ही चोटिल होने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ जारी रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हैं, इनकी फिटनेस रिपोर्ट पर चयनसमिति संभीरता से नजर रखेगी। विराट को मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या है, जबकि हार्दिक पांड्या की चोट पुरानी है। हार्दिक, जो पहले चोट से उबरकर अफगानिस्तान सीरीज के लिए वापसी के करीब थे पर बदकिस्मती से आखिरी प्रशिक्षण सत्रों के दौरान पैर में दोबारा चोटिल होने के कारण बाहर हो गये। इस कारण वह एक बार फिर खेल से दूर हो गए हैं। वह अभी बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिकवरी के दौर से गुजर रहे हैं।

वहीं चयनकर्ता और टीम प्रबंधन की प्राथमिकता है कि ये दोनों खिलाड़ी जल्द से जल्द फिट होकर अपनी फॉर्म फिर हासिल करें, जिससे 2027 विश्व कप के लिए एक आदर्श टीम संयोजन तैयार किया जा सके। अफगानिस्तान सीरीज में कोहली की अनुपस्थिति में ईशान किशन नंबर तीन पर बल्लेबाजी कर रहे हैं, जबकि हार्दिक की जगह युवा नीतीश कुमार रेड्डी को मौका दिया जा रहा है। चयनकर्ता चाहेंगे कि हार्दिक को पूर्ण रूप से फॉर्म में लौटने और वनडे क्रिकेट से तालमेल बिठाने के लिए पर्याप्त अवसर मिलें। साथ ही, नीतीश को भी भविष्य के लिए तैयार किया जा सके।

दूसरी ओर रोहित की फॉर्म चिंता का एक बड़ा कारण बनी हुई है। बोर्ड और चयनकर्ताओं की ओर से पहले ही यह संकेत दिए जा चुके हैं कि उनकी प्रदर्शन पर सीरीज-दर-सीरीज बारीकी से नजर रखी जाएगी। उनकी पिछली सीरीज और आईपीएल 2026 दोनों ही औसत रहे थे, और अफगानिस्तान के खिलाफ पहले एकदिवसीय में भी वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे, जहां वह रन आउट होने से पहले असहज महसूस कर रहे थे। पहले मैच में उनकी कलाई में भी हल्की चोट लगी थी। हालांकि, इस सीरीज के अभी दो मुकाबले बाकी हैं, जहां रोहित के पास रन बनाकर अपनी स्थिति को मजबूत करने का मौका है।

इंग्लैंड की मुश्किलें बढ़ीं, दूसरे टेस्ट से बाहर हुए रॉबिन्सन

लंदन । न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से ठीक पहले इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज ओली रॉबिन्सन अभ्यास के दौरान चोटिल होने के कारण मैच से बाहर हो गये हैं। दो साल बाद टीम में वापसी कर रहे रॉबिन्सन के घुटने में चोट लगी हैं। ऐसे में उनकी जगह पर हेनरी क्रोकोम्बे को शामिल किया गया है। गौरतलब है कि इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच 19 जून से ओवल में खेला जाएगा। रॉबिन्सन की जगह पर शामिल क्रोकोम्बे ने अब तक कोई अंतराराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है पर वह इंग्लैंड लायंस टीम के नियमित सदस्य रहे हैं। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट के 48 मैचों में 106 विकेट लिए हैं, जिसमें एक बार पांच विकेट और आठ बार चार विकेट लेने का रिकार्ड भी है।

मेजबान टीम की परेशानी इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत के बाद कप्तान बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन नाइटक्लब विवाद के कारण पहले ही दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिये गये थे। वहीं अब इसमें रॉबिन्सन का भी नाम जुड़ गया है।

वीजा संबंधी तकनीकी परेशानियों के बीच ही मियामी पहुंची उरुग्वे टीम

मियामी। उरुग्वे की फुटबॉल टीम फीफा विश्वकप 2026 के लिए यहां पहुंच गयी है। उरुग्वे टीम को हालांकि वीजा मुश्किलों के कारण यहां पहुंचने में परेशानी आई। उसे मंगलवार को अपना पहला मुकाबला खेलना है। टीम की वीजा को लेकर तकनीकी दिक्कतों के चलते मैक्सिको के कैनकन से मियामी जाने वाली उड़ान कई घंटों की देरी से रवाना हुई।

बाद उरुग्वे की टीम ने रविवार सुबह कैनकन में अपना अंतिम अभ्यास सत्र पूरा किया था और उसके बाद अमेरिका के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रही थी। दोपहर करीब 2 बजे फोर्ट लॉडरडेल के लिए निर्धारित उनकी चार्टर उड़ान रद्द हो गई, क्योंकि विमान को अमेरिका में प्रवेश के लिए आवश्यक परमिट संबंधी दस्तावेजों में समस्या आ गई थी। इससे टीम का पूरा कार्यक्रम प्रभावित हुआ और खिलाड़ियों को एयरपोर्ट पर अतिरिक्त घंटों तक इंतजार करना पड़ा। बाद में एयरलाइन ने अपनी परमिट प्रक्रिया में हुई गलती को स्वीकार करते हुए इसके लिए माफी भी मांगी। वहीं फीफा ने एक बयान जारी कर कहा कि वह इस पूरी देरी के दौरान उरुग्वे की नेशनल टीम के साथ लगातार संपर्क में थी। उन्होंने एयरपोर्ट और परिचालन भागीदारों के साथ मिलकर प्रक्रिया को तेज करने और टीम की यात्रा व्यवस्था में कम से कम रुकावट सुनिश्चित करने में मदद की। हालाँकि, उरुग्वे की मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि टीमों की चार्टर उड़ानों की व्यवस्था करने वाली संस्था फीफा की प्रशासनिक समस्याओं के कारण ही कैनकन एयरपोर्ट पर यह देरी हुई।

भारत-पाकिस्तान महिला टी20 विश्वकप मुकाबले में रिकार्ड संख्या में पहुंचे दर्शक

नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में रविवार को खेले गये भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मुकाबले में दर्शकों की भारी तादाद ने एक नया रिकार्ड बना दिया। विश्वकप में हमेशा ही भारतीय टीम हावी रही है पर इसके बाद भी इन मैचों में गजब का आकर्षण रहा है। इस बार तो दर्शकों की भारी संख्या ने पिछले सारे रिकार्ड तोड़ दिये।

ये पहली बार है जब आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के लीग या ग्रुप चरण के किसी मैच को देखने के लिए इतनी भारी संख्या में दर्शक स्टेडियम पहुंचे हैं। इससे पहले 6 अक्टूबर 2024 को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए मुकाबले में 15,935 दर्शकों स्टेडियम पहुंचे थे। तब ये महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में किसी भी ग्रुप चरण के मैच में सबसे अधिक दर्शकों की संख्या थी लेकिन इस बार

बर्मिंघम स्थित एजबेस्टन मैदान में ये रिकार्ड भी टूट गया। इस बार भारत-पाकिस्तान महिला टी20 विश्व कप मैच को देखने के लिए 18,814 दर्शक स्टेडियम में पहुंचे थे। ये महिला टी20 विश्व कप के किसी भी ग्रुप स्तर मैच का सबसे अधिक आंकड़ा है। इस तरह दुबई में दो साल पहले बना रिकॉर्ड इंग्लैंड में टूट गया, ये दिखाता है कि भारत और पाक के बीच मुकाबले का कितना आकर्षण रहता है।

इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 170 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम 106 रनों पर सिमट गई। इस प्रकार भारतीय टीम को 64 रनों से जीत मिली। टी20 विश्व कप के इतिहास में पाकिस्तान की महिला टीम की भारतीय टीम के हाथों यह सातवीं हार थी।

फीफा विश्वकप 2026-मेजबान अमेरिका ने पैराग्वे को 4-1 से हराकर दर्ज की सबसे बड़ी जीत

कनाडा ने बोस्निया और हर्जेगोविना से ड्रॉ खेलकर हासिल किया पहला अंक

लॉस एंजिलिस । फीफा विश्व कप फुटबॉल में मेजबान अमेरिका ने पैराग्वे को 4-1 से हराकर विश्व कप इतिहास की अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की, वहीं सह-मेजबान कनाडा ने बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर विश्व कप में अपना पहला बहुप्रतीक्षित अंक हासिल किया। ग्रुप डी के इस मुकाबले में अमेरिका ने मैच की शुरुआत से ही अपने इरादे साफ कर दिए थे। सातवें मिनट में कप्तान क्रिश्चियन पुलिसिक ने जबरदस्त हमला किया। इस दौरान दौरान पैराग्वे के डिफेंडर डेमियन बोबाडिला के आत्मघाती गोल ने अमेरिका को शुरुआती बढ़त मिल गयी। इसके बाद, 31वें मिनट में फोलारिन बालोगुन ने पुलिसिक के एक शानदार पास को गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में बालोगुन ने अपना दूसरा गोल दागकर अमेरिकी टीम को 3-0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में, पैराग्वे के मौरिसियो ने 72वें मिनट में एक गोल दागकर स्कोर 3-1 किया, लेकिन यह काफी नहीं था। मैच के अंतिम क्षणोंमें युवा खिलाड़ी जियो रेयना ने एक बेहतरीन गोल कर अमेरिका की 4-1 की ऐतिहासिक जीत पर मुहर लगा दी। यह न सिर्फ फीफा विश्व कप में अमेरिका की सबसे बड़ी जीत है, बल्कि यह पहला अवसर है जब उन्होंने विश्व कप के किसी एक मैच में चार गोल दागे हैं, जो उनकी आक्रामक खेल शैली का प्रमाण है। वहीं दूसरी ओर टोरंटो में सह-मेजबान कनाडा ने बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर फीफा विश्व कप में अपना पहला अंक हासिल किया। मैच के 21वें मिनट में बोस्निया के जोवो लुकिच ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी, जिसके बाद कनाडा ने वापस के प्रयास शुरु कर दिये। । दूसरे हाफ के 77वें मिनट में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी साइल लारिन ने शानदार गोल दागकर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद कनाडा ने जीत के लिए पूरी ताकत झोंक दी पर बोस्निया का डिफेंस मजबूत बना रहा और अंततः मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1 बालाघाट (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण-सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 11/ [illegible]/2026-27 बालाघाट, दिनांक 05.06.2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उपरोक्त कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रं0	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (राशि लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_513343	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 1 बालाघाट के अंतर्गत मुख्यालय के लिए ए.आर., एस.आर, एम.ओ.डब्लू और अन्य जमा कार्य।	प्रथम आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
2	2026_PWDRB_513344	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 1 बालाघाट के अंतर्गत न्यायायिक आवासीय भवनों का मरम्मत कार्य ।	प्रथम आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
3	2026_PWDRB_513345	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 1 बालाघाट के अंतर्गत विभिन्न सड़कों के लिए सामग्री प्रदाय।	प्रथम आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
4	2026_PWDRB_513346	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 1 बालाघाट के अंतर्गत विभिन्न सड़कों पर पुलिया की मरम्मत, पेंटिंग, फिनशिंग और किलोमीटर स्टोन, पोईट स्टोन का कार्य	प्रथम आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
5	2026_PWDRB_513349	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 1 बालाघाट के अंतर्गत आवासीय भवनों में रंगाई पुताई का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
6	2026_PWDRB_513350	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 1 बालाघाट के अंतर्गत न्यायायिक आवासीय भवनों में रंगाई पुताई का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
7	2026_PWDRB_513351	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 2 बालाघाट के अंतर्गत मुख्यालय के लिए ए.आर., एस.आर, एम.ओ.डब्लू और अन्य जमा कार्य।	प्रथम आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
8	2026_PWDRB_513352	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 2 बालाघाट के अंतर्गत विभिन्न सड़कों का रखरखाव।	प्रथम आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
9	2026_PWDRB_513353	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 2 बालाघाट के अंतर्गत विभिन्न सड़कों के लिए सामग्री प्रदाय।	प्रथम आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
10	2026_PWDRB_513354	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 2 बालाघाट के अंतर्गत विभिन्न सड़कों पर पुलिया की मरम्मत, पेंटिंग, फिनशिंग और किलोमीटर स्टोन, पोईट स्टोन का कार्य	प्रथम आमंत्रण	19.50	39000.00	2000.00	31.03.2027
11	2026_PWDRB_513355	बालाघाट	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रमांक- 2 बालाघाट के अंतर्गत आवासीय भवनों में रंगाई पुताई का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	18.00	36000.00	2000.00	31.03.2027
				कुल योग	213.00			

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र आनलाईन क्रय करने एवं आनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 29/06/2026 (17.30) बजे निर्धारित है। निविदा की धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा तथा अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज आनलाईन ही जमा किये जायेंगे। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है।

जी-14423/26

'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग
संभाग क्रमांक 1 बालाघाट

प्रिंस यादव की मौत में नाम घसीटने पर खान सर ने भावुक संदेश किया जारी

जो सही न्यूज है वहीं चलाएं, यह संवेदनशील मामला है अफवाहों पर ना जाएं

पटना। कोचिंग संचालक रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की मौत को लेकर खान सर पर आरोप लग रहे हैं कि प्रिंस की हत्या उन्होंने करवाई है। अब खान सर ने प्रिंस यादव की मौत को लेकर एक भावुक वीडियो संदेश जारी किया है। बता दें प्रिंस यादव की नेपाल में संदिग्ध मौत के बाद पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने इसे हत्या बताने और उसमें अपना नाम घसीटने के बाद खान सर सामने आए हैं। खान सर ने कहा है कि प्रिंस की मौत की जानकारी होने पर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। हालांकि, प्रिंस की मौत को लेकर नेपाल से यह सूचना आई थी कि उनकी मौत ब्रेन हेमरेज से हुई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खान सर ने भावुक वीडिया संदेश जारी कर कहा कि आज अजीब मन से बात करना पड़ रहा है। बड़ी दुखद खबर के साथ। अचानक से सभी चीजें चल रही थीं तब ही कुछ-कुछ लोगों से फोन आना शुरू हो गया कि सर आप न्यूज देखिए कि रौशन सर के भाई की नेपाल में संदिग्ध मौत हो गई है। कुछ पल के लिए विश्वास नहीं हुआ कि ऐसा कैसे हो सकता है। हमने उन लोगों को डांटा भी कि ये सब क्या कुछ भी बोलते रहता है। फिर जब हमने न्यूज देखा तो पैरों तले जमीन खिसक गई। समय कैसा यह करवट ले रहा है। किस स्थिति में समय चला गया है? आखिर ऐसा कैसे हो सकता है?

खान सर ने अपने वीडियो में एक न्यूज क्लिप दिखाया जिसमें प्रिंस यादव के दोस्त यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि प्रिंस का पहले से इलाज चलता था और वो दवाओं का सेवन करते थे। प्रिंस के दोस्त कहते हैं कि उनको दो बार अटैक आ चुका है। प्रिंस के दोस्त इस वीडियो क्लिप में कहते हैं कि उसको कोई कुछ नहीं किया है। 2-3 दिन से वह ठीक से सो नहीं रहा था। कल भी हमलोग देखे कि सो रहा है तो हमलोगों को लगा कि चलो अब वो सो रहा है। धीरे-धीरे वो लंबी सांस लेने लगा। उसके बाद हमलोग एंबुलेंस मंगवाए और उसको अस्पताल लेकर आए। इसी दौरान उसकी मौत हो गई। उसको किसी ने नहीं मारा। वो हमलोगों का करीबी दोस्त था, हमलोग क्यों करेंगे ऐसा? किसी अन्य ने भी उसको नहीं मारा। वो पहले से बीमार था।

दिल दहल गया है, परिवार की मदद को तैयार हूं- खान सर इसके बाद वीडियो में खान सर एक बार फिर सामने आते हैं। वो कहते हैं कि इस वीडियो को देखने के बाद एकदम दिल दहल गया है। किसी परिवार के लिए इससे कठिन दौर क्या आ सकता है? भगवान इस कठिन दौर से निकलने के लिए उनको सहनशक्ति दे। इतनी भयानक स्थिति और इतनी कठोर स्थिति में वो कैसे निकल पाएंगे इस घटना के बाद पता नहीं कैसे परिवार काम करेगा? इस कठिन दौर में हमारी संवेदना परिवार के साथ है।

इसके बाद खान सर कहते हैं कि इसमें सबसे जरुरी बात यह है कि मीडिया को काफी संवेदनशील होने की जरुरत है। जो सही न्यूज है वहीं चलाए। यह बहुत संवेदनशील मामला है लिहाजा अटकलों और अफवाहों पर ना जाएं। पुलिस अपना एक आधिकारिक बयान जारी करे जिससे कि साफ हो सके कि चीजें क्या हैं। जल्दी से जल्दी इसका पोस्टमार्टम रिपोर्ट सार्वजनिक किया जाए। इसमें कोई ना कोई तीसरा साजिश जरुर कर रहा है। इतनी अमानवीय कृत्य कोई कैसे कर सकता है? इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। इस रिपोर्ट को सामने लाया जाए। जो लोग भी इसमें दोषी पाए जाएं उनमें से किसी एक को भी नहीं छोड़ा जाए और फांसी की सजा दी जाए।

खान सर ने इस वीडियो में आगे कहा कि लोग परिवार के प्रति सहानूभूति रखें और इस बात पर जोर दें कि जो तीसरा एंगल है उसकी जांच हो। जो इंसान दुनिया से चला गया भगवान उनकी आत्मा को शांति दें।

भारत के 62 प्रतिशत लोगों को नहीं मिलेगा बैंकों से कर्ज

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नई ऋण व्यवस्था के तहत अब कर्ज लेने के लिए अच्छा सिविल स्कोर बेहद महत्वपूर्ण हो जाएगा। प्रस्तावित नियमों के अनुसार 730 से कम सिविल स्कोर वाले आवेदकों को बैंक आसानी से लोन नहीं देंगे। रिपोर्ट के मुताबिक देश के करीब 62 प्रतिशत लोगों का सिविल स्कोर 730 से नीचे है, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को कर्ज मिलने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। नई व्यवस्था में बैंकों को जोखिम के आधार पर ब्याज दर तय करने की छूट मिलेगी। जिन ग्राहकों का सिविल स्कोर 840 या उससे अधिक होगा, उन्हें करीब 7.10 प्रतिशत ब्याज दर पर लोन मिल सकेगा। वहीं 700 से कम स्कोर वाले ग्राहकों को 10 प्रतिशत या उससे अधिक ब्याज चुकाना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे समय पर किस्त चुकाने वाले ग्राहकों को फायदा मिलेगा, जबकि खराब क्रेडिट इतिहास वाले लोगों के लिए कर्ज महंगा और कठिन हो जाएगा। आरबीआई का उद्देश्य बैंकिंग प्रणाली में जोखिम कम करना और जिम्मेदार ऋण संस्कृति को बढ़ावा देना है।

सदगुरू कबीर साहेब प्रगट उत्सव पर विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हिर्री के बाजार चौक मे मे तीन दिवसीय सदगुरू कबीर साहेब प्रगट उत्सव का आयोजन 13 से 15 जून तक बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से सम्पन्न किए गए। इस अवसर पर विविध कार्यक्रमों मे 13 जून को सांध्य बेला मे संध्यापाठ एवं सत्संग भजनों की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। तथा 14 जून को सुबह 6 बजे से गुरू महिमा,7 बजे से प्रभातफेरी एवं कलश शोभायात्रा निकाली गई। जिसमे बड़ी संख्या मे श्रद्धालु भक्तजन शामिल हुए तथा शोभायात्रा पश्चात् कबीर साहेब की प्रतिमा स्थापना कर संध्यापाठ, सत्संग भजन आयोजित किए गए। उसी प्रकार 15 जून को सुबह 6 बजे से गुरू महिमा पश्चात् सत्संग भजनसम्पन्न कराए गए। तथा पूज्य महंत हरीशदास जी साहेब एवं पूज्य महंत प्रीत कावरे द्वारा कबीर साहेब द्वारा जीवन की सच्चाई पर आधारित प्रवचन से श्रोताओं को मुग्ध कर दिया। वही कार्यक्रम मे सात्विक यज्ञ आनंदी चौका, आरती कर महाप्रसाद वितरण एवं भोजन भंडारे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने मे सदगुरू कबीर सेवा समिति ग्राम हिर्री अध्यक्ष दिलीप बिरनवार, उपाध्यक्ष रविन्द्र बिरनवार, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र बिरनवार, सचिव पियूष बिरनवार, सह सचिव बबलू बिरनवार, आशीष, ललित, लक्की, दीपक हर्ष, शंकर, पंकज, दादू, प्रवीण बिरनवार सहित अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

आरएसएस प्रमुख भागवत जाएंगे अमेरिका-ब्रिटेन, यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के चीफ मोहन भागवत अगले दो महीनों के अंदर अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा पर जा सकते हैं। इस दौरान वह भारतीय मूल के लोगों और कई सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। यह दौरा संघ के शताब्दी वर्ष के जश्न और वैश्विक स्तर पर संगठन के विस्तार का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत की यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कुछ कार्यक्रमों का आयोजन हिंदू स्वयंसेवक संघ (एचएसएस) द्वारा भी किया जाएगा, जो आरएसएस इंटरनेशनल विस्तार है।

रिपोर्ट के मुताबिक आरएसएस इस समय अपने 100वें वर्ष के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। संगठन देश और विदेश में भारतीय समुदाय के साथ संवाद बढ़ाने पर जोर दे रहा है। इस कड़ी में मोहन भागवत का अमेरिका और ब्रिटेन दौरा अहम माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती स्तर पर न्यूयॉर्क में कार्यक्रम की भी योजना बनाई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि भागवत वहां भारतीय समुदाय को संबोधित कर सकते हैं। हालांकि कार्यक्रमों की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है।

बता दें मोहन भागवत इससे पहले वर्ष 2016 में ब्रिटेन गए थे। उस दौरान उन्होंने हिंदू स्वयंसेवक संघ के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। एचएसएस विदेशों में भारतीय संस्कृति, योग, सेवा कार्यों और पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देने का काम करता है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब इंटरनेशनल स्तर पर कई भू-राजनीतिक चुनौतियां बनी हुई हैं। भारतीय प्रवासी समुदाय के बीच भारत और भारतीय संस्कृति को लेकर संवाद बढ़ाने को भी इस दौरे का प्रमुख उद्देश्य माना जा रहा है।

जी-7 शिखर सम्मेलन में होगी मोदी-ट्रंप की मुलाकात, विपक्ष की है नजर

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात 17 जून को फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर हो सकती है। दोनों नेताओं की यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है, जब हाल में ही ओमान की खाड़ी में व्यापारिक जहाजों पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नागरिक की मौत हो गई है। इस मामले में विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका के सामने अपना विरोध जताया लेकिन वाशिंगटन की ओर से भारतीयों की मौत पर कोई खेद प्रकट नहीं किया गया। वहीं इस मुद्दे पर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर दबाव बना रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विपक्षी दलों का कहना है कि भारतीय नागरिकों की जान जाने का मामला बेहद गंभीर है और भारत सरकार को अमेरिका से स्पष्ट जवाब मांगना चाहिए। कांग्रेस समेत कई दलों ने सवाल उठाया है कि सरकार ने अब तक इस मामले में अपेक्षित सख्ती क्यों नहीं दिखाई। यदि किसी अन्य देश की कार्रवाई में भारतीय नागरिकों की मौत होती, तो सरकार का रुख कहीं ज्यादा कड़ा होता।

व्हाइट हाउस के जारी बयान के मुताबिक, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते फ्रांस में होने वाले जी7 समिट में भारत के पीएम मोदी और दुनिया के दूसरे नेताओं से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत में हुए विकास की समीक्षा करने की उम्मीद है। वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि प्रस्तावित व्यापार समझौता शायद दोनों नेताओं के बीच बातचीत में खास तौर पर शामिल होगा। हालांकि, अधिकारियों को उम्मीद नहीं है कि समिट के दौरान कोई फाइनल समझौता हो पाएगा।

वहीं दूसरी ओर मोदी और ट्रंप की इस मुलाकात को लेकर अभी तक भारत की ओर से कोई भी स्पष्ट जवाब नहीं आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मोदी-ट्रंप मुलाकात में व्यापार, रक्षा सहयोग और वैश्विक सुरक्षा जैसे मुद्दों के साथ ओमान की खाड़ी की घटना भी चर्चा का अहम विषय बन सकती है। ऐसे में पीएम मोदी के सामने चुनौती होगी कि वे भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत बनाए रखते हुए भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान के मुद्दे पर देश की भावनाओं का भी प्रतिनिधित्व करें। विपक्ष इस मुलाकात को सरकार की कूटनीतिक परीक्षा के रूप में देख रहा है कि क्या पीएम मोदी अमेरिकी हमले में मारे गए भारतीयों के मुद्दे को ट्रंप के सामने प्रमुखता से उठाते हैं या नहीं। यह मुलाकात केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से ही नहीं, बल्कि घरेलू राजनीति में भी अहम मानी जा रही है। इस बीच कांग्रेस ने मांग की है कि मोदी सरकार संसद में पूरी जानकारी दे और सुनिश्चित करे कि भारत की संप्रभुता और किसानों-उद्योगों के हितों की रक्षा हो। जाने-माने भू-राजनीतिक विशेषज्ञ और लेखक ब्रह्मा चेलानी ने हाल में ही कहा था कि मोदी-ट्रंप की दोस्ती महंगी पड़ रही है। ओमान जैसे स्थिर सहयोगी देशों के साथ मजबूत संबंध बनाए बिना अमेरिका पर अंधाधुंध निर्भरता भारत की विदेश नीति को कमजोर कर रही है।

आरएसएस पर पारदर्शिता का सवाल- प्रियांक खरगे ने मोहन भागवत को लिखा पत्र, मांगी वित्तीय और कानूनी जानकारी

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत को पत्र लिखकर संगठन की कानूनी स्थिति, वित्तीय स्रोतों, कर अनुपालन और संगठनात्मक ढांचे को लेकर कई सवाल उठाए हैं। खरगे ने मांग की है कि आरएसएस अपनी गतिविधियों और वित्तीय लेनदेन को सार्वजनिक करे तथा अन्य संगठनों की तरह पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करे।

पत्र में प्रियांक खरगे ने पूछा है कि आरएसएस किस कानूनी प्रावधान के तहत बिना औपचारिक पंजीकरण के कार्य कर रहा है। उन्होंने संगठन से उसके फंडिंग स्रोत, आय-व्यय का विवरण, प्रशासनिक संरचना और कर भुगतान से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करने का आग्रह किया है। खरगे का कहना है कि जब देश के अन्य सामाजिक और गैर-सरकारी संगठनों को नियमों का पालन करना पड़ता है, तो आरएसएस को भी समान मानकों का पालन करना चाहिए।

इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए मोहन भागवत ने कहा कि आरएसएस का गठन वर्ष 1925 में हुआ था और यह एक मान्यता प्राप्त संगठन है। उन्होंने कहा कि कानून के तहत संगठन के लिए पंजीकरण अनिवार्य नहीं है। भागवत ने यह भी कहा कि हिंदू धर्म भी पंजीकृत नहीं है और सरकार तथा न्यायालय दोनों आरएसएस के अस्तित्व और कार्यप्रणाली को मान्यता दे चुके हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों से प्रियांक खरगे लगातार आरएसएस की वित्तीय पारदर्शिता और कानूनी स्थिति को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। इससे पहले भी उन्होंने संगठन के फंडिंग स्रोतों और कर व्यवस्था की जांच की मांग की थी। इस पत्र के बाद आरएसएस और कांग्रेस के बीच वैचारिक टकराव एक बार फिर चर्चा में आ गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आरएसएस के शताब्दी वर्ष के दौरान उठा यह विवाद राष्ट्रीय राजनीति में नई बहस को जन्म दे सकता है।

होर्मुज में फंसे 13 भारतीय जहाजों की वापसी की बढ़ी उम्मीद, शांति समझौते से खुल सकता है रास्ता

नई दिल्ली। पिछले 108 दिनों से होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे 13 भारतीय ध्वज वाले जहाजों और उन पर सवार 562 भारतीय नाविकों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते के बाद इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग के दोबारा खुलने की उम्मीद बढ़ गई है, जिससे भारतीय जहाजों की सुरक्षित वापसी का रास्ता साफ हो सकता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य फरवरी से जारी क्षेत्रीय संघर्ष के कारण लगभग बंद पड़ा था। इसके चलते बड़ी संख्या में भारतीय जहाज और नाविक समुद्र में फंस गए थे। भारत सरकार लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए थी और जहाजों की सुरक्षित वापसी को प्राथमिकता बता रही थी। इससे पहले सरकार ने स्पष्ट किया था कि फंसे हुए भारतीय जहाजों को बाहर निकालना उसकी पहली चिंता है। हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की घोषणा के बाद वैश्विक शिपिंग कंपनियों में उम्मीद जगी है। हालांकि समुद्री मार्ग पूरी तरह सामान्य होने से पहले सुरक्षा और माइन क्लीयरेंस जैसी प्रक्रियाएं पूरी की जानी हैं, लेकिन जहाजों की आवाजाही धीरे-धीरे शुरू होने के संकेत मिल रहे हैं। एक भारतीय एलएनजी टैंकर के सफलतापूर्वक होर्मुज मार्ग पार करने को भी सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

संदीप पाठक जैसे नेता ने आप का साथ छोड़ दिया, पार्टी नेतृत्व भी हैरान

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी राघव चड्ढा बगावत कांड को अब तक समझ नहीं पाई है। पार्टी नेतृत्व अब भी हैरान है कि आखिर कैसे संदीप पाठक जैसे नेता ने साथ छोड़ दिया, जिन्हें संगठन में इतनी अहम जिम्मेदारी दी थी। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने स्वीकार किया है कि उन्हें या पार्टी में किसी को इस बात का अहसास नहीं था कि संदीप पाठक ऐसा कदम उठा सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक पॉडकास्ट में तेजतर्रार नेता और आप सांसद संजय सिंह ने राघव चड्ढा के समेत सात सांसदों के पार्टी छोड़ने पर ज्यादा कुछ नहीं कहा लेकिन संदीप पाठक को लेकर बेहद हैरान नजर आए। उन्होंने अशोक मित्तल समेत कुछ राज्यसभा सांसदों को डराने और दबाव डालकर तोड़ने का आरोप लगाया है। संजय सिंह ने मरने दम तक उनके बीजेपी में ना जाने का दावा करते हुए राघव चड्ढा वाली बगावत पर जवाब दिया, आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि हर आदमी एक ही हौसले का होगा। अशोक मित्तल पर छापा पड़ा ईडी का, तीन दिन तक चलता रहा। उसके बेटे को प्रताड़ित किया गया, दबाव बनाया गया। चिट्ठी सामने रख दी गई साइन कर यदि बेटे को बचाना है तो। उनको डराया धमकाया गया, साइन करा लिया गया।

राघव चड्ढा और आप के बीच दरार काफी बढ़ गई थी और बगावत से एक महीने पहले जब उन्हें राज्यसभा में उपनेता के पद से हटाया गया था तभी यह साफ हो गया था कि राहें अब अलग होने वाली हैं। हालांकि, अचानक उनके साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखे राघव चड्ढा को लेकर सभी लोग हैरान रह गए थे। संजय सिंह ने खुद को भी इसी आश्चर्य में बताया। पाठक को लेकर किए गए सवाल पर उन्होंने कहा, संदीप पाठक क्यों गए वही बता सकते हैं। मुझे भी आश्चर्य हुआ संदीप पाठक के जाने से अफसोस हुआ।

संदीप पाठक को रोकने के सवाल पर संजय सिंह ने कहा कि इसकी भनक ही नहीं लगी। उन्होंने कहा कि रोकने की कोशिश तब होगी जब मैं जानूं कि आप जा रहे हो, या आपके मन में कुछ ऐसा है कि पार्टी छोड़ सकते हो। यह पूरी ईमानदारी से बता रहा हूं, इसमें कोई राजनीतिक चालबाजी नहीं कर रहा हूं। सीधे-सीधे बता रहा हूं कि कभी कोई एहसास भी नहीं हुआ तनिक भी कि ये पार्टी छोड़ सकते हैं। संदीप पाठक को नजरअंदाज किए जाने के सवाल पर सांसद सिंह ने कहा कि यह तो गलत बात है, संगठन के निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी संदीप पाठक को दी गई थी। पंजाब और दिल्ली में जिम्मेदारी दी गई, राज्यसभा में दी गई। यह तो गलत है कि उनकी उपेक्षा हो रही थी। ऐसा नहीं था।

अयोध्या में रामनाम की नहीं, रामरत्न की लूट, चंपत ही लगा रहे चपत

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में दान के रुपयों के गबन को लेकर उठे विवाद के बीच सियासी और धार्मिक बयानबाजी तेज हो गई है। धर्मसेना प्रमुख और हिंदूवादी नेता संतोष दुबे ने राम मंदिर ट्रस्ट, विश्व हिंदू परिषद, बीजेपी और आरएसएस से जुड़े लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि राम मंदिर के नाम पर पारदर्शिता नहीं बरती जा रही और चढ़ावे के रुपयों से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संतोष दुबे ने कहा कि यह रामनाम की नहीं, रामरत्न की लूट है। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के करीबी बताए जाने वाले टुन्नू यादव, जो पहले ड्राइवरी थे, कुछ ही सालों में करोड़ों की संपत्ति के मालिक बन गए। दुबे ने दावा किया कि अयोध्या में उनका 60 कमरों का आलीशान मकान है, जिसमें लिफ्ट भी लगी हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी बड़ी संपत्ति आखिर कैसे और किन संसाधनों से अर्जित की गई। उन्होंने कहा कि चंपत ही रामजी के नाम पर चपत लगा रहे हैं।

संतोष दुबे ने कटाक्ष करते हुए कहा कि बैंक की रखवाली चोर कर रहा है। वहीं महंत कमलनयन दास के बयान पर उन्होंने कहा कि पहली बार अयोध्या का कोई संत अच्छी बात बोला है, कम से उनका जमीर जागा तो। मैं उनका समर्थन करता हूं। सबकुछ गंवाकर होश में आए। अंत भला तो सब भला। चंपत राय को हटा दिया जाए तो अब भी अयोध्या बच जाएगी। विश्व हिंदू परिषद के बारे में तो आप सब जानते ही हैं। दुबे ने कहा कि संघ परिवार के एक लोग को मैंने साइकिल खरीद कर दी थी। आज फॉर्च्यूनर से चल रहे हैं। दुबे ने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और नृपेंद्र मिश्रा पर भी गंभीर आरोप लगाए। हिंदूवादी नेता दुबे ने कहा कि अयोध्या में बाहरी लोगों का कब्जा हो गया है। अयोध्या की मर्यादा को विश्व हिंदू परिषद, बीजेपी और आरएसएस ने बर्बाद कर दिया। गुजरात लॉबी हावी हो गई है। माल काटता कोई है, बदनाम होते हैं अयोध्यावासी।

डीआरडीओ ने लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया, भारत की मारक क्षमता हुई और मजबूत

नई दिल्ली। भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को और मजबूत करते हुए स्वदेशी रूप से विकसित लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल (एलआरएलएसीएम) का सफल उड़ान परीक्षण किया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सोमवार को ओडिशा तट के पास स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से इस मिसाइल का सफल परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान निर्धारित सभी उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल किया गया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मिसाइल की उड़ान और प्रदर्शन की निगरानी के लिए चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज के विभिन्न ट्रैकिंग उपकरणों और सेंसरों का उपयोग किया गया। परीक्षण से प्राप्त आंकड़ों ने मिसाइल की सटीकता और विश्वसनीयता की पुष्टि की है। यह मिसाइल भारत की लंबी दूरी तक सटीक हमला करने की क्षमता को नई मजबूती प्रदान करेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि एलआरएलएसीएम भारतीय सशस्त्र बलों को दुश्मन के महत्वपूर्ण ठिकानों पर दूर से ही सटीक प्रहार करने में सक्षम बनाएगी। यह पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित परियोजना है, जो रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

अब दरी बिछाने की राजनीति नहीं, हिस्सेदारी और बराबरी की लड़ाई होगी

ओवैसी के यूपी दौरे से राजनीतिक हलचल तेज, क्या साथ आएंगे मायावती-चंद्रशेखर-ओवैसी?

लखनऊ,। इस साल यूपी विधानसभा चुनाव होना है, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी जमीन मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का हालिया यूपी दौरा और उनके बयान की राजनीतिक गलियारों में चर्चा होने लगी हैं। खासकर उनका यह कहना कि अब दरी बिछाने की राजनीति नहीं होगी, हिस्सेदारी और बराबरी की लड़ाई होगी, इस बात का संकेत माना जा रहा है कि ओवैसी अब सिर्फ चुनावी मौजूदगी दर्ज कराने नहीं, बल्कि सत्ता की राजनीति में वास्तविक हिस्सेदारी हासिल करने की रणनीति बना रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बहराइच के मटेरा में आयोजित जनसभा में ओवैसी ने साफ कहा कि उनकी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मुद्दे को केंद्र में रखेगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई बीजेपी को रोकना चाहता है तो एआईएमआईएम सम्मानजनक साझेदारी के लिए तैयार है। यह बयान केवल एक राजनीतिक संदेश नहीं, बल्कि संभावित गठबंधन की दिशा में दिया गया संकेत भी माना जा रहा है। यही वजह है कि अब राजनीतिक विश्लेषकों के बीच यह सवाल उठने लगा है कि क्या यूपी में दलित-मुस्लिम समीकरण को नया रूप देने की कोशिश शुरू हो चुकी है? क्या ओवैसी, मायावती और चंद्रशेखर आजाद भविष्य में किसी साझा राजनीतिक मंच पर आ सकते हैं?

दरअसल, तीनों नेताओं की राजनीति का एक साझा बिंदु है- प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय का सवाल। मायावती लंबे समय से दलित राजनीति का सबसे बड़ा चेहरा रही हैं। वहीं चंद्रशेखर आजाद युवा दलित मतदाताओं के बीच अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। दूसरी ओर ओवैसी लगातार मुस्लिम राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बड़ा मुद्दा बनाते रहे हैं। ऐसे में यदि सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों के आधार पर देखा जाए तो इन तीनों के बीच संवाद की संभावनाओं से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता।

हालांकि रास्ता आसान नहीं है। मायावती अब तक किसी भी बड़े गठबंधन को लेकर बेहद सतर्क हैं। बसपा की रणनीति हमेशा स्वतंत्र राजनीतिक पहचान बनाए रखने की रही है। वहीं चंद्रशेखर आजाद भी खुद को केवल दलित नेता के रूप में सीमित नहीं रखना चाहते और व्यापक विपक्षी राजनीति में अपनी भूमिका तलाश रहे हैं। ओवैसी की मौजूदगी भी कई विपक्षी दलों के लिए असहजता का कारण बनती रही है, क्योंकि उन पर बीजेपी को अप्रत्यक्ष फायदा पहुंचाने के आरोप लगते रहे हैं। ओवैसी ने यूपी की योगी सरकार पर कानून व्यवस्था, बुलडोजर कार्रवाई और अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव को लेकर हमला बोला।

न्यूज गैलरी

हट्टा में पुरानी रंजिश को लेकर दुकानदार पर हमला

तलवार से वार की कोशिश नाकाम, डंडे से सिर फोड़कर किया घायल

तीन आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के हट्टा थाना क्षेत्र में वार्ड क्रमांक-5 में पुरानी रंजिश और आपसी लेन-देन के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। तीन लोगों ने एक राय होकर साव जी ट्रेडर्स के संचालक नरेंद्र मेश्राम 40 वर्ष के साथ मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक -5 निवासी 42 वर्षीय नरेंद्र मेश्राम की ट्रेडर्स की दुकान है। रोज की तरह वे अपनी दुकान पर बैठे थे। शाम के समय वार्ड के ही सुभाष सावजी, कुंवर सावजी और गौरव सावजी दुकान पर पहुंचे। तीनों ने पुरानी रंजिश व लेन-देन को लेकर नरेंद्र से विवाद शुरू कर दिया और गाली-गलीज करने लगे। नरेंद्र ने मना किया तो तीनों आरोपी उसे जबरन दुकान से बाहर खींचकर चौक की तरफ ले गए। वहां एक आरोपी ने नरेंद्र पर तलवार से वार किया। लेकिन वह बाल-बाल बच गए। इसके बाद तीनों ने मिलकर उसे पकड़ा और सिर पर डंडे से वार कर दिया। हमले में नरेंद्र के सिर पर गंभीर चोट आई है। घटना के दौरान मौके पर मौजूद नरेंद्र के दोस्त अजय ने बीच-बचाव किया। इसके बाद घायल नरेंद्र हट्टा पुलिस थाना पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायल को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया। जहां उनका इलाज जारी है। हट्टा पुलिस ने तीनों आरोपियों सुभाष सावजी, कुंवर सावजी और गौरव सावजी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नीट-यूजी परीक्षा के लिए बालाघाट में हाई अलर्ट, वायुसेना के हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे प्रश्नपत्र

21 जून को जिले के 8 परीक्षा केंद्रों पर 3112 परीक्षार्थी होंगे शामिल, जैमर और बायोमेट्रिक जांच से होगी निगरानी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) को इस वर्ष पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था लागू की जा रही है। पिछले वर्ष परीक्षा को लेकर देशभर में सामने आए विवादों, पेपर लीक के आरोपों और अनियमितताओं की शिकायतों के बाद इस बार केंद्र सरकार एवं एनटीए ने परीक्षा प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए विशेष रणनीति तैयार की है। इसी क्रम में आगामी 21 जून को आयोजित होने वाली नीट-यूजी परीक्षा के प्रश्नपत्र बालाघाट जिले में भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर के माध्यम से पहुंचाए जाएंगे।

जानकारी के अनुसार परीक्षा सामग्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश के कई जिलों में विशेष सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए गए हैं। बालाघाट भी उन चुनिंदा जिलों में शामिल है जहां प्रश्नपत्रों को हवाई मार्ग से पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य परीक्षा से पहले किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, लीक या अनधिकृत पहुंच की संभावना को पूरी तरह समाप्त करना है। इसी तैयारी के तहत सोमवार को भारतीय वायुसेना का एक हेलीकॉप्टर बालाघाट स्थित पुलिस लाइन हेलीपेड पर पहुंचा। हेलीकॉप्टर ने यहां लैंडिंग और टेकऑफ का अभ्यास किया तथा हेलीपेड की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस लाइन परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों तथा संबंधित विभागों के कर्मचारियों ने मौजूद रहकर पूरी व्यवस्था का जायजा लिया और आगामी परीक्षा के लिए आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की। परीक्षा नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर राहुल नायक ने बताया कि 21 जून को आयोजित होने वाली नीट-यूजी परीक्षा के लिए जिले में कुल 8 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इन केंद्रों पर लगभग 3112 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। उन्होंने बताया कि प्रश्नपत्र वायुसेना के हेलीकॉप्टर के माध्यम से बालाघाट लाए जाएंगे। इसके बाद उन्हें निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा जाएगा। परीक्षा दिवस पर प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में विशेष सुरक्षा व्यवस्था के साथ प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने बताया कि परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एनटीए के दिशा-निर्देशों के अनुसार व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन किया जाएगा। प्रवेश से पहले सघन जांच की जाएगी तथा किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके अतिरिक्त सभी परीक्षा केंद्रों में जैमर लगाए जाएंगे, जिससे मोबाइल नेटवर्क अथवा अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोका जा सके। प्रशासन का कहना है कि इस बार परीक्षा प्रक्रिया को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही की गुंजाइश नहीं छोड़ी जा रही है। वायुसेना की सहायता से प्रश्नपत्रों का परिवहन किया जाना परीक्षा सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। अधिकारियों का मानना है कि इससे प्रश्नपत्रों की गोपनीयता और सुरक्षा को लेकर उठने वाली सभी आशंकाओं का प्रभावी समाधान होगा। जिले में आयोजित होने वाली इस महत्वपूर्ण परीक्षा को लेकर प्रशासन, पुलिस विभाग और परीक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय नजर आ रही हैं। हजारों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी इस परीक्षा को निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए हर स्तर पर निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों का दावा है कि इस बार सुरक्षा व्यवस्था इतनी मजबूत बनाई गई है कि किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी की संभावना लगभग समाप्त हो जाएगी। परीक्षा को लेकर जिले के विद्यार्थियों और अभिभावकों में भी उत्सुकता बनी हुई है तथा सभी की निगाहें अब 21 जून को होने वाली इस महत्वपूर्ण परीक्षा पर टिकी हैं।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

जमीन सीमांकन के दौरान कृषक से मारपीट

दी जान से मारने की धमकी

3 महिला सहित 6 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम देवरीमेटा में जमीन सीमांकन के दौरान पुराने जमीन विवाद को लेकर एक कृषक के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। इस घटना में आरोपी पक्ष की महिलाओं ने भी कृषक को अश्लील गालियां दे दी। बिरसा पुलिस ने 14 जून को दोपहर हुए इस मामले में 3 महिलाओं सहित 6 आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम देवरीमेटा निवासी खिलेश्वर पटले खेती किसानी का कार्य करते हैं। जिनका गांव के ही उदेलाल शेन्द्रे से जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा है। खिलेश्वर की जमीन मीराबाई की जमीन से लगी हुई है। 14 जून को मीराबाई की जमीन का सीमांकन किया जाना था। इस संबंध में खिलेश्वर को भी नोटिस मिला था। 14 जून को दोपहर में मीराबाई की जमीन का पटवारी द्वारा सीमांकन किया जा रहा था। नोटिस मिलने पर खिलेश्वर भी दोपहर करीब 3 बजे सीमांकन स्थल पर पहुंचे थे।इसी दौरान उदेलाल शेन्द्रे भी वहां पहुंच गया और पुराने विवाद को लेकर खिलेश्वर से उलझ गया। और वह यहा क्यों आया है कहकर विवाद करने लगा था। कुछ ही देर में उदेलाल का बेटा योगेश और भतीजा यशवंत शेन्द्रे भी आ गए। तीनों ने मिलकर खिलेश्वर को अश्लील गालियां देनी शुरू कर दीं। गालियां देने मना करने पर उदेलाल और यशवंत ने खिलेश्वर के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। झगड़ा होते देखमौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर झगड़ा शांत कराया। इसके बाद तीनों ने खिलेश्वर को अकेले खेत में मिलने पर जान से खत्म करने की धमकी दी।विवाद के बाद जब खिलेश्वर अपने घर लौट रहे थे। तब उदेलाल की पत्नी मेहतरन बाई, जानन बाई और भेजन बाई ने भी पुराने जमीन विवाद को लेकर उन्हें रास्ते में रोककर अश्लील गालियां दीं।घटना के बाद खिलेश्वर पटले ने बिरसा थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने खिलेश्वर का मेडिकल परीक्षण स्थानीय अस्पताल में कराया। बिरसा पुलिस ने यशवंत पिता रामलाल शेन्द्रे, योगेश पिता उदेलाल शेन्द्रे, उदेलाल पिता मोहपाल शेन्द्रे, जानन बाई पति सूरजलाल शेन्द्रे, मेहतरन बाई पति उदेलाल शेन्द्रे और भेजन बाई पति रामलाल शेन्द्रे, सभी निवासी ग्राम देवरीमेटा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मारपीट, अश्लील गालियां देने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बैनगंगा नदी में डूबने से दो दोस्तों की दर्दनाक मौत

परिवार के इकलौते बेटे थे अक्षय और साहिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम खैरी में सोमवार को एक हृदयविदारक घटना ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया। गांव के दो युवा दोस्त बैनगंगा नदी में नहाने के दौरान गहरे पानी में डूब गए। जिससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद दोनों परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।क्योंकि मृतक युवक अपने-अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और मातम का माहौल व्याप्त है। खैरलांजी पुलिस ने दोनों युवक अक्षय पिता संजू लांनगे 18 वर्ष तथा साहिल पिता मनोज भालाधरे 18 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 जून को दोपहर लगभग 12 बजे अक्षय और साहिल गांव के समीप बहने वाली बैनगंगा नदी में नहाने के लिए गए थे। दोनों युवक पुलिया के नीचे नहा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों को तैरना नहीं आता था। नहाते समय वे अनजाने में नदी के गहरे हिस्से में पहुंच गए और पानी में डूबने लगे। जब आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें डूबते देखा तो तत्काल उनके परिजनों और रिश्तेदारों को सूचना दी गई।घटना की खबर मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। परिजन, रिश्तेदार और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। दोनों युवकों की तलाश के लिए स्थानीय मछुआरों की मदद ली गई। काफी मशक्कत के बाद मछुआरों ने नदी में खोजबीन शुरू की। बताया गया कि दोनों युवक पुलिया के पिलर के पास पानी के भीतर फंसे हुए थे।कड़ी मेहनत के बाद मछुआरों ने दोनों को नदी से बाहर निकाले लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। दोनों युवकों की मौत हो चुकी थी। यह दृश्य देखकर मौके पर मौजूद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। माताओं की चीख-पुकार और परिजनों का विलाप देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम

हो गई।सूचना मिलने पर खैरलांजी पुलिस भी मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए दोनों शवों को अस्पताल पहुंचाया। पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों का पोस्टमार्टम कराया गया और परिजनों को सौंप दिया गया।खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में मर्ग क्रमांक 14/2026 एवं 15/2026 कायम कर जांच शुरू कर दी है। दोनों युवकों का अंतिम संस्कार गमगीन माहौल में किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। गांव के लोगों की आंखें नम थीं। दो युवा दोस्तों की एक साथ हुई मौत ने पूरे ग्राम खैरी को स्तब्ध कर दिया है। ज्ञात हो कि अक्षय के परिवार में उसकी मां ही एकमात्र सहारा हैं।जो मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करती हैं। अक्षय ने इसी वर्ष कक्षा 12वीं उत्तीर्ण की थी और आईटीआई में प्रवेश लिया था। व्हीं साहिल भालाधरे भी अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी दो बहनें हैं और वह भी आईटीआई में अध्ययनरत था। दोनो युवक के परिवार ने उनके भविष्य को लेकर कई सपने संजो रखे थे लेकिन एक पल में सब कुछ बिखर गया।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट